सूर्योदय 6.09 सूर्यास्त 6:19

आज का तापमान

शिमला	15.6 न्यू	21.5 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,294
निफ्टी	23,346

सोना 1,54,000 चांदी 2,37,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 21 सितंबर 2026 | 5 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 147, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

कांग्रेस जोकरों की पार्टी बनी : भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली। राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर विवाद हो गया। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं... रेस्ट इन पीस। शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र संवाद का इस्तेमाल पीएम मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौंकाने वाली कमी दिखाता है।

मुंबई में बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से गिरी 3 की मौत, एक घायल

एजेंसी, मुंबई। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5:20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से करीब 75 फुट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

डिवाइडर से टकराकर आग का गोला बनी कार, डॉक्टर की मौत

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में रविवार को सड़क डिवाइडर से टकराने के बाद कार में आग लग गई। हादसे में कार सवार एक डॉक्टर की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसा हैदराबाद-खम्मम हाईवे पर पिल्लमलारी फ्लाईओवर के पास हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। कार की ड्राइविंग सीट पर एक जला हुआ शव मिला। पुलिस ने बताया कि पास के टोल गेट की जानकारी और कार के अस्थायी रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मृतक की पहचान के. जगदीश के रूप में हुई। वह खम्मम जिले के एक अस्पताल में न्यूरोसर्जन थे। जगदीश खम्मम से हैदराबाद अपने परिवार से मिलने जा रहे थे।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, मादक पदार्थ और चोरी के वाहन बरामद

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में अलग-अलग अभियानों के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इम्फाल पश्चिम और बिष्णुपुर में आरएनएफएम तथा आरपीएफ/पीएलए से जुड़े दो सदस्यों को पकड़ा गया। वहीं, सेनापति में संयुक्त टीम ने दो अन्य लोगों को 2.3 किलो एम्फेटामाइन युक्त वाईवाई टैबलेट, एक वाहन और 5,000 रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया। जांच के दौरान एक अन्य सहयोगी को भी पकड़ा गया। पुलिस ने दो चोरी के वाहन भी बरामद किए हैं।

रूस में चुनाव के आखिरी दिन सैकड़ों ड्रोन से हमला, मॉस्को में दो की मौत

ऑयल रिफाइनरी को भी हुआ नुकसान, रूस ने 1600 ड्रोन मार गिराए

एजेंसी, मॉस्को। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में सैकड़ों ड्रोन से हमला किया गया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। मेयर ने बताया कि शनिवार से रूस ने 1600 से ज्यादा ड्रोन को मार गिराया है। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। एक ड्रोन के 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकराने के बाद आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे। रूसी अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में यूक्रेन के दखल का आरोप लगाया है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को की ऑनलाइन वोटिंग सिस्टम पर साइबर हमला हुआ। हालांकि, हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ होने की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

रूस में जंग के बाद पहला संसदीय चुनाव

रूस में शुक्रवार से संसदीय चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के लिए जनता के समर्थन की परीक्षा के तौर पर पेश किया है। चुनाव के नतीजों को रूस पुतिन की नीतियों और यूक्रेन युद्ध के समर्थन के तौर पर पेश कर सकता है। भारतीय समयानुसार रविवार रात 11:30 बजे से शुरुआती नतीजे आने की उम्मीद है। चुनाव के पूरे नतीजे सोमवार तक सामने आ सकते हैं।

तमिलनाडु : तांत्रिक के पास 50 लड़कियों के अश्लील वीडियो मिले

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु के सेलम में पुलिस ने एक तांत्रिक को महिलाओं और नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करने के आरोप में रविवार को अरेस्ट किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी विजयराजा (50) वाझापाड़ी के पास एक तंत्र-मंत्र केंद्र चलाता था। वह पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं और लड़कियों के वीडियो हिडन कैमरों से रिकॉर्ड करता था और उन्हें डार्क वेब पर बेच देता था। आरोपी के पास से एक लैपटॉप बरामद किया गया, जिसमें महिलाओं और स्कूली छात्राओं के 50 से अधिक वीडियो मिले। पुलिस के मुताबिक, कुछ महिलाओं को कथित तौर पर नशीला पदार्थ मिला पानी या प्रसाद देकर बेहोशी की हालत में उनके वीडियो बनाए गए। मामला तब सामने आया, जब विनायक चतुर्थी के लिए चंदा लेने पहुंची एक स्कूली छात्रा के साथ उसने कथित तौर पर छेड़छाड़ करने की कोशिश की। छात्रा ने डरकर अपने परिवार को जानकारी दी।

चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने से टाटा ट्रस्ट नाराज : कहा- बहुमत काफी नहीं

◆ **डायरेक्टर्स की सहमति जरूरी तीन दिन पहले बढ़ा था टाटा संस चेयरमैन का कार्यकाल**

एजेंसी, जोधपुर। टाटा समूह में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के 17 सितंबर के उस फैसले की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें चंद्रशेखरन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने का फैसला हुआ था।

ट्रस्ट्स का कहना है कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के मुताबिक, ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों की मंजूरी जरूरी थी। ऐसे में चेयरमैन के पास मौजूद कास्टिंग वोट इस शर्त को खत्म नहीं कर सकता। टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव पर कोई गतिरोध था ही नहीं। टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के दो नामित निदेशक हैं। इनमें से रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया, जबकि दूसरे ट्रस्ट-नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने प्रस्ताव का समर्थन किया। ट्रस्ट्स का तर्क है कि दो नामित निदेशकों में बहुमत का मतलब दो है, एक नहीं। इसलिए, जरूरी समर्थन नहीं मिला और प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हो सकता था।

टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को एक और पांच साल के लिए एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने के प्रस्ताव को 4-1 के अंतर से मंजूरी दी थी। नोएल टाटा ने इसका विरोध किया था। खास बात यह है कि चंद्रशेखरन पहले ही कह चुके थे कि वह अगले कार्यकाल के लिए खुद दावेदारी नहीं करेंगे।

आसमान में गूंजी भारत-जापान की दोस्ती, तेजस में साथ उड़े दोनों वायु सेना प्रमुख

एजेंसी, जोधपुर। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन से रविवार को भारत-जापान के मजबूत होते रक्षा संबंधों की एक यादगार तस्वीर सामने आई। भारत और जापान के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास 'वीर गार्जियन-2026' के दौरान दोनों देशों के वायु सेना प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरकर आसमान में अपनी साझेदारी का नया अध्याय लिखा। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सोलो उड़ान भरते हुए तेजस विमानों के फॉर्मेशन का नेतृत्व किया। जापान एयर एंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोरिता ताकेहिरो ने ग्रुप कैप्टन आई. सम्राट के साथ सह-पायलट के रूप में तेजस में उड़ान भरी। उड़ान से पहले दोनों वायु सेना प्रमुखों ने एक-दूसरे का अभिवादन किया और अपने-अपने विमानों की ओर बढ़े।

दिल्ली एसआईआर : आडवाणी-सिसोदिया समेत 33 लाख मतदाताओं को नोटिस

◆ **डिटेल मैच नहीं हुई, 29 अक्टूबर तक समय; 4 नवंबर को आएगी आखिरी लिस्ट**

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत लालकृष्ण आडवाणी और आप नेता मनीष सिसोदिया को चुनाव आयोग की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, कुल 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे गए हैं।

दिल्ली के वोटरों को एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया के तहत जमा किए गए उनके एन्यूमरेशन फॉर्म की जानकारी में गड़बड़ियों के लिए नोटिस भेजा जा रहा है। एक दिन पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस जारी होने की खबर सामने आई थी। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में विदेश मंत्री एस जयशंकर, सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद और पूर्व आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी को भी नोटिस जारी करने की बात सामने आई है। नोटिस पाने वाले मतदाताओं को 29 अक्टूबर तक अपने विधानसभा क्षेत्र के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास जवाब और जरूरी दस्तावेज जमा करने हैं। एसआईआर का दावा-आपत्ति चरण 30 सितंबर तक चलेगा और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी।

इन नेताओं को भी नोटिस

पूर्व दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और भाजपा नेता सुधांशु मित्तल को भी नोटिस भेजा गया है। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के वोटर कपिल सिब्बल को पिछली एसआईआर से रिकॉर्ड लिंक नहीं होने के कारण नोटिस मिला है। वीरेंद्र सचदेवा ने बताया कि उन्हें नाम से जुड़ी गड़बड़ी के कारण नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि जरूरी दस्तावेजों के जरिए इसे ठीक करा लेंगे।

इमरान खान की बहन लाहौर से गिरफ्तार

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह इमरान की रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को होने वाले पीटीआई के प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं। इससे एक दिन पहले शनिवार को अडियाला जेल में इमरान का मेडिकल चेकअप किया गया था।

जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीआईएमएस के डॉक्टर की अगुआई में उनकी जांच हुई। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच की गई। 18 अगस्त को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के बड़े सरकारी मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें वापस अडियाला जेल भेज दिया गया था।

अब 1.80 लाख आय वाले परिवारों को भी मिलेगा लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नवंबर के महीने में 1.80 लाख रुपए तक आय वाली पात्र महिलाओं को लाडो लक्ष्मी का लाभ मिलेगा।

सरकार ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी नाम से महत्वपूर्ण योजना को लागू करके महिलाओं को प्रति महीने 2100 रुपए देने के वायदे को पूरा किया है। अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को योजना का विस्तार किया गया है, अब 1.80 लाख वार्षिक आय वाले परिवार को लाभार्थी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विस्तार के बाद आवेदन के लिए पोर्टल को खोला गया है और पात्र महिलाओं को एक नवंबर के दिन योजना का लाभ पहुंचाया जाएगा। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि ऑनलाइन माध्यम से उनके खातों भेजी जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

◆ **सरकार ने पिछले 12 साल में 2 लाख को बिना खर्ची पर्ची दी सरकारी नौकरी**

रविवार को लाडवा विधानसभा में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 12 साल में प्रदेश के 2 लाख युवाओं को बिना खर्ची पर्ची योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी है, इससे पहले की सरकार में सरकारी नौकरी पाने के लिए पैसा और सिफारिश ढूंढनी पड़ती थी ,लेकिन अब गरीब का बेटा ग्रुप डी से लेकर एचसीएस तक की नौकरी योग्यता के आधार पर पा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेज गति के साथ विकास कार्य करवाएं जा रहे है। उन्होंने गांव कालीरानों में गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपए और लाइब्रेरी की किताबों के लिए 2 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही गांव सुल्तानपुर में 21 लाख रुपए गांव के विकास के लिए और 5 लाख रुपए गुरुद्वारा साहिब में देने की घोषणा की, इसी तरह गांव सौंटी, गांव बीड सौंटी और गांव के गुरुद्वारा साहिब में 21-21 लाख रुपए, की राशि देने की घोषणा की है। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी महेंद्र सैनी भी उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर : घर पर लगाया कैमरा आईएसआई को भेजी लाइव फीड

◆ **सेना के रूट की जानकारी देता था; पुलिस ने अरेस्ट किया**

एजेंसी, कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 24 साल के ट्रक ड्राइवर को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में अरेस्ट किया गया।

आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई है। अमन ने अपने घर के बाहर सिम इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरा लगाया था। कैमरे का रुख उस सड़क की ओर था, जिसका इस्तेमाल सुरक्षा बल अक्सर करते हैं। वहां से फुटेज आईएसआई हैंडलर्स को लाइव भेजी जाती थी। आरोप है कि कैमरा लगाने के लिए उसे 20 हजार रुपए दिए गए थे। यह रकम दुबई स्थित एक चैनल के जरिए भेजी गई थी। जांच में कथित जासूसी नेटवर्क के दायरे और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में आईएसआई से जुड़े नेटवर्क का पिछले चार महीने में यह दूसरा मामला सामने आया है। जम्मू-कश्मीर में चार महीने में डिजिटल सर्विलांस से जुड़े आईएसआई नेटवर्क का यह दूसरा मामला सामने आया है। मई में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू के मकवाल गांव से 23 साल के करण कुमार को इसी तरह के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसे स्नैपचैट पर खुद को पंजाब में तैनात बीएसएफ जवान बताने वाली एक महिला ने अपने जाल में फंसाया था।

मुख्यमंत्री योगी ने 912 चयनित अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया में था भाई-भतीजावाद

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब किसी अभ्यर्थी का चयन शुचितापूर्ण, पारदर्शी तरीके से होता है तो यह सिर्फ केवल एक व्यक्ति के परिवार के लिए नहीं, बल्कि शासन और आम नागरिक के प्रति एक विश्वास का प्रतीक भी बनता है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले मैंने उत्तर प्रदेश की व्यवस्था को बहुत नजदीक से देखा था और महसूस भी करते थे। भर्ती प्रक्रिया की विसंगतियों को लेकर उस समय नौजवानों के सामने निराशा, हताशा

हम लोगों ने महसूस किया था। उस समय बेहतर कार्य करने की इच्छाशक्ति का अभाव था, भाई भतीजावाद का बोलबाला पूरे सिस्टम को जकड़े हुए था। पेपरलीक के मामले अलग होते थे। यूपी पुलिस में तो इस कदर बदनामी थी कि परीक्षा कोई देता था, नियुक्तिपत्र प्राप्त कोई करता था। जो एप्लिकेंट नहीं थे, उनको नियुक्तिपत्र बांट दिए जाते थे। जो आवेदनकर्ता योग्य थे, उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था। उन पर लंबी जांचें चलीं, लेकिन परिणाम शून्य था। 2017 में हमने आकर तय किया कि भर्ती प्रक्रिया में हम रिफॉर्म करेंगे, जो भी बोर्ड आयोग हों या शिक्षा के अलग-अलग पार्ट हों, हमने तीनों को एक साथ शिक्षा आयोग का गठन किया मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम हम योग्य अभ्यर्थियों का चयन करते हैं तो कैसे परिवर्तन होता है।

भारतीय समाज मां पर उपहास की राजनीति स्वीकार नहीं कर सकता : मुख्यमंत्री रेखा

◆ **कहा- राजनीतिक मतभेद अपनी जगह, मां का अपमान स्वीकार्य नहीं**

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मां के अपमान पर हंसकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने राजनीतिक संस्कार पूरे देश के सामने रख दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को पोस्ट करते हुए कहा कि राजनीति में विरोध हो सकता है, वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, तीखे प्रहार भी हो सकते हैं, लेकिन किसी की दिवंगत मां पर अमर्यादित टिप्पणी और उस पर उपहास की राजनीति को भारतीय समाज कभी स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माताजी को राजनीति में घसीटना और अपमानजनक टिप्पणी पर हंसना किस राजनीतिक संस्कृति का परिचय है? दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि एक सार्वजनिक मंच से दुनिया भर की मां का उपहास उड़ाना और उस पर खिलखिलाकर हंसना साफ दिखाता है कि सोनिया गांधी ने अपने बेटे को कैसे संस्कार दिए हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी हैं जो दुनिया भर में भारतीय संस्कृति और मातृशक्ति का मान बढ़ा रहे हैं, वहीं राहुल गांधी युवाओं के मंच से मां के अपमान को बढ़ावा देकर अपनी ओछी मानसिकता दर्शा रहे हैं।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा डोनाल्ड ट्रंप छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे

एजेंसी, वॉशिंगटन। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने इलाके में मौजूद अपने दूतावासों और नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्क रहने को कहा है।

इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने नहीं बताई है। वहीं, रशिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी B-vB लांसर बॉम्बर ने ब्रिटेन के RAF फेयरफोर्ड एयरबेस से फुल आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर

ईरान ने जंग खत्म करने के लिए 7 शर्तें रखीं

ईरान ने चल रही जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने 7 शर्तें रखी हैं। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उसकी मांगें नहीं मानीं, तो वह जंग जारी रखने के लिए तैयार है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में फ्रीज किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है।

◆ **सऊदी बोला- हूतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की**

एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है। अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है।

अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे फ्लाइट और एयरपोर्ट से जुड़ी ताजा जानकारी देखते रहें। सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे।

महोत्सव

बद्रीनाथ में देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल का भव्य समापन, सीएम ने स्टॉलों का निरीक्षण कर उत्पादों की जानकारी ली

लोक संस्कृति उत्तराखंड की पहचान, इसे सहेजना जरूरी : धामी

एजेंसी, गोपेश्वर। बदरीनाथ में आयोजित दो दिवसीय देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल के समापन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पहचान उसकी लोक संस्कृति में है और नई पीढ़ी को अपनी भाषा, परंपराओं और जड़ों से जोड़ना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोकगीत, लोकनृत्य, रीति-रिवाज और पारंपरिक पर्व केवल विरासत नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान हैं, जिन्हें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है।

बद्रीनाथ धाम के ट्रस्ट अराइवल प्लाजा में भारतीय सेना और जिला प्रशासन चमोली की ओर से ऑपरेशन सद्भावना के तहत आयोजित महोत्सव में लोक संस्कृति के रंगों के साथ सीमांत जीवन और सेना की भूमिका की

झलक दिखाई दी। मुख्यमंत्री ने बामणी गांव पहुंचकर नंदा अष्टमी उत्सव में ग्रामीणों के साथ भाग लिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पहचान उसकी लोक संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और परंपराओं से है। नई पीढ़ी को अपनी भाषा और संस्कृति से जोड़ने के लिए इन परंपराओं को बचाए रखना जरूरी है। महोत्सव में महिला स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय कारीगरों, किसानों और युवा उद्यमियों ने स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए। मुख्यमंत्री ने स्टॉलों का निरीक्षण कर उत्पादों की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को पर्यटन से जोड़ने से सीमांत क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। समापन समारोह में जीओसी-इन-सी सेंट्रल कमान लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, जीओसी उत्तर भारत एरिया लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा,

माणा, नीती और जादुंग पर फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत माणा, नीती और जादुंग जैसे सीमांत क्षेत्रों में सड़क, बिजली, दूरसंचार, पर्यटन और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। सरकार का जोर सीमांत क्षेत्रों में स्थानीय रोजगार बढ़ाने और पलायन रोकने पर है। उन्होंने कहा कि मिलेट, सेब, होम स्टे, कृषि, बागवानी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, सुगंधित पौधों और स्थानीय मसालों की खेती के साथ शीतकालीन एवं साहसिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदेश में 3.10 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ विरासत को बचाना भी जरूरी है। लोक भाषा, लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा, मेले और पर्व उत्तराखंड की पहचान हैं और इनके संरक्षण की जिम्मेदारी सभी की है।

ब्रिगेडियर गौरव बत्रा, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ आदि मौजूद रहे। समापन समारोह में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महोत्सव में भारतीय सेना की सैन्य प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक हथियारों और सैन्य उपकरणों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में युवाओं और विद्यार्थियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों के जीवन, आपदा राहत और जनसेवा कार्यों से भी परिचित कराया गया।

महान ज्ञान परंपरा भारत की पहचान : राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

युवाओं को नशे से बचाने के साथ उपचार सुविधाएं बढ़ाने की बनाई गई योजना

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत की महान ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चेतना, सेवा और मानवीय मूल्यों की भावना देश की विशिष्ट पहचान है। भारतीय संस्कृति ने सदैव संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में देखने का संदेश दिया है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे विचार भारत की उस सनातन चेतना को दर्शाते हैं, जिसमें मानव मात्र के कल्याण की कामना निहित है। उन्होंने कहा कि भारत की यह समृद्ध परंपरा आज भी विश्व को शांति, सद्भाव और मानव कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता कांगड़ा जिले के सिद्धबाड़ी स्थित चिन्मय तपोवन आश्रम, संदीपनी हिमालय में आयोजित चिन्मय अमृत महोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह आयोजन चिन्मय मिशन की 75 वर्षों की आध्यात्मिक एवं सामाजिक यात्रा तथा पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद जी के प्रेरणादायी जीवन और योगदान को समर्पित था। कार्यक्रम के दौरान चिन्मय मिशन की सात दशकों से अधिक की यात्रा, भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण और समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को स्मरण किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि चिन्मय मिशन ने भारतीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन और उनके संदेश को देश-विदेश में जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वामी चिन्मयानंद जी ने भारतीय दर्शन, वेदांत और आध्यात्मिक चिंतन को सरल एवं प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने का कार्य किया। उनके विचारों और प्रयासों से देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अनेक लोग भारतीय दर्शन, संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े। उन्होंने

◆ चिन्मय अमृत महोत्सव में भारतीय संस्कृति, ज्ञान, सेवा और आध्यात्मिक परंपरा पर हुआ मंथन

कहा कि चिन्मय मिशन की 75 वर्षों की यात्रा केवल एक आध्यात्मिक संगठन की यात्रा नहीं है, बल्कि यह भारतीय ज्ञान परंपरा को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने और सेवा के माध्यम से मानव कल्याण की दिशा में किए गए प्रयासों की भी यात्रा है। मिशन ने शिक्षा, आध्यात्मिक अध्ययन, संस्कार निर्माण और सामाजिक सेवा के माध्यम से लोगों को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया है। ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान, सेवा, साधना और मानव कल्याण की समृद्ध परंपरा रही है।

यहां ज्ञान को केवल पुस्तकीय जानकारी तक सीमित नहीं माना गया, बल्कि इसे जीवन को सही दिशा देने और सत्य का बोध कराने का माध्यम माना गया है। इसी प्रकार सेवा को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व के रूप में देखा गया है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और जीवन मूल्यों से जोड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत की महान ज्ञान परंपरा और आध्यात्मिक चेतना हमारी पहचान है। हमारी संस्कृति ने सदैव मानवता को एकता और सद्भाव का संदेश दिया है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना यह सिखाती है कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण की चिंता करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारत की यह सोच और अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

बालीवाल में एक साल में आएगा बड़ा बदलाव, 125 करोड़ की विकास योजनाओं को मिलेगी रफ्तारः मुकेश अग्निहोत्री

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि बालीवाल पंचायत में अगले एक वर्ष में विकास का बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। करीब 125 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को गति दी जाएगी। पंजुआणा-पोलियां सड़क पर 42 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा बल्क ड्रग पार्क का प्रशासनिक भवन भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पंचायत में प्रस्तावित विकास कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बल्क ड्रग पार्क के विकास से क्षेत्र में रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यूको बैंक अंचल कार्यालय शिमला में डीआरटी पीठासीन अधिकारी ए.एस. नारंग का हुआ स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला में नए ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) कैंप कार्यालय के उद्घाटन के बाद पीठासीन अधिकारी ए.एस. नारंग ने यूको बैंक के अंचल कार्यालय शिमला का दौरा किया। इस दौरान यूको बैंक की ओर से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बैठक में डीआरटी कार्यालय के संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर यूको बैंक अंचल कार्यालय शिमला के अंचल प्रमुख एवं एसएलबीसी संयोजक कमल कुमार शर्मा, ऋण वसूली अधिकरण-1, चंडीगढ़ के रजिस्ट्रार रजनीश, यूको बैंक के पैनल अधिवक्ता संजय दलमिया सहित अंचल कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पीठासीन अधिकारी ए.एस. नारंग का स्वागत करते हुए शिमला में डीआरटी कैंप कार्यालय शुरू होने को महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक के दौरान डीआरटी के नए कार्यालय के शुभारंभ, अधिकरण से संबंधित मामलों, उनके समाधान, सरफेसी अधिनियम से जुड़े विषयों तथा आवश्यक दस्तावेजों सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैंक अधिकारियों और संबंधित पक्षों ने मामलों के समयबद्ध निपटारे तथा प्रक्रियाओं को सुचारू बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया। पीठासीन अधिकारी ए.एस. नारंग ने कहा कि अधिकरण से संबंधित मामलों में अधिवक्ताओं द्वारा जवाब निर्धारित समय सीमा के भीतर भेजे जाने चाहिए। उन्होंने समयबद्ध प्रक्रिया को आवश्यक बताते हुए संबंधित पक्षों से नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

इससे मामलों के निपटारे में अनावश्यक देरी को कम करने में मदद मिलेगी। यूको बैंक अंचल प्रमुख कमल कुमार शर्मा ने शिमला में डीआरटी कार्यालय के शुभारंभ पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शिमला में डीआरटी की सुविधा उपलब्ध होने से हिमाचल प्रदेश के लोगों को ऋण वसूली और बैंकिंग से जुड़े मामलों में सुविधा मिलेगी।

क्योंथल में महकी मक्की के पचौलों की खुशबू, पहाड़ी स्वाद ने बिखेरी मिठास

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। क्योंथल क्षेत्र की समृद्ध खान-पान परंपरा में मक्की का विशेष स्थान रहा है। इन दिनों खेतों में हरी मक्की के भुट्टे तैयार होने के साथ ही जुन्गा क्षेत्र के ग्रामीण घरों में पारंपरिक मक्की के पचौलों की खुशबू भी फैलने लगी है। हरी मक्की से तैयार यह पहाड़ी व्यंजन स्वाद के साथ ग्रामीण जीवन और पहाड़ी संस्कृति की पुरानी यादों को भी ताजा करता है।

क्योंथल में मक्की का इस्तेमाल लंबे समय से विभिन्न रूपों में किया जाता रहा है। भुट्टे सेंककर खाने से लेकर मक्की की रोटी, सतू और पचौले तक, यह स्थानीय खान-पान का अभिन्न हिस्सा रही है।

वरिष्ठ नागरिक दौलत राम मेहता, दया राम वर्मा और प्रीतम ठाकुर बताते हैं कि पचौले बनाने के लिए हरी मक्की के दानों को पीसकर पेस्ट तैयार किया जाता है। पहले यह काम सिल-बट्टे पर होता था, जबकि अब मशीन से आसानी हो गई है। पेस्ट से मीठे और नमकीन दोनों तरह के पचौले बनाए जाते हैं। मीठे पचौलों में गुड़ या चीनी, सौंफ और गरी मिलाई जाती है, जबकि नमकीन पचौलों में नमक और मसाले डाले जाते हैं। इन्हें घी और दही के साथ परोसा जाता है।

इस्कॉन शिमला में धूमधाम से मनाया गया श्री राधाष्टमी महामहोत्सव

भारतेन्दु संवाददाता शिमला। बीसीएस स्थित इस्कॉन शिमला केंद्र में रविवार को श्री राधाष्टमी महामहोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री श्री राधा गोपीनाथ के विशेष अभिषेक, हरिनाम संकीर्तन, पंचामृत से हुआ श्री श्री राधा गोपीनाथ का महाभिषेक, हरिनाम संकीर्तन और भजनों पर झूमे श्रद्धालु।

जुन्गा बटालियन में सखी सम्मेलन आयोजित - महिलाओं ने दिखाए हुनर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रथम हिमाचल प्रदेश सशस्त्र पुलिस बटालियन जुन्गा में पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय, संवाद और आपसी मेलजोल बढ़ाने के उद्देश्य से सखी सम्मेलन आयोजित किया गया। बटालियन के कमांडेंट भूपेंद्र नेगी की पहल पर हुए कार्यक्रम में बटालियन की महिला कर्मचारियों सहित आसपास की पंचायतों की करीब 100 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सखी सम्मेलन में सीमा नेगी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ आपसी सहयोग और संवाद मजबूत करने का अवसर देते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सिलाई-कढ़ाई, मेहंदी, चित्रकला, क्रोशिया, स्वादिष्ट व्यंजन और स्थानीय पारंपरिक व्यंजन बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अलावा मटकी फोड़ और रस्साकशी जैसी मनोरंजक प्रतियोगिताओं में भी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

एक हफ्ते से लापता पिता-पुत्री का नहीं मिला सुराग

12 सितंबर की रात घर से निकले थे पिता-पुत्री, अगले दिन ओगली के पास मिली पिकअप

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के सुन्नी क्षेत्र से लापता हुए पिता-पुत्री का एक सप्ताह बीतने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कुलदीप और उसकी 18 वर्षीय बेटी स्नेहा 12 सितंबर की शाम पिकअप गाड़ी में घर से निकले थे। पुलिस ने दोनों की तलाश में ओगली, सुन्नी और तत्तापानी सहित सतलुज नदी के किनारे कई संभावित स्थानों पर सर्च अभियान चलाया, लेकिन अभी तक दोनों का पता नहीं चला है।

जानकारी के अनुसार, 12 सितंबर की रात करीब डेढ़ बजे कुलदीप ने अपनी पत्नी सुनीता से फोन पर बात की थी। उसने पत्नी को बताया था कि वह पन्दोआ पहुंच गया है और कुछ समय बाद घर पहुंच जाएगा। उसने नाश्ता तैयार रखने की बात भी कही थी। करीब दस मिनट बाद जब सुनीता ने दोबारा फोन किया तो कुलदीप का मोबाइल बंद मिला। इसके बाद उसका मोबाइल लगातार स्विच ऑफ है। वहीं, स्नेहा अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़कर गई थी।

अगले दिन परिजनों ने दोनों की तलाश शुरू की। इस दौरान पिकअप ओगली गांव के पास सड़क किनारे खड़ी मिली। वाहन की जांच करने पर कंडक्टर साइड का शीशा टूटा हुआ पाया गया। गाड़ी के अंदर कुलदीप की चाबियों का गुच्छा, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और स्वेटर मौजूद थे। स्नेहा का हुड भी पिकअप की पिछली सीट के अंदर मिला। जांच में यह भी सामने आया कि ओगली पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने के बाद कुछ लोगों ने पिकअप को करीब एक किलोमीटर पीछे तलाह गांव के पास देखा था। इसके कुछ समय बाद वही पिकअप सतलुज नदी के किनारे सड़क पर खड़ी मिली। वाहन में दोनों के जरूरी सामान और दस्तावेज मिलने के बावजूद पिता-पुत्री का कोई पता नहीं चल सका। परिजनों की शिकायत पर सुन्नी थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत मामला

◆ सड़क किनारे मिली पिकअप, एक सप्ताह बाद भी पिता-पुत्री लापता

दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच विभिन्न पहलुओं से कर रही है। पुलिस मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, बैंक खातों और आधार संबंधी जानकारी की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने ओगली, सुन्नी और तत्तापानी के आसपास के क्षेत्रों के अलावा सतलुज नदी के किनारे भी संभावित स्थानों को खंगाला है। फिलहाल सर्च अभियान जारी है। पुलिस का कहना है कि दोनों की तलाश के लिए उपलब्ध तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

पावर टिलर समेत कृषि उपकरणों पर मिलेगा 50 प्रतिशत अनुदान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। कृषि विभाग के कृषि अभियान्त्रिकी उप मिशन के तहत किसानों को अनुदान पर कृषि उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए एग्री मशीनरी पोर्टल 22 सितंबर से पुनः सक्रिय होगा। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए इच्छुक किसान कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल के माध्यम से कृषि उपकरणों के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है।

प्रवक्ता ने बताया कि निर्धारित अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों में से पात्र किसानों का चयन एक अक्तूबर को लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। चयनित किसानों को योजना के तहत निर्धारित कृषि उपकरणों पर अनुदान प्रदान किया जाएगा। लघु एवं सीमांत किसानों के साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला किसानों को कृषि यंत्रों की खरीद पर 50 प्रतिशत तक

◆ 22 सितंबर से एग्री मशीनरी पोर्टल खुलेगा, किसानों को कृषि उपकरणों पर मिलेगा 50 प्रतिशत अनुदान

अनुदान उपलब्ध करवाया जाएगा। विभाग ने किसानों से योजना का लाभ उठाने के लिए निर्धारित अवधि में आवेदन करने का आग्रह किया है।

उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे कृषि उपकरणों की खरीद केवल भारत सरकार से पंजीकृत फर्मों से ही करें तथा स्वीकृत मॉडल के उपकरणों को प्राथमिकता दें। इससे अनुदान प्राप्त करने के बाद किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विभाग ने किसानों से खरीद से पहले उपकरण और विक्रेता की पात्रता की जानकारी सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है। प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार पहाड़ी क्षेत्रों में खेती को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए कृषि के मशीनीकरण को बढ़ावा दे रही है।

कवालिया पीक पर भैंस पालकों का पारंपरिक जातर मेला संपन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा तहसील की सुरम्य कवालिया चोटी पर भैंस पालकों की ओर से आयोजित पारंपरिक जातर मेला रविवार को कवालिया देवता की पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पीरन और सतलाई के सैकड़ों लोगों ने कवालिया देवता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। देवता की पूजा के दौरान भैंस के दूध से विशेष खीर तैयार कर श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित की गई।

समुद्र तल से करीब आठ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित कवालिया मंदिर प्राचीन समय से क्षेत्र के भैंस पालकों की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में शुभ मुहूर्त के अनुसार जातर आयोजित की जाती है। देवता के पुजारी जबर सिंह ठाकुर ने बताया कि पीरन और सतलाई क्षेत्र के भैंस पालक करीब छह माह तक भैंसों के साथ कवालिया में अस्थायी शिविर लगाकर रहते हैं और दशहरे के बाद ठंड बढ़ने पर वापस लौटते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, भैंस पालक पीढ़ियों से यहां आते रहे हैं। प्राकृतिक वातावरण में पशु खुले वन क्षेत्र में विचरण करते हैं, जबकि पशुपालक घास-फूस से अस्थायी आवास तैयार करते हैं।

दरारें आठ से 10 मकानों की दीवारों, फर्श और डंगों में दरारें, स्थानीय लोगों ने जांच की मांग की

शिमला में टनल निर्माण के बीच मकानों में दरारें, काम रुकवाया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के संजौली स्थित शांति विहार वार्ड के समिट्री और ढींगू बावड़ी क्षेत्र में कई रिहायशी मकानों में दरारें आने के बाद फोरलेन टनल का निर्माण कार्य फिलहाल रोक दिया गया है। जिला प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित मकानों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की शिकायतें सुनीं।

प्रशासन ने निर्माण कंपनी को तत्काल काम रोकने, भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दरारों के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए जांच कराने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भट्टाकुफर से चलौंठी के बीच बन रही समानांतर टनलों के निर्माण के कारण

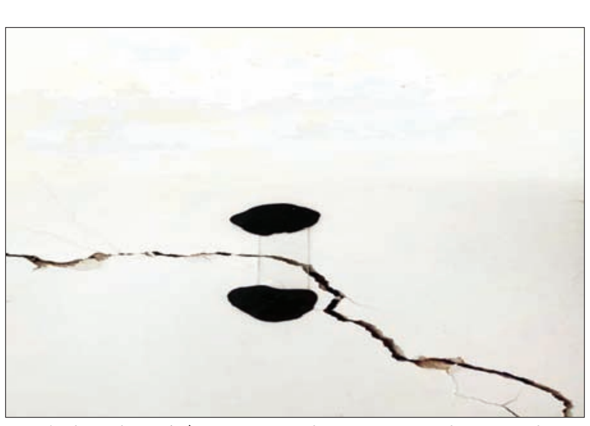

मकानों में दरारें आई हैं। हालांकि, टनल निर्माण ही दरारों का कारण है, यह अभी किसी आधिकारिक जांच में स्थापित नहीं हुआ है। एडीएम प्रोटोकॉल ज्ञान सागर नेगी की अगुवाई में प्रशासनिक टीम ने प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। अधिकारियों ने मकान मालिकों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में कम से कम आठ से 10 मकानों की दीवारों, फर्श और डंगों में दरारें आई हैं।

उनका कहना है कि निर्माण गतिविधियां शुरू होने के बाद नई दरारें दिखाई दीं। कुछ मकानों में टाइलें और अन्य हिस्से भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यदि निर्माण कार्य आगे बढ़ता है तो मकानों को और नुकसान हो सकता है। उन्होंने विशेषज्ञों से तकनीकी और भूवैज्ञानिक जांच करवाने की मांग की है। शांति विहार वार्ड के पार्षद विनीत शर्मा और स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि टनल निर्माण के दौरान रात में ब्लास्टिंग या भूमिगत गतिविधियों से कंपन महसूस हुई और इसके बाद मकानों में दरारें दिखाई दीं।

राधाष्टमी पर झूमा लौंगवुड, 56 भोग और भंडारे में उमड़ी भीड़

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के लौंगवुड स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, अग्रवाल धर्मशाला में राधाष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। अग्रवाल सभा शिमला की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भजन संध्या, 56 भोग, फलाहार वितरण और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और भजनों का आनंद लिया।

शाम साढ़े चार बजे शुरू हुई भजन संध्या में प्रसिद्ध भजनीक राजिन्द्र काली एवं पार्टी ने राधा-कृष्ण के भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमने लगे और पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। आयोजन में युवाओं की विशेष भागीदारी रही। बड़ी संख्या में युवा भजन संध्या में शामिल हुए और देर तक भक्ति में लीन रहे। भजन संध्या के बाद महाआरती हुई। इसके उपरांत ठाकुर जी को 56 प्रकार के व्यंजनों का छप्पन भोग अर्पित किया गया। भोग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। आयोजकों की ओर से फलाहार का वितरण भी किया गया। रात साढ़े आठ बजे शुरू हुआ विशाल भंडारा देर रात तक चलता रहा।

न्यूज ब्रीफ

जिसका कोई नहीं था, उसकी बेटी बनीं शालू सैनी और कराया अंतिम संस्कार

अनिल थपलियाल, रुड़की। मुजफ्फरनगर की शालू सैनी ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए लावारिस बुजुर्ग की बेटी बनकर उनका अंतिम संस्कार किया। साईं बाबा मंदिर के सामने स्टेशन स्थित अपने फास्ट फूड स्टॉल के पास बुजुर्ग कई दिनों से रह रहे थे और मांगकर भोजन करते थे। निधन के बाद उनका कोई परिजन सामने नहीं आया। ऐसे में शालू सैनी ने स्वयं उनकी बेटी की जिम्मेदारी निभाते हुए पूरे विधि-विधान और सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया। उन्होंने कहा कि बेसहारा लोगों की बेटी और वारिस बनना उनके लिए केवल काम नहीं, बल्कि धर्म, कर्म और जिम्मेदारी है। शालू सैनी पिछले कई वर्षों से लावारिस और बेसहारा मृतकों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार करती आ रही हैं। उनके अनुसार अब तक छह हजार से अधिक लावारिस मृतकों को अंतिम विदाई दी जा चुकी है। पुलिस प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उनके इस कार्य की सराहना की।

छापेमारी में 200 लीटर लहन और 30 लीटर कच्ची शराब बरामद

अनिल थपलियाल, पौड़ी। आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाकर तीन अलग-अलग मामलों में करीब 200 लीटर लहन, 30 लीटर कच्ची शराब और 13 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। रिठाई और रैंदुल क्षेत्र से 15-15 लीटर कच्ची शराब मिली, जबकि रैंदुल में बरामद 200 लीटर लहन मौके पर नष्ट किया गया। पौड़ी के एक ढाबे से 13 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब भी बरामद हुई। मामले में विनोद कुमार, सुबोध और बलदेव के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

19 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद बरी हुआ सुरेंद्र कोली, हरिद्वार में संदिग्ध हालात में मौत

अनिल थपलियाल, हरिद्वार। हरिद्वार के भूपतवाला में निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र कोली का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस प्रथमदृष्टया इसे आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। कोली पर 2006 के निठारी कांड में कई बच्चों की हत्या के आरोप लगे थे। करीब 19 वर्ष चली कानूनी प्रक्रिया के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उसे और मनिंदर सिंह पंधेर को साक्ष्यों के अभाव में विभिन्न मामलों में बरी किया था। मामले में जांच और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर कई सवाल भी उठते रहे।

मालदेवता पुल पर युवक का शव लटका मिलने से सनसनी

अनिल थपलियाल, देहरादून। मालदेवता पुल पर रविवार सुबह युवक का शव लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मॉर्निंग वॉक और साइकिलिंग के लिए निकले लोगों ने शव देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मौत के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बामणी गांव में गूंजे मां नन्दा के जयकारे

उदित नैनवाल, चमोली। श्री बदरीनाथ धाम के समीप बामणी गांव में नंदाष्टमी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मां नन्दा के विशेष श्रृंगार में उच्च हिमालय से लाए गए पवित्र ब्रह्मकमल अर्पित किए गए। ढोल-दमाऊ की थाप, लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों से पूरा गांव भक्तिमय नजर आया। इस अवसर पर जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने मेले में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

खेत के विवाद में बुजुर्ग महिला की दराती से हत्या

डी एस सिजवाली, अल्मोड़ा। स्याल्दे के रतखेत गांव में खेत-क्यारियों के पुराने विवाद को लेकर 75 वर्षीय राजे सिंह उर्फ राजा बाबू ने 65 वर्षीय तुलसी देवी की दराती से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद जंगल भागे आरोपी को देघाट पुलिस ने करीब ढाई घंटे की घेराबंदी के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दराती बरामद कर ली।

दीपिका की मुहिम लाई रंग, पिता की वापसी का रास्ता साफ

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। सऊदी अरब में फंसे पिता इंद्रमणी नौटियाल की वतन वापसी के लिए बेटी दीपिका नौटियाल की मुहिम रंग ला रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुई इस मुहिम में देश-विदेश से लोगों ने मदद के हाथ बढ़ाए और अब तक दो करोड़ रुपये से अधिक धनराशि जुटाई जा चुकी है। ग्रामीणों ने भी साढ़े सात लाख रुपये से अधिक की सहायता दी है।

उत्तरकाशी के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीएस पोखरियाल ने मोरी, पुरोला और नौगांव की स्वास्थ्य इकाइयों का दो दिवसीय निरीक्षण किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टिकोची की व्यवस्थाएं देखीं। टिकोची में नए स्वास्थ्य केंद्र के लिए 10 नाली भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर चयन किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज खरसारी में 37 किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण के लिए परामर्श दिया गया। एसडीएच पुरोला में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

लोक संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ना सामूहिक जिम्मेदारी : धामी

उदित नैनवाल। श्री बदरीनाथ धाम के टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में भारतीय सेना और जिला प्रशासन चमोली के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन सद्भावना के तहत आयोजित दो दिवसीय देवभूमि कल्चरल फेस्टिवल-2026 का रविवार को समापन हुआ। 'हमारी विरासत, हमारा भविष्य' थीम पर आयोजित महोत्सव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देवभूमि की आत्मा उसकी लोक संस्कृति में बसती है। लोक नृत्य, गीत, परंपराएं और रीति-रिवाज हमारी पहचान हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी भाषा और जड़ों से जोड़ते हैं। महोत्सव में स्थानीय उत्पादों, महिला स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना और स्थानीय नागरिकों के बीच सहयोग बढ़ाने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं।

बद्रीनाथ धाम के विकास कार्यों का सीएम धामी ने किया स्थलीय निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने बद्रीनाथ में पूजा की, मास्टर प्लान के कार्यों का लिया जायजा

उदित नैनवाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को श्री बदरीनाथ धाम पहुंचकर भगवान बदरीविशाल के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने बदरीनाथ मास्टर प्लान के तहत चल रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आस्था पथ समेत अन्य निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ धाम की धार्मिक, आध्यात्मिक और पारंपरिक गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

◆ **कथा महोत्सव में 150 संत-साध्वी और 1200 श्रद्धालु हुए शामिल**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बदरीनाथ धाम को उसके धार्मिक एवं पौराणिक महत्व के अनुरूप भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित स्वरूप देने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। मास्टर प्लान के तहत विकसित की जा रही सुविधाओं से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने धाम की पारंपरिक पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक स्वरूप के संरक्षण पर भी जोर दिया।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्री स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट संस्थान के तत्वावधान में आयोजित बदरीनाथ धाम कथा महोत्सव में प्रतिभाग किया। महोत्सव में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 150 से अधिक संत-साध्वी और 1200 से अधिक हरिभक्त शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदरीनाथ धाम भारत की सनातन चेतना और आध्यात्मिक विरासत का प्रमुख केंद्र है। यहां संतों और श्रद्धालुओं के बीच आयोजित कथा महोत्सव में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

धार्मिक स्थलों के विकास पर सरकार गंभीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के चारधाम, गंगा-यमुना, हिमालय और हेमकुंड साहिब सहित अनेक धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल देवभूमि की विशिष्ट पहचान हैं। सरकार का प्रयास है कि तीर्थस्थलों का विकास श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप हो और उनकी धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा अक्षुण्ण रहे। उन्होंने संत समाज के मार्गदर्शन को समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणादायी बताया।

स्यानाचट्टी-कुपड़ा मार्ग पर 57 मीटर वैली ब्रिज चालू

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र के स्यानाचट्टी-कुपड़ा मोटर मार्ग के किलोमीटर एक में 57 मीटर लंबे वैली ब्रिज का पुनर्निर्माण कार्य पूरा हो गया है। लोक निर्माण विभाग बड़कोट ने ब्रिज को आमजन और वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया है। 83.54 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत इस कार्य को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशन में मानसून के दौरान तत्परता से पूरा किया गया। ब्रिज चालू होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। दूरस्थ गांवों की सड़क कनेक्टिविटी बहाल होने से दैनिक परिवहन के साथ आपातकालीन सेवाओं को भी सुविधा मिलेगी। अधिकारियों ने सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

यूकेडी के सदस्यता अभियान में सैकड़ों लोगों ने ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड क्रांति दल के सैनिक प्रकोष्ठ की ओर से 20 सितंबर को आयोजित सदस्यता अभियान कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियों, जागरूक नागरिकों और सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों सहित सैकड़ों लोगों ने उक्रांद की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की शुरुआत पहाड़ के गांधी स्व. इंद्रमणि बड़ोनी को याद करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ हुई। केंद्रीय उपाध्यक्ष कर्नल सुनील कोटनाला, गढ़वाल मंडल प्रभारी सूबेदार मेजर महिपाल सिंह पुंडीर और सैनिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय अध्यक्ष राकेश सेमवाल, संयोजक बिक्रम सिंह नेगी सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में सेवा पखवाड़े के तहत चला स्वच्छता अभियान

डी एस सिजवाली

अल्मोड़ा। सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को जिले में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा के नेतृत्व में जिला कार्यालय परिसर और सभी तहसीलों में अधिकारियों व कर्मचारियों ने श्रमदान कर साफ-सफाई की। अभियान के दौरान कार्यालय परिसरों से कूड़ा और अनावश्यक सामग्री हटाकर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया गया।

जिला कार्यालय के अभिलेख कक्षों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए निष्प्रयोज्य और पुराने अभिलेखों का नियमानुसार निस्तारण किया गया। सीडीओ ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि नियमित जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने को प्राथमिकता दें।

◆ **स्वच्छता अभियान में सिंगल यूज प्लास्टिक त्यागने का संकल्प**

इस दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह बंद करने और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का संकल्प भी लिया गया। अभियान में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, उपजिलाधिकारी संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

रुद्रप्रयाग में पुलिस का सघन चेकिंग अभियान

अनिल थपलियाल, रुद्रप्रयाग। जिले में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने 19 सितंबर की शाम और रात को सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विभिन्न टीमों ने प्रमुख मार्गों, होटल, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों पर जांच की। इस दौरान खुले में शराब पीने और पिलाने वालों पर नजर रखी गई। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शराब के नशे में ड्राइविंग से चालक के साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ती है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे में वाहन चलाने और सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नंदा-सुनंदा महोत्सव में पहुंचीं गीता धामी और निर्मला जोशी

सुनील सोनकर

नंदा-सुनंदा की प्राण प्रतिष्ठा से भक्तिमय हुआ कौलागढ़ का सीताराम मंदिर।

देहरादून। कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद की गढ़ी शाखा, केंद्रीय शाखा और अन्य शाखाओं के संयुक्त तत्वावधान में कौलागढ़ स्थित सीताराम मंदिर, नींबू वाला में माता नंदा-सुनंदा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। परिषद के अनुसार देहरादून के इतिहास में पहली बार किसी मंदिर में माता नंदा-सुनंदा के दस दिवसीय पर्व का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में केंद्रीय सांस्कृतिक सचिव बबीता शाह, केंद्रीय अध्यक्ष कमल रजवार और केंद्रीय महासचिव गोविंद पांडे की प्रमुख भूमिका रही।

कार्यक्रम के यजमान राजेंद्र सिंह बिष्ट सपरिवार रहे। आयोजन को सफल बनाने में परिषद की सभी दस शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव और सांस्कृतिक सचिवों ने सहयोग किया। पर्व के पांचवें दिन मुख्यमंत्री की पत्नी गीता धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की पत्नी निर्मला देवी जोशी सहित स्थानीय पार्षद और अन्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर माता नंदा-सुनंदा के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजकों ने कहा कि पर्व को सफल बनाने में देहरादूनवासियों और श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। उपस्थित भक्तों ने माता नंदा-सुनंदा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

धनाई ने चंबा के स्यूल और कुड़ियाल गांवों में किया जनसंवाद

अनिल थपलियाल, नई टिहरी। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा नेता दिनेश सिंह धनाई ने चंबा विकासखंड के स्यूल और कुड़ियाल गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं रखीं। स्यूल के प्रधान देव सिंह गुसाईं ने कोटी को सड़क से जोड़ने की मांग की, जबकि कुड़ियाल में पेयजल आपूर्ति की समस्या सामने रखी गई। धनाई ने पेयजल निगम से दूरभाष पर बात कर समस्या के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर वास्तविक समस्याओं को समझना और उनका समाधान कराना जनसंवाद का उद्देश्य है। धनाई ने टिहरी विधानसभा में विकास कार्यों को गति देने की जरूरत बताते हुए ग्रामीणों का आभार जताया और भविष्य में भी जनसंवाद जारी रखने की बात कही।

मोहब्बेवाला में हादसों का सिलसिला जारी, आखिर कब जागेगा सिस्टम?

सुनील सोनकर

मोहब्बेवाला की ढलान बनी खतरा, सुरक्षा इंतजामों पर सवाल।

मोहब्बेवाला में रविवार सुबह हुए सड़क हादसे ने एक बार फिर क्षेत्र की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आशारोड़ी की ओर से देहरादून आ रहा सीमेंट से भरा ट्रक मोहब्बेवाला ढाल के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। हादसे के बाद हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। क्षेत्र में पहले भी भारी वाहनों के अनियंत्रित होने और दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आती रही हैं। अप्रैल 2026 की एक रिपोर्ट में भी पांच महीनों के भीतर मोहब्बेवाला क्षेत्र में हुए हादसों का उल्लेख किया गया था।

स्थानीय लोगों ने ढलान और भारी वाहनों की तेज रफ्तार को लेकर चिंता जताई है। आशारोड़ी से देहरादून की ओर आने वाली ढलान, बढ़ता यातायात दबाव और सड़क की सीमित चौड़ाई दुर्घटना की आशंका बढ़ाने वाले कारण हो सकते हैं। ऐसे में केवल हादसे के बाद यातायात संभालना पर्याप्त नहीं है। संबंधित विभागों को क्षेत्र का व्यापक सड़क सुरक्षा ऑडिट कर गति नियंत्रण, चेतावनी संकेत, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और भारी वाहनों की निगरानी जैसे उपायों की समीक्षा करनी चाहिए। सवाल अब अगले हादसे को रोकने के लिए स्थायी समाधान का है।

नंदा जात यात्रा में खाकी ने संभाली स्वच्छता की जिम्मेदारी

उदित नैनवाल, चमोली। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत चमोली पुलिस ने नंदा जात यात्रा के दौरान बेदनी बुग्याल और पातर नचौणियां में स्वच्छता अभियान चलाया। पुलिस जवानों ने यात्रा मार्ग और आसपास बिखरा कूड़ा एकत्र कर श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संदेश दिया। पुलिस ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों की स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। श्रद्धालुओं से कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की गई।

जिम में चोटों से बचाव को लेकर विशेषज्ञों ने किया जागरूक

अनिल थपलियाल, देहरादून। एमएस गैलेक्सी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से जिम संचालकों, फिटनेस ट्रेनर्स और उत्साहियों के लिए 'सेफ फिटनेस इनिशिएटिव-2026' आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने सुरक्षित एक्सरसाइज तकनीक, जिम चोटों से बचाव, कमर व घुटने की समस्याओं और रिहैबिलिटेशन की जानकारी दी। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षित एवं वैज्ञानिक फिटनेस प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

सेब उत्पादन के साथ ग्रेडिंग-पैकेजिंग से बढ़ी सुनदास की आय

अनिल थपलियाल, उत्तरकाशी। मोरी विकासखंड के दुचाणू गांव निवासी सुनदास को सरकारी बागवानी योजनाओं का लाभ मिलने से सेब उत्पादन के साथ ग्रेडिंग और पैकेजिंग से अतिरिक्त आय के अवसर मिले हैं। उन्हें ग्रेडिंग हॉल और सॉर्टिंग यूनिट के लिए करीब सात लाख रुपये की सहायता मिली। उनकी यूनिट से आसपास के बागवान भी लाभान्वित हो रहे हैं। सीजन में 20 से 25 स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है।

बद्रीनाथ उपचुनाव के नतीजे ने दिया दल बदल की राजनीति को जवाब : बुटोला

अनिल थपलियाल

पौड़ी। कल्जीखाल के घंडियाल में रविवार को कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुटने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि बदरीनाथ उपचुनाव का परिणाम लोकतंत्र और संविधान में विश्वास रखने वाले लोगों की जीत है। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ की जनता ने दल-बदल की राजनीति का जवाब दिया है।

◆ **लखपत बुटोला बोले, बदरीनाथ परिणाम ने दिया लोकतंत्र का संदेश**

कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए शिक्षा, रोजगार और विकास के मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचना चाहिए, लेकिन राजनीतिक श्रेय लेने की प्रवृत्ति उचित नहीं है।

नेताओं ने उत्तराखंड में जमीनों की बिक्री और विकास योजनाओं को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों और जमीन की कीमत पर भविष्य की पीढ़ियों के हितों से समझौता नहीं होना चाहिए। बैठक में जिलाध्यक्ष विनोद नेगी सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेल प्रतिभाओं को निखारने में प्रशिक्षकों की अहम भूमिका : डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल

अनिल थपलियाल, ऋषिकेश। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेल दिवस के अवसर पर ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने कैंप कार्यालय में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के विभिन्न खेल प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर, गुलदस्ता भेंट कर और मिष्ठान खिलाकर उनका अभिनंदन किया। सम्मानित होने वालों में टेनिस एवं चेस कोच यशपाल ओली, क्रिकेट कोच अमित शर्मा, वॉलीबॉल कोच अक्षय पंत तथा एथलेटिक्स कोच दीपा भारद्वाज और अभिषेक यादव शामिल रहे।

इस दौरान डॉ. अग्रवाल ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता बढ़ाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके जरिए अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। विश्वविद्यालय स्तर पर खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने में खेल प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षक युवाओं की प्रतिभा को निखारकर उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए तैयार करते हैं।

बच्चों ने चित्रों में उकेरी मां नंदा-सुनंदा की छवि

अनिल थपलियाल, देहरादून। कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद गढ़ी शाखा के नंदा-सुनंदा महोत्सव के छठे दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। सुबह नित्य पूजन के बाद बच्चों की चित्रकला और महिलाओं की मांगल प्रतियोगिता हुई। बच्चों ने मां नंदा-सुनंदा के चित्र बनाए। महिलाओं ने मांगल गीत और भजन प्रस्तुत कर वातावरण भक्तिमय कर दिया। कमल जोशी टपकेश्वर की टीम ने भजन संध्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम में परिषद पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

36 बाल वैज्ञानिकों ने दिखाया वैज्ञानिक सोच और नवाचार का हुनर

शिव सिंह थलवाल, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में आयोजित जिलास्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रीमियर लीग में पांच विकासखंडों के 36 बाल वैज्ञानिकों ने वैज्ञानिक सोच, तकनीकी ज्ञान और नवाचार का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न चरणों के बाद सीनियर और जूनियर वर्ग के विजेताओं का चयन किया गया। चार बाल वैज्ञानिकों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया। चयनित प्रतिभागियों को अधिकारियों ने पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

नवांशहर में छात्रों ने सड़क सुधार की संभाली जिम्मेदारी

सीमेंट, बजरी और रेत से छात्रों ने भरे गड्ढे, राहगीरों और वाहन चालकों की आवाजाही हुई आसान

भारतेंदु संवाददाता, नवांशहर

सड़क पर बने गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को हो रही परेशानी के बीच आरके आर्य कॉलेज के विद्यार्थियों ने समाजसेवा की मिसाल पेश की। शनिवार को कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय विशेष शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने कॉलेज के बाहर राहों रोड पर बने खतरनाक गड्ढों को खुद भरकर सड़क की मरम्मत की। विद्यार्थियों ने सीमेंट, बजरी और रेत का इस्तेमाल कर गड्ढों को भरने का काम किया।

कॉलेज के बाहर राहों रोड पर लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब थी। जगह-जगह बने गड्ढों के कारण पैदल चलने वाले लोगों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी जमा होने से स्थिति और गंभीर हो जाती थी। पानी भरने के कारण कई बार गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता था, जिससे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता था। कॉलेज आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रतिदिन इसी सड़क से होकर गुजरना पड़ता था।

सड़क पर गड्ढों के कारण विद्यार्थियों को आवाजाही में दिक्कत होती थी।

इसके अलावा आसपास रहने वाले लोगों और राहगीरों को भी सड़क की बदहाल स्थिति के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही थी। ऐसे में एनएसएस स्वयंसेवकों ने समस्या को देखते हुए केवल शिकायत करने के बजाय स्वयं आगे आकर मरम्मत का जिम्मा उठाया। विशेष शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने पहले सड़क पर मौजूद गड्ढों की स्थिति देखी और इसके बाद उनमें सीमेंट, बजरी और रेत डालकर उन्हें भरने का काम शुरू किया।

विद्यार्थियों ने श्रमदान करते हुए सड़क को आवाजाही के लिए अधिक सुरक्षित बनाने का प्रयास किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने मिलकर गड्ढों को समतल किया, ताकि वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को पहले की अपेक्षा कम परेशानी हो। एनएसएस का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सेवा से जोड़ना है। इसी उद्देश्य के तहत आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों ने सड़क की समस्या को भी समाजसेवा से जोड़कर काम किया। कॉलेज के विद्यार्थियों की इस पहल से स्थानीय लोगों को भी राहत मिली। राहगीरों ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं की ओर से उठाया गया यह कदम समाज के लिए सकारात्मक संदेश देता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क के गड्ढों के कारण लंबे समय से परेशानी बनी हुई थी। उनका कहना था कि व्यस्त मार्ग होने के कारण यहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग और वाहन गुजरते हैं। ऐसे में सड़क की मरम्मत जरूरी थी। विद्यार्थियों द्वारा गड्ढे भरने से फिलहाल राहगीरों को राहत मिली है। हालांकि सड़क की स्थायी मरम्मत और पूरे मार्ग को बेहतर बनाने के लिए संबंधित विभाग की ओर से उचित कार्रवाई की आवश्यकता भी बनी हुई है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस गतिविधि के माध्यम से लोगों को यह संदेश देने का प्रयास किया कि समाज की समस्याओं के समाधान में प्रत्येक व्यक्ति अपनी भूमिका निभा सकता है। विद्यार्थियों ने श्रमदान कर न केवल सड़क के गड्ढों को भरने का काम किया, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। कॉलेज के बाहर सड़क की स्थिति सुधारने की इस पहल की स्थानीय स्तर पर चर्चा रही। स्थानीय लोगों ने विद्यार्थियों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे राहगीरों को तत्काल राहत मिली है। विद्यार्थियों ने बताया कि भविष्य में भी एनएसएस के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के समाधान और जनहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी जारी रखेंगे।

नशा मुक्त पंजाब यात्रा का फाजिल्का से आगाज मेघवाल बोले युवाओं को दलदल से निकालेंगे

भारतेंदु संवाददाता, फाजिल्का। फाजिल्का में भाजपा की ओर से चलाई जा रही तीसरी 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' का रविवार को आगाज हुआ। पंजाब को नशे के दलदल से बाहर निकालने के उद्देश्य से आयोजित इस सामाजिक जागरूकता अभियान में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने यात्रा की शुरुआत करते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया।

अर्जुन राम मेघवाल ने अपने संबोधन की शुरुआत 'बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयघोष से की। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं को नशे के दलदल से बाहर निकालना अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने लोगों से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। यात्रा के दौरान मेघवाल ने शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इसके साथ ही उन्होंने नशे से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानी। भाजपा नेताओं ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल किसी एक संगठन या राजनीतिक दल की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों को इसमें भागीदारी करनी होगी।

फाजिल्का से शुरू हुई यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया।

आयोजन का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को जागरूक करना और युवाओं को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। यात्रा में भाजपा नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार, नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान को पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं, अभिभावकों और समाज के अन्य वर्गों को नशे के खिलाफ एकजुट करने पर जोर दिया जा रहा है। मेघवाल ने अभियान से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ाया और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने की बात कही।

यात्रा के दौरान आयोजकों ने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए जागरूकता के साथ-साथ परिवार और समुदाय की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने युवाओं को खेल, शिक्षा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं ने लोगों से नशे के खिलाफ आवाज उठाने और प्रभावित लोगों को मदद दिलाने की अपील की। अभियान के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी गांवों और शहरों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें बेहतर भविष्य की ओर प्रेरित करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

पीयू सीनेट चुनाव में उत्साह, सात राज्यों के 271 बूथों पर मतदान जारी, 23 को मतगणना

पंजाब, हरियाणा समेत सात राज्यों में सुबह से मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ जुटी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट के रजिस्टर्ड ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के लिए रविवार को मतदान हो रहा है। चंडीगढ़ समेत पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। चुनाव में सीनेट की 15 सीटों के लिए 51 प्रत्याशी मैदान में हैं। कुल 6,25,784 पंजीकृत ग्रेजुएट मतदाता मतदान के लिए पात्र हैं।

मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ देखने को मिली। चंडीगढ़ में पंजाब यूनिवर्सिटी सहित विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों में मतदान की व्यवस्था की गई है। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और शाम पांच बजे तक चलेगा। प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 1500 से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। रजिस्टर्ड ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र की 15 सीटों में पंजाब के लिए दो सीटें आरक्षित हैं, जबकि एक सीट केंद्र शासित प्रदेश के लिए आरक्षित है। बाकी 12 सीटें ओपन श्रेणी की हैं।

चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की हैं। विश्वविद्यालय की आधिकारिक चुनाव वेबसाइट पर मतदान और मतगणना से संबंधित कार्यक्रम भी जारी किया गया है।

मतदान के बाद 23 सितंबर को मतगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। उपलब्ध चुनाव कार्यक्रम के अनुसार रजिस्टर्ड ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के मतों की गिनती पंजाब यूनिवर्सिटी परिसर के सेक्टर-14 स्थित जिम्नेजियम हॉल में सुबह 9:30 बजे से शुरू होगी।

मतगणना के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मतों की गिनती के लिए कर्मचारियों की तैनाती और आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

पीयू के इतिहास पाठ्यक्रम से पंजाब-सिख इतिहास हटाने पर विवाद

भारतेंदु संवाददाता, कपूरथला। पंजाब विश्वविद्यालय के एमए इतिहास पाठ्यक्रम से पंजाब और सिख इतिहास को हटाने के निर्णय को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जत्थेदार जुगराजपाल सिंह साही ने इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम से पंजाब और सिख इतिहास को हटाना विद्यार्थियों को उनकी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत से दूर करने जैसा है। जत्थेदार साही ने निर्णय की आलोचना करते हुए कहा कि पंजाब का इतिहास देश और समाज के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति और विरासत की जानकारी होना जरूरी है। पाठ्यक्रम में पंजाब और सिख इतिहास को उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पाठ्यक्रम से इन विषयों को हटाने का निर्णय पंजाब की विरासत को मिटाने की साजिश जैसा है। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से इस फैसले पर पुनर्विचार करने और एमए इतिहास के पाठ्यक्रम में पंजाब तथा सिख इतिहास को दोबारा शामिल करने की मांग की। साथ ही उन्होंने संबंधित

31 अक्टूबर से चंडीगढ़ में जुटेंगे रोलर स्केटिंग के खिलाड़ी

तीन दिवसीय चैंपियनशिप में विभिन्न वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का करेंगे प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक 48वीं चंडीगढ़ स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। चंडीगढ़ रोलर स्केटिंग एसोसिएशन की ओर से रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएसएफआई) के तत्वावधान में होने वाली इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चंडीगढ़ के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह चैंपियनशिप खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा साबित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का मौका मिल सकता है। ऐसे में खिलाड़ियों के लिए यह आयोजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रतियोगिता में अलग-अलग आयु और वर्गों के खिलाड़ी अपनी क्षमता के अनुसार मुकाबलों में हिस्सा लेंगे।

चैंपियनशिप का आयोजन आरएसएफआई के नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। आयोजकों की ओर से खिलाड़ियों की सुविधा और प्रतियोगिता को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रदर्शन के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को 64वीं नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी देखा जा रहा है। इसलिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विशेष नजर रहेगी। चंडीगढ़ के रोलर स्केटिंग खिलाड़ी इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी में जुटे हैं और बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

स्केटिंग के प्रति युवाओं में बढ़ती रुचि को देखते हुए इस आयोजन से नए खिलाड़ियों को भी प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मिलेगा। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को सीखने और अपनी तकनीक बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा। तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप के आयोजन से शहर में रोलर स्केटिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाने के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

17 साल से पेंशन बकाया का इंतजार 80 वर्षीय बुजुर्ग को हाई कोर्ट से न्याय

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने 80 वर्षीय जगदीश राज अरोड़ा को बड़ी राहत दी है। वह करीब 17 साल से अपनी दिवंगत पत्नी सुदर्शन कुमारी की पेंशन के बकाया भुगतान के लिए सरकारी कार्यालयों और बैंक के चक्कर काट रहे थे। मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों और बैंककर्मियों के वेतन पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

जगदीश राज अरोड़ा का मामला लंबे समय से पेंशन बकाया के भुगतान से जुड़ा हुआ था। उनकी दिवंगत पत्नी की पेंशन से संबंधित राशि का भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उम्र बढ़ने के बावजूद वह बकाया राशि हासिल करने के लिए संबंधित विभागों और बैंक के अधिकारियों से संपर्क करते रहे।

मामला हाई कोर्ट पहुंचने के बाद अदालत ने इस पर सख्त रुख अपनाया। अदालत के आदेश के अनुसार, पेंशन बकाया का भुगतान नहीं किए जाने के मामले में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। अदालत ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) और संबंधित बैंककर्मियों के वेतन रोकने के आदेश दिए हैं। अदालत की कार्रवाई के बाद 80 वर्षीय बुजुर्ग को करीब 17 साल से लंबित मामले में राहत की उम्मीद जगी है।

कथावाचक ने कहा, युवा देश का वर्तमान और भविष्य, उन्हें नशे से बचाना सामूहिक जिम्मेदारी

इंद्रेश उपाध्याय ने नशे के खिलाफ अभियान का किया समर्थन, युवाओं से लिया संकल्प

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य इंद्रेश उपाध्याय महाराज ने नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे 'जेन जी अगेंस्ट ड्रग्स' अभियान का समर्थन किया है। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से चंडीगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के युवाओं और नागरिकों से अभियान से जुड़ने की अपील की।

उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश का वर्तमान और भविष्य है। युवाओं को नशे जैसी बुराई से बचाना केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक कर्तव्य है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग

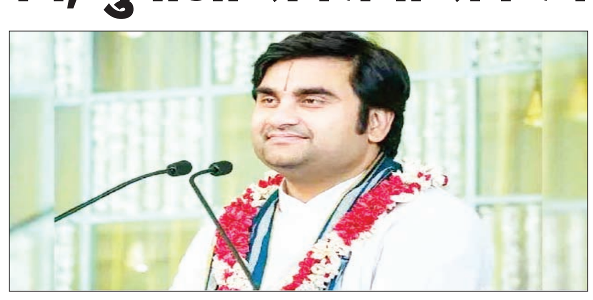

सकारात्मक कार्यों में करने का आह्वान किया। इंद्रेश उपाध्याय महाराज ने चंडीगढ़ के सेक्टर-17 प्लाजा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में युवाओं और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करती, बल्कि इसका असर परिवार और पूरे समाज पर पड़ता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने की जरूरत है।

जालंधर के बीएमसी चौक पर ट्रैफिक लाइट की तारें चोरी, सिग्नल ठप

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर के व्यस्त बीएमसी चौक पर 18 सितंबर की रात अज्ञात चोरों ने ट्रैफिक लाइट सिस्टम की मुख्य बिजली की तारें काटकर चोरी कर लीं। घटना रात करीब नौ बजे की बताई जा रही है। तारें कटने के बाद चौक पर लगे सभी ट्रैफिक सिग्नल ठप हो गए, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। घटना के बाद पुलिस और जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। प्रशासन ने फुटेज जारी कर लोगों से आरोपितों की पहचान में सहयोग करने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कानूनी कामकाज में आसान होगी पंजाबी, दो कानूनों को मिली मान्यता

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में सरकारी कामकाज और कानूनी प्रक्रियाओं में पंजाबी भाषा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। डिपार्टमेंट ऑफ लीगल एंड लेजिस्लेटिव अफेयर्स ने पंजाब होम गार्ड्स एक्ट, 1947 और पंजाब लोकल अथॉरिटीज (एडेड स्कूल्स) एक्ट, 1959 के पंजाबी पाठ को आधिकारिक कानूनी मान्यता दे दी है।

दोनों कानूनों के अधिकृत पंजाबी पाठ को सरकारी गजट में प्रकाशित किया गया है। इसके साथ ही इन कानूनों के प्रामाणिक पंजाबी संस्करण को कानूनी तौर पर मान्यता मिल गई है। इससे सरकारी विभागों और संबंधित पक्षों के लिए कानूनों को पंजाबी में समझना और उनके आधार पर विभागीय कार्यवाही करना आसान होगा। पंजाब होम गार्ड्स एक्ट, 1947 करीब आठ दशक पुराना कानून है,

जबकि पंजाब लोकल अथॉरिटीज (एडेड स्कूल्स) एक्ट, 1959 छह दशक से अधिक पुराना है।

अब तक दोनों कानूनों का अधिकृत पंजाबी पाठ उपलब्ध नहीं था। ऐसे में इनके प्रामाणिक संदर्भ के लिए मुख्य रूप से अंग्रेजी पाठ पर निर्भरता रहती थी। सरकार के इस कदम से कानूनी प्रावधानों को पंजाबी भाषा में समझने की सुविधा बढ़ेगी। खासकर उन अधिकारियों और लोगों के लिए यह उपयोगी होगा, जिन्हें सरकारी कामकाज या कानूनी प्रक्रिया के दौरान इन कानूनों के प्रावधानों को समझने की आवश्यकता होती है।

35 वर्षीय युवक की हादसे में मौत, परिवार को मिलेगा 43 .25 लाख रुपए मुआवजा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। 30 हजार रुपये महीना कमाने वाले 35 वर्षीय युवक विनोद दास की सड़क हादसे में मौत के बाद उसके परिवार को 43 लाख 25 हजार 760 रुपये का मुआवजा मिलेगा। चंडीगढ़ स्थित मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल ने मामले की सुनवाई करते हुए परिवार के पक्ष में फैसला सुनाया और मुआवजा राशि अदा करने के निर्देश दिए।

मामला 20 मई 2022 का है। चंडीगढ़ के सेक्टर-52 कजहेड़ी निवासी विनोद दास मोटरसाइकिल से मोहाली के फेज-8 स्थित पुराने बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 8:45 बजे जब वह वाईपीएस चौक के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में विनोद गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। विनोद की मौत के बाद परिवार ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल में याचिका दायर कर मुआवजे की मांग की। याचिका में परिवार की आर्थिक स्थिति और मृतक की आय सहित अन्य तथ्यों का उल्लेख किया गया।

परिवार की ओर से बताया गया कि विनोद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां संभालते थे और उनकी आय से घर का खर्च चलता था। कम उम्र में उनकी मौत से परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई। मामले की सुनवाई के दौरान हादसे से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य ट्रिब्यूनल के समक्ष रखे गए। दलीलों और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर ट्रिब्यूनल ने याचिका स्वीकार करते हुए परिवार को 43 लाख 25 हजार 760 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

फैसले के बाद मृतक के परिवार को आर्थिक राहत मिलने का रास्ता साफ हुआ है। विनोद की मौत सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े करती है। हादसे के समय वह मोटरसाइकिल से अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। वाईपीएस चौक के पास पीछे से तेज रफ्तार कार की टक्कर के कारण यह दुर्घटना हुई।

निष्कासन दोनों को खालसा पंथ से निष्कासित करने के साथ सिख संस्थाओं में आजीवन सेवा पर लगाई रोक

दो सिख पदाधिकारियों पर अकाल तख्त की कार्रवाई, खालसा पंथ से निष्कासन

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब ने गंभीर आरोपों और सिख मर्यादा से जुड़े मामलों में रविवार को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) सदस्य अमरजीत सिंह और अतिरिक्त हेड ग्रंथी मलकित सिंह के खिलाफ फैसला सुनाया। पांच सिंह साहिबान की बैठक में दोनों को खालसा पंथ से निष्कासित कर दिया गया। इसके साथ ही दोनों के किसी भी सिख संस्था में जीवनभर सेवा करने पर रोक लगा दी गई है।

श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से सुनाए गए इस फैसले के बाद अमरजीत सिंह और मलकित सिंह की सिख संस्थाओं में सेवा से संबंधित भूमिका समाप्त हो गई है। दोनों के खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों और सिख मर्यादा से जुड़े मामलों को लेकर पांच सिंह साहिबान की बैठक में विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद दोनों के संबंध में फैसला सुनाया गया।

अमरजीत सिंह शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य हैं, जबकि मलकित सिंह अतिरिक्त हेड ग्रंथी के पद पर सेवाएं दे रहे थे। अकाल तख्त साहिब के फैसले के अनुसार दोनों को खालसा पंथ से निष्कासित किया गया है। साथ ही सिख संस्थाओं में आजीवन सेवा पर प्रतिबंध लगाया गया है। फैसले के दौरान पांच सिंह साहिबान की बैठक में संबंधित मामलों पर विचार किया गया। श्री अकाल तख्त साहिब सिख पंथ से जुड़े महत्वपूर्ण धार्मिक मामलों में फैसला सुनाने वाला प्रमुख संस्थान है। रविवार को हुई बैठक के बाद दोनों पदाधिकारियों के खिलाफ

कार्रवाई का ऐलान किया गया।

अकाल तख्त साहिब की ओर से दिल्ली और मुंबई की गुरुद्वारा कमेटियों को भी चेतावनी दी गई है। यह चेतावनी सिख संस्थाओं और उनकी धार्मिक मर्यादा से जुड़े मामलों के संदर्भ में दी गई है। बैठक में सिख संस्थाओं की भूमिका और धार्मिक मर्यादा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। फैसले के बाद अमरजीत सिंह और मलकित सिंह के लिए सिख संस्थाओं में किसी भी प्रकार की सेवा का रास्ता बंद हो गया है। आजीवन प्रतिबंध के कारण वे भविष्य में किसी सिख संस्था में सेवा नहीं कर सकेंगे। अकाल तख्त साहिब के आदेश के बाद संबंधित संस्थाओं में भी इस फैसले के अनुपालन की स्थिति महत्वपूर्ण होगी।

इस मामले में अकाल तख्त साहिब की कार्रवाई के बाद सिख धार्मिक संस्थाओं और समुदाय के बीच इस फैसले को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पांच सिंह साहिबान की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत दोनों के खिलाफ निष्कासन और आजीवन सेवा प्रतिबंध की कार्रवाई की गई है। श्री अकाल तख्त साहिब ने अपने फैसले के माध्यम से सिख मर्यादा और संस्थागत अनुशासन से जुड़े मामलों में कार्रवाई की है। रविवार को सुनाए गए इस फैसले में अमरजीत सिंह और मलकित सिंह दोनों को खालसा पंथ से निष्कासित करने के साथ सिख संस्थाओं में जीवनभर सेवा पर रोक लगाई गई।

सोनम वांगचुक की छह दिवसीय पदयात्रा स्थगित

पूर्ण राज्य और छठी अनुसूची की मांग के बीच सोनम वांगचुक ने बदला पदयात्रा का कार्यक्रम

भारतेंदु संवाददाता, लेह

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपनी घोषित छह दिवसीय पदयात्रा स्थगित कर दी है। उन्होंने पहले 19 से 23 सितंबर के बीच पदयात्रा निकालने की घोषणा की थी। हालांकि, अब उन्होंने सामाजिक माध्यम पर वीडियो जारी कर बताया कि खराब मौसम, बढ़ती ठंड और राजनीतिक माहौल गरमाने के कारण छह दिवसीय यात्रा नहीं की जाएगी। वांगचुक ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अब केवल एक दिन की सांकेतिक पदयात्रा निकाली जाएगी। यह पदयात्रा 23 सितंबर को लेह की ओर होगी और करीब 20 किलोमीटर लंबी रहेगी।

वांगचुक ने उन लोगों से भी अपील की है, जो पदयात्रा में शामिल होने के लिए पहले ही लद्दाख के लिए निकल चुके हैं। उन्होंने उनसे लद्दाख आने और क्षेत्र की यात्रा करने का आग्रह किया। वहीं, जो लोग अभी तक नहीं निकले हैं, उनसे 22 सितंबर को पहुंचने को कहा गया है। एक दिन की सांकेतिक पदयात्रा के बाद 24 सितंबर को शहीद दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस तरह छह दिवसीय कार्यक्रम को स्थगित करते हुए आंदोलन से जुड़े कार्यक्रम को सीमित रूप में जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

अब 23 सितंबर को करेंगे 20 किलोमीटर का सांकेतिक मार्च।

दरअसल, नौ सितंबर को गृह मंत्रालय की उप-समिति के साथ लद्दाख के प्रतिनिधि संगठनों की बातचीत हुई थी। बैठक के बाद प्रतिनिधि संगठनों ने ठोस प्रगति नहीं होने पर निराशा जताई थी। इसके बाद सोनम वांगचुक ने कहा था कि यदि सरकार की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलता है तो 19 से 23 सितंबर के बीच पदयात्रा की जाएगी। इस यात्रा के माध्यम से लद्दाख के पूर्ण राज्य के दर्जे सहित क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न मांगों को उठाने की योजना थी। अब मौसम और राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने इस कार्यक्रम में बदलाव किया है।

लद्दाख में चल रहे आंदोलन की प्रमुख मांगों में क्षेत्र को पूर्ण राज्य का दर्जा देना, संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना, स्थानीय लोगों के लिए सरकारी नौकरियों में सुरक्षा सुनिश्चित करना और संसदीय सीटों की संख्या बढ़ाना शामिल है। इन मांगों को लेकर लद्दाख के विभिन्न प्रतिनिधि संगठन सरकार के साथ बातचीत करते रहे हैं। छह दिवसीय पदयात्रा स्थगित होने के बाद अब 23 सितंबर की सांकेतिक पदयात्रा के जरिए इन मुद्दों को उठाया जाएगा।

लद्दाख आंदोलन में अब सीमित होंगे कार्यक्रम

वांगचुक ने उन लोगों से भी अपील की है, जो पदयात्रा में शामिल होने के लिए पहले ही लद्दाख के लिए निकल चुके हैं। उन्होंने उनसे लद्दाख आने और क्षेत्र की यात्रा करने का आग्रह किया। वहीं, जो लोग अभी तक नहीं निकले हैं, उनसे 22 सितंबर को पहुंचने को कहा गया है। एक दिन की सांकेतिक पदयात्रा के बाद 24 सितंबर को शहीद दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस तरह छह दिवसीय कार्यक्रम को स्थगित करते हुए आंदोलन से जुड़े कार्यक्रम को सीमित रूप में जारी रखने का निर्णय लिया गया है। दरअसल, नौ सितंबर को गृह मंत्रालय की उप-समिति के साथ लद्दाख के प्रतिनिधि संगठनों की बातचीत हुई थी।

कश्मीर की मासूम कहानी 'द सलेज' जर्मनी के फिल्म फेस्टिवल में चयनित

कश्मीरी फिल्म 'द सलेज' का जर्मनी में होगा वर्ल्ड प्रीमियर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर की बर्फ से ढकी वादियों में पली-बढ़ी एक मासूम और भावनात्मक कहानी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने जा रही है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्ममेकर राजा शबीर खान की कश्मीरी फीचर फिल्म 'द सलेज' का चयन जर्मनी के केमनिट्ज में आयोजित होने वाले 31वें श्लिंगेल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल फॉर चिल्ड्रन एंड यंग ऑडियंस की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। फिल्म का विश्व प्रीमियर दो अक्टूबर को जर्मनी में होगा और महोत्सव 10 अक्टूबर तक चलेगा। 75 मिनट की यह फिल्म कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता के बीच तीन बच्चों की कहानी के माध्यम से ईमानदारी, जिम्मेदारी और सही निर्णय लेने जैसे मूल्यों को सामने लाती है।

फिल्म की कहानी तीन बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनसे गलती से उनके पिता की स्लेज टूट जाती है। पिता की नाराजगी और सजा के डर से बच्चे स्लेज की मरम्मत कराने के लिए पैसे जुटाने का प्रयास करते हैं। इसके लिए वे गुलमर्ग आने वाले पर्यटकों को कश्मीरी कहवा बेचते हैं। इसी दौरान उन्हें एक पर्यटक का बैग मिलता है, जिसमें पैसे और चॉकलेट होती हैं। बच्चों के सामने दुविधा पैदा होती है कि वे उस पैसे का इस्तेमाल अपनी समस्या दूर करने के लिए करें या ईमानदारी का परिचय देते हुए बैग उसके असली मालिक तक पहुंचाएं। फिल्म इसी निर्णय के इर्द-गिर्द आगे बढ़ती है और बच्चों की मनोदशा तथा उनके सामने खड़ी नैतिक चुनौती को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। फिल्म में हाजिक मोहम्मद खान, ईशेल खान और राइमा खान ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

कश्मीर की कहानी से जुड़ेगा अंतरराष्ट्रीय दर्शक

इसका निर्माण और निर्देशन राजा शबीर खान ने किया है, जबकि रमायसा खान कार्यकारी निर्माता हैं। फिल्म कश्मीरी भाषा में बनाई गई है और जर्मनी के फिल्म महोत्सव में इसे अंग्रेजी उपशीर्षकों के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म के अंतरराष्ट्रीय चयन को कश्मीर के स्थानीय परिवेश, बच्चों की सहज कहानी और सार्वभौमिक मानवीय संदेश के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निर्देशक राजा शबीर खान ने फिल्म के चयन को सम्मान बताते हुए उम्मीद जताई कि कश्मीर की जमीन से जुड़ी यह कहानी अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के साथ भी जुड़ाव कायम करेगी।

जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में पांच-डे वीक की तैयारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में स्कूली छात्रों के लिए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने के प्रस्ताव पर शिक्षा विभाग ने विचार शुरू कर दिया है। प्रस्ताव के तहत शनिवार और रविवार को स्कूलों में छुट्टी रखने की बात कही गई है। फिलहाल इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और स्कूल पहले की तरह मौजूदा साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार ही संचालित हो रहे हैं। पांच दिवसीय स्कूल सप्ताह का प्रस्ताव नेशनल कॉन्फ्रेंस के पंपोर से विधायक हसनैन मसूदी ने रखा है। उनका कहना है कि विद्यार्थियों पर पढ़ाई, गृहकार्य और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का दबाव बढ़ रहा है, जिससे सप्ताह के अंत तक वे शारीरिक और मानसिक रूप से थक जाते हैं। उनका सुझाव है कि शनिवार और रविवार को छुट्टी मिलने से विद्यार्थियों को आराम करने, परिवार के साथ समय बिताने और अगले सप्ताह की पढ़ाई के लिए बेहतर तैयारी का अवसर मिलेगा।

शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे संबंधित अधिकारियों के पास विस्तृत जांच के लिए भेजने की बात कही है। अब स्कूल शिक्षा निदेशालय इस बात का आकलन करेगा कि पांच दिवसीय सप्ताह लागू करने से शिक्षा व्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा। समीक्षा के दौरान अनिवार्य शिक्षण दिवस, पाठ्यक्रम पूरा करने, कक्षाओं की अवधि और परीक्षा कार्यक्रम जैसे पहलुओं को भी देखा जाएगा।

अंतिम फैसला बाकी

विभाग यह भी जांच करेगा कि प्रस्ताव मौजूदा शैक्षणिक कैलेंडर और अन्य अनिवार्य शैक्षणिक प्रावधानों के अनुरूप है या नहीं। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन का निश्चित अवकाश मिलेगा, लेकिन अंतिम फैसला समीक्षा और औपचारिक सरकारी आदेश के बाद ही होगा।

कश्मीर में इस बार फीकी रहेगी सर्दी

एल नीनो से बदलेगा कश्मीर की सर्दी का मिजाज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर घाटी में इस बार सर्दियों के सामान्य से अधिक गर्म और शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार दिसंबर से फरवरी के बीच तापमान सामान्य से ऊपर रह सकता है, जबकि बारिश और बर्फबारी में कमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश के बाद घाटी के तापमान में गिरावट आई है और सुबह-शाम ठंड का अहसास भी बढ़ा है। इसके बावजूद आने वाले महीनों में मौसम के अपेक्षाकृत शुष्क रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग श्रीनगर के निदेशक डा. मुख्तार अहमद के अनुसार, विश्व मौसम संगठन से मिले संकेतों से पता चलता है कि वर्ष 2026 का आखिरी हिस्सा और 2027 की शुरुआत प्रभावित हो सकती है। विशेष रूप से दिसंबर, जनवरी और फरवरी के दौरान एल नीनो के प्रभाव से तापमान सामान्य से अधिक रहने और मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। इसके चलते कश्मीर में सर्दियों के दौरान होने वाली बर्फबारी और बारिश सामान्य से कम रह सकती है।

◆ **दिसंबर-जनवरी में कम बर्फबारी के आसार, कश्मीर में सामान्य से गर्म रह सकती है सर्दी**

मौसम में संभावित बदलाव का असर घाटी के विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ सकता है। कश्मीर में सर्दियों के दौरान बर्फबारी का पर्यटन, जलस्रोतों और कृषि गतिविधियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव रहता है।

कम बर्फबारी से आने वाले समय में असर की आशंका

बर्फबारी में कमी होने से आने वाले समय में पानी की उपलब्धता और अन्य मौसमी गतिविधियों पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौसम की परिस्थितियां समय के साथ बदल सकती हैं और आगामी महीनों में स्थिति के बारे में अधिक स्पष्ट जानकारी मौसम विभाग के पूर्वानुमानों से सामने आएगी। फिलहाल ताजा बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के कारण घाटी के कई हिस्सों में मौसम ठंडा बना हुआ है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट महसूस की जा रही है।

शेरगढ़ की सड़क पांच साल से बदहाल, ग्रामीणों में रोष

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

मीरा साहिब के शेरगढ़ गांव की करीब एक किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क की खस्ताहालत को लेकर ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब पांच साल पहले सड़क पर तारकोल बिछाया गया था, लेकिन अब वह जगह-जगह से उखड़ चुका है। सड़क की खराब हालत के कारण बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने सरकार से जल्द सड़क की मरम्मत कर उसे पूरी तरह पक्का करने की मांग की है।

लोगों ने बताया कि सड़क किनारे रोशनी की भी उचित व्यवस्था नहीं है। रात के समय अंधेरा होने के कारण हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि शहरों की सड़कों की मरम्मत तो समय-समय पर हो जाती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने के दावे करती है, लेकिन शेरगढ़ की मुख्य सड़क की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े करती है।

सब्सिडी के लिए 35 हजार मांगने का आरोप, एसडीएओ समेत तीन गिरफ्तार

15 हजार रुपए की पहली किश्त लेते बिचौलिया और कृषि सहायक गिरफ्तार, एसडीएओ भी पकड़े गए

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एंटी-करप्शन ब्रांच जम्मू ने हाई-डेंसिटी एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत सब्सिडी जारी करवाने के एवज में 35 हजार रुपये की कथित मांग के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अखनूर के सब-डिविजनल एग्रीकल्चर ऑफिसर (एसडीएओ) राजन शर्मा, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन असिस्टेंट हित अभिलाषी शर्मा और एक निजी व्यक्ति अशोक कुमार शामिल हैं।

सीबीआई के अनुसार अशोक कुमार कथित तौर पर बिचौलिए की भूमिका में था। सीबीआई की एंटी-करप्शन ब्रांच को सब्सिडी जारी करने के लिए पैसे की कथित मांग किए जाने की शिकायत मिली थी।

शिकायत के आधार पर मामले की प्रारंभिक जांच शुरू की गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता और संबंधित लोगों के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसके आधार पर सीबीआई ने कथित मांग की पुष्टि होने का दावा किया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सब्सिडी जारी करने के लिए कुल 35 हजार रुपये की कथित मांग की गई थी। इसमें से पहली किश्त के रूप में 15 हजार रुपये देने पर सहमति बनी थी, जबकि शेष 20 हजार रुपये बाद में दिए जाने थे। सीबीआई के अनुसार, यह भुगतान एसडीएओ के कथित निर्देश पर अशोक कुमार और एग्रीकल्चर एक्सटेंशन असिस्टेंट हित अभिलाषी शर्मा को किया जाना था।

मामले में सीबीआई की टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। टीम ने निजी व्यक्ति अशोक कुमार और एग्रीकल्चर एक्सटेंशन असिस्टेंट हित अभिलाषी शर्मा को 15 हजार रुपये की पहली किश्त कथित रूप से लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद मामले में एसडीएओ राजन शर्मा को भी गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू की है। एजेंसी मामले में कथित रिश्वत की मांग, भुगतान की प्रक्रिया और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

बीएड दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 23 सितंबर तक जमा करें आवेदन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सरकारी कॉलेजों और संस्थानों में बीएड पाठ्यक्रम-2026 की खाली रह गई सीटों को भरने के लिए जेके बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेकेबोपी) ने स्पॉट राउंड-2 काउंसलिंग आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए बोर्ड ने अधिसूचना जारी कर पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से नए आवेदन और कॉलेजों की प्राथमिकताएं आमंत्रित की हैं। आवेदन और प्राथमिकताएं जमा करने की प्रक्रिया आज सुबह 11:30 बजे से शुरू होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 23 सितंबर को शाम चार बजे तक जम्मू या श्रीनगर स्थित जेकेबोपी कार्यालय में स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं। बोर्ड के अनुसार, पहले पंजीकरण नहीं करवाने वाले अभ्यर्थियों को काउंसलिंग शुल्क के रूप में एक हजार रुपये जमा करने होंगे। शुल्क कार्यालय में उपलब्ध पीओएस मशीन के माध्यम से क्रेडिट या डेबिट कार्ड से जमा किया जा सकेगा। बीएड में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी के पास विज्ञान, सामाजिक विज्ञान या मानविकी विषय में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर डिग्री में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना जरूरी है। वहीं, इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में विज्ञान एवं गणित विशेषज्ञता वाले अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं।

माता वैष्णो देवी यात्रा के बेस कैंप में हेलीपैड टर्मिनल क्षतिग्रस्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख बेस कैंप कटरा स्थित हेलीपैड टर्मिनल में रविवार सुबह आग लग गई। आग की इस घटना में टर्मिनल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार घटना के समय हेलीपैड टर्मिनल बंद था, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित नहीं हुई।

अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार टर्मिनल में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग लगने की सूचना मिलते ही कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों तथा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा कर्मियों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। करीब 30 मिनट के प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग की चपेट में आने से टिकट काउंटर पर रखे कुछ कंप्यूटर और टर्मिनल परिसर में संचालित एक कॉफी शॉप जलकर क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया, जिससे नुकसान को सीमित किया जा सका। घटना के बाद संबंधित विभागों की टीमों ने मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। हेलीपैड टर्मिनल कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट प्वाइंट है।

डोडा के करारा में महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

भारतेंदु संवाददाता, डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार को एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, जिले के करारा इलाके में स्थानीय लोगों ने एक महिला का शव देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

एक अधिकारी ने बताया कि महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस की ओर से महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। शव को आवश्यक मेडिको-लीगल औपचारिकताओं के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। अस्पताल में चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी के अनुसार, महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटा रही है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। महिला की पहचान होने के बाद उसके परिवार और अन्य संबंधित लोगों से संपर्क किए जाने की संभावना है।

पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर महिला की मौत के कारणों और परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। महिला का शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शव को अस्पताल पहुंचाया।

जनमुद्दे

कांग्रेस अध्यक्ष कर्रा बोले, गठबंधन के बावजूद जनता के मुद्दे विधानसभा में उठाते रहेंगे

एनसी के साथ गठबंधन कांग्रेस को लोगों के मुद्दे उठाने से नहीं रोकेगा : कर्रा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और विधायक तारिक हमीद कर्रा ने कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के साथ गठबंधन में होने के बावजूद कांग्रेस विधानसभा में जनता से जुड़े जायज मुद्दों और चिंताओं को प्रमुखता से उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन का उद्देश्य जनता से जुड़े सवालों को उठाने में बाधा बनना नहीं है। कांग्रेस जनहित के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती से रखने के साथ उनके जल्द समाधान की दिशा में भी प्रयास करेगी।

आगामी विधानसभा सत्र से पहले कांग्रेस विधायकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कर्रा ने कहा कि कांग्रेस एनसी के साथ गठबंधन में है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि पार्टी जनता से जुड़े मुद्दों पर सवाल नहीं उठाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की जायज चिंताओं को विधानसभा में उठाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है और कांग्रेस इस जिम्मेदारी का निर्वहन करती रहेगी।

कर्रा ने कहा कि विधानसभा का मूल उद्देश्य जनता से जुड़े सवालों को उठाना और उनके समाधान की दिशा में काम करना है। मुद्दे सत्ताधारी दल के सदस्यों की ओर से उठाए जाएं या विपक्ष के सदस्यों की ओर से, उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सवाल उठाने का उद्देश्य केवल चर्चा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि संबंधित मामलों में जल्द कार्रवाई सुनिश्चित करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में आगामी विधानसभा सत्र की तैयारियों और इसमें उठाए जाने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। बैठक में विधायकों से संबंधित विषयों तथा जनता से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वंदे मातरम और यूएपीए जैसे मुद्दों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ कांग्रेस के हालिया मतभेदों को लेकर पूछे गए सवाल पर कर्रा ने कहा कि कांग्रेस के रुख को गठबंधन के व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी का रुख सिद्धांतों पर आधारित है और गठबंधन भी व्यापक परिस्थितियों तथा सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कर्रा ने कहा कि अलग-अलग मुद्दों पर दोनों दलों के बीच विचारों में अंतर हो सकता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि गठबंधन का उद्देश्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और एनसी गठबंधन में हैं तथा व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए दोनों दलों ने साथ आने का निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन में शामिल होना जनता की मांगों और चिंताओं को उठाने से कांग्रेस को नहीं रोकता। कांग्रेस विधानसभा में लोगों से जुड़े मामलों को उठाती रहेगी और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि संबंधित मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई हो। कर्रा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे अपने क्षेत्रों और जनता की समस्याओं को विधानसभा के माध्यम से सामने रखें।

गठबंधन कायम, जनमुद्दे उठाएगी कांग्रेस

कर्रा ने कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच गठबंधन व्यापक राजनीतिक परिस्थितियों और सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। अलग-अलग मुद्दों पर दोनों दलों के विचारों में अंतर हो सकता है, लेकिन इससे गठबंधन की मूल भावना प्रभावित नहीं होती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधानसभा में जनता से जुड़े सवालों को लगातार उठाती रहेगी। लोगों की जायज मांगों और चिंताओं को सदन में रखना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में किसी भी मुद्दे पर चर्चा का उद्देश्य केवल सवाल उठाना नहीं, बल्कि संबंधित मामलों में जल्द कार्रवाई और समाधान सुनिश्चित करना होना चाहिए।

प्रतियोगिता के बढ़ते दबाव के बीच बच्चों को भावनात्मक सहारे की जरूरत

आज बच्चों और युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं पूरे समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रत्येक वर्ष हजारों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। वर्ष 2024 में भारत में छात्रों की आत्महत्या के मामले बढ़कर 14,488 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए, जो लगातार बढ़ती गंभीर स्थिति को दर्शाता है। देशभर में होने वाली कुल आत्महत्याओं में से लगभग 8.1त्न मामले छात्रों के हैं; इस संकट का मुख्य कारण पढ़ाई का दबाव, छ्वश्वश्व/हृश्वश्व /क्क्रष्ट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाएं और परिवार की उम्मीदें हैं। औसतन प्रतिदिन लगभग 35 विद्यार्थी अपनी जीवन-लीला समाप्त कर रहे हैं । निश्चित रूप से यह हमारे परिवारों, शिक्षण संस्थानों और समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। दूसरी ओर, यूनिसेफ की विभिन्न रिपोर्टें बताती हैं कि किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, जबकि अधिकांश बच्चों को समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध नहीं हो पाती। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है- शिक्षण संस्थान, परिवार, समाज या स्वयं बच्चे? वस्तुत: इसका उत्तर किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी में निहित है। बच्चे की शिक्षा विद्यालय से पहले उसके घर से प्रारंभ होती है। परिवार उसकी पहली पाठशाला है और माता-पिता उसके प्रथम शिक्षक। बच्चा परिवार में रहकर बोलना, चलना, व्यवहार करना, अनुशासन, प्रेम, सम्मान और जीवन-मूल्यों को सीखता है।

यदि परिवार में संवाद, स्नेह और सकारात्मक वातावरण हो तो उसका प्रभाव बच्चे के व्यक्तित्व पर स्पष्ट दिखाई देता है। इसके विपरीत तनावपूर्ण, उपेक्षापूर्ण या अत्यधिक अपेक्षाओं से भरा पारिवारिक वातावरण उसके मानसिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला उसका परिवार ही होता है।

आधुनिक मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और बिना शर्त स्वीकार्यता मिलती है, वे जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक संतुलित ढंग से करते हैं, लेकिन बदलती जीवनशैली, व्यस्तता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने परिवारों के भीतर संवाद को कम कर दिया है। अनेक घरों में बच्चों से यह पूछा जाता है कि 'आज कितने अंक आए?' लेकिन यह कम पूछा जाता है कि 'आज तुम कैसा महसूस कर रहे हो?' यह परिवर्तन केवल भाषा का नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकताओं का संकेत है।

नीलम कुमारी
पीजीटी, कंप्यूटर साइंस, सैनिक स्कूल सुजानपुर (हमीरपुर)

बच्चों की तुलना भाई-बहनों, रिश्तेदारों या पड़ोस के बच्चों से करना, उनकी हर उपलब्धि को अंकों से जोड़ना तथा असफलता को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना देना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार लगातार तुलना और अत्यधिक अपेक्षाएं बच्चों में आत्म-संदेह, चिंता, अवसाद तथा आत्मसम्मान में कमी का कारण बन सकती हैं। परिवारों को यह स्वीकार करना होगा कि प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है और उसकी प्रतिभा किसी एक परीक्षा या अंकपत्र से निर्धारित नहीं होती। विद्यालय और महाविद्यालय केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि ऐसे सामाजिक संस्थान हैं जहां बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेता है। शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और संकट के समय सबसे भरोसेमंद सहारा भी होते हैं। दुर्भाग्यवश आज अनेक विद्यालयों में सफलता का प्रमुख मानदंड परीक्षा परिणाम, बोर्ड मेरिट और प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन बन गया है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

पैरोल, भीड़ और शक्ति प्रदर्शन के बीच न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बचाए रखने की चुनौती

भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है, वह सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति और आर्थिक संरचना का भी बड़ा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि जब किसी बड़े धार्मिक बाबा, स्वयंभू संत या आध्यात्मिक संगठन के प्रमुख पर गंभीर आपराधिक आरोप लगते हैं, तब मामला केवल अदालत और कानून तक सीमित नहीं रहता। वह समाज की मानसिकता, भक्त-राजनीति, न्याय-व्यवस्था और राज्य की निष्पक्षता पर एक व्यापक बहस में बदल जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं, जहां धार्मिक नेताओं पर यौन शोषण, आर्थिक अनियमितता, हिंसा और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगे। कुछ मामलों में अदालतों ने दोष सिद्ध भी किया, फिर भी उनके प्रभाव और अनुयायियों की संख्या में अपेक्षित कमी नहीं दिखी। जब किसी दोषसिद्ध बाबा को पैरोल मिलती है, तो उसकी रिहाई कई बार सामान्य कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़कर सामाजिक प्रदर्शन का रूप ले लेती है। भव्य स्वागत, काफिले, भीड़ और उत्सव जैसा माहौल यह प्रश्न खड़ा करता है कि क्या आस्था न्याय से अधिक प्रभावशाली हो गई है। ऐसे क्षणों में न्यायपालिका की प्रक्रिया और जन-भावना के बीच एक स्पष्ट तनाव दिखाई देता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की जटिलता को उजागर करता है।

भारतीय समाज में कई बार व्यक्ति 'धार्मिक ब्रांड' में बदल जाता है। उसके खिलाफ अदालत का निर्णय भी उसके अनुयायियों की आस्था को पूरी तरह प्रभावित नहीं कर पाता। एक बड़ा वर्ग हर आरोप को साजिश या राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में देखने लगता है। परिणामस्वरूप, दोष सिद्ध होने के बाद भी कई आश्रम और संगठन पहले की तरह सि, य रहते हैं, और व्यक्ति 'पीड़ित संत' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह स्थिति न्याय के साथ-साथ सामाजिक चेतना के लिए भी चुनौती है। समस्या केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उस मानसिक संरचना में भी है जो अंध-भक्ति को विवेक से ऊपर रखती है। भारत के कई क्षेत्रों में धार्मिक गुरु केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं, बल्कि जीवन-निर्णय, आर्थिक व्यवहार और सामाजिक सोच को प्रभावित करने वाले केंद्र बन जाते हैं।

गरीब और वंचित वर्ग कई बार सुरक्षा और आश्रय की तलाश में ऐसे संगठनों से जुड़ता है, जहां धीरे-धीरे प्रश्न पूछने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। यह भी सच है कि सभी धार्मिक संत या गुरु एक जैसे नहीं होते। अनेक संत समाजसेवा, शिक्षा और मानवता के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी व्यक्ति के इर्द-गिर्द ऐसा वातावरण बना दिया जाता है जिसमें वह कानून और आलोचना से ऊपर समझा जाने लगता है। लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को प्रश्नों से परे नहीं रखा जा सकता, चाहे वह राजनीतिक नेता हो या धार्मिक गुरु।

डॉ. सत्यवान सौरभ
सामाजिक विचारक

राजनीति की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण है। बड़े धार्मिक संगठनों का जनाधार चुनावी गणित को प्रभावित कर सकता है, जिसके कारण कई बार राजनीतिक दल उनके प्रति नरम रुख अपनाते दिखाई देते हैं। यदि जनता के भीतर यह धारणा बनती है कि प्रभावशाली लोगों पर कानून समान रूप से लागू नहीं होता, तो यह न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करता है।

पैरोल और कानूनी राहत अपने आप में गलत नहीं हैं, लेकिन जब वे सार्वजनिक शक्ति प्रदर्शन में बदल जाती हैं, तब वे सामाजिक संदेश भी देने लगती हैं। यह संदेश कि प्रभाव और भीड़ न्याय की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। यही कारण है कि ऐसे मामलों के बाद समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष और असुरक्षा की भावना बढ़ती है।

मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी इस स्थिति को और जटिल बनाती है। डिजिटल युग में छवि निर्माण तेजी से होता है, जहां किसी को 'मसीहा' या 'अपराधी' के रूप में प्रस्तुत करना आसान हो गया है। इस प्रक्रिया में तथ्य कई बार पीछे छूट जाते हैं और भावनाएं केंद्र में आ जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

समयबद्ध न्याय अब जरूरी

सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक लंबित मुकदमों की संख्या समय-समय पर सामने आती रहती है। हर बार आंकड़े चिंता पैदा करते हैं, न्यायिक व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर चर्चा होती है और फिर कुछ समय बाद स्थिति पहले जैसी ही दिखाई देने लगती है। हाल में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार देश के उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 65 लाख से अधिक हो गई है। यह आंकड़ा केवल न्यायपालिका के लिए ही नहीं, बल्कि शासन और समाज के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। इतनी बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना बताता है कि न्याय पाने में लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर नागरिकों के भरोसे, कानून के प्रभावी पालन और आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ता है।

त्वरित न्याय किसी भी लोकतांत्रिक और विकासशील देश की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यदि विवादों का समय पर समाधान नहीं होगा तो सामाजिक स्तर पर असंतोष और निराशा बढ़ सकती है। व्यक्ति, परिवार, संस्थान और कंपनियां वर्षों तक मुकदमों में उलझी रहती हैं। इसका आर्थिक प्रभाव भी कम नहीं होता। न्यायालयों में लंबित विवादों में बड़ी मात्रा में धन फंसा रहता है, जिससे कारोबारी निर्णय प्रभावित होते हैं और निवेश की प्रक्रिया भी बाधित हो सकती है। समस्या केवल उच्च न्यायालयों तक सीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट और निचली अदालतों में भी बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण और विभिन्न न्यायाधिकरणों में मामलों के बढ़ते बोझ ने समस्या को और व्यापक बना दिया है।

उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों से संबंधित रिपोर्ट के अनुसार इलाहाबाद और राजस्थान हाई कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या विशेष रूप से अधिक है। बंबई, मद्रास, कर्नाटक और मध्य प्रदेश सहित अन्य उच्च न्यायालय भी लंबित मामलों के दबाव से जूझ रहे हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट में प्रत्येक न्यायाधीश की पीठ के सामने बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई का दायित्व रहता है। ऐसे में मामलों की भारी संख्या का समय पर निस्तारण कठिन हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट के सामने भी एक अलग चुनौती है। यदि वह प्रत्येक उच्च न्यायालय में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए अलग-अलग निर्देश देने लगे तो ऐसी याचिकाओं की संख्या और बढ़ सकती है। इसलिए समस्या का समाधान केवल निर्देशों से नहीं, बल्कि पूरी न्यायिक प्रक्रिया की क्षमता बढ़ाने से होगा।

न्यायिक व्यवस्था में सुधार की चर्चा केवल न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। न्यायालयों में आधारभूत ढांचे, तकनीकी संसाधनों, कर्मचारियों और आधुनिक सुविधाओं की भी आवश्यकता है। इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया के तौर-तरीकों की समीक्षा भी जरूरी है। बार-बार तारीख पड़ने, अनावश्यक स्थगन और लंबी प्रक्रियाओं के कारण मुकदमों के निस्तारण में वर्षों लग जाते हैं। सरकार, न्यायपालिका और अधिवक्ताओं को मिलकर ऐसे उपाय तलाशने होंगे, जिनसे अनावश्यक देरी को कम किया जा सके और गंभीर मामलों की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई सुनिश्चित हो।

लंबित मुकदमों की समस्या पर देश के विभिन्न संवैधानिक संस्थानों और सरकारों की ओर से समय-समय पर चिंता व्यक्त की जाती रही है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान सामने नहीं आ सका है। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं और न्यायिक सुधार के लिए इनके बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। संसाधनों की कमी निश्चित रूप से एक कारण हो सकती है, लेकिन प्रक्रिया में सुधार, पर्याप्त नियुक्तियां, आधुनिक तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल और प्रशासनिक स्तर पर बेहतर प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

सबसे चिंताजनक पहलू उन मामलों का है जो एक-दो दशक या उससे भी अधिक समय से लंबित हैं। किसी व्यक्ति के लिए वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करना स्वयं में एक बड़ी कठिनाई है। आपराधिक मामलों में तो देरी का प्रभाव और गंभीर हो जाता है। ऐसे उदाहरण सामने आते रहे हैं, जहां विचाराधीन कैदी लंबे समय तक जेल में रहे और बाद में अदालत से राहत मिली। इसी तरह संपत्ति, व्यापार, पारिवारिक विवाद और अन्य दीवानी मामलों में भी लंबी कानूनी प्रक्रिया संबंधित पक्षों को वर्षों तक प्रभावित करती है। न्याय का उद्देश्य केवल सही फैसला देना नहीं, बल्कि उचित समय में फैसला देना भी है।

सभी अदालतों और न्यायाधिकरणों में लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ से अधिक पहुंचना समस्या की व्यापकता को दर्शाता है। यदि प्रत्येक मामले से औसतन कई लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हों तो इसका सामाजिक प्रभाव बहुत बड़ा हो जाता है। इसके अलावा न्यायाधिकरणों में लंबित मामलों के कारण बड़ी मात्रा में धनराशि भी विवादों में फंसी रहती है। ऐसे में न्यायिक सुधार का संबंध केवल कानून और अदालतों से नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और विकास की गति से भी है। भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की दिशा में आर्थिक विकास, आधारभूत ढांचे और रोजगार के साथ ऐसी न्यायिक व्यवस्था भी जरूरी है, जिसमें नागरिकों और कारोबारियों को समय पर न्याय मिल सके। लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे निवेश और कारोबारी निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं तथा नागरिकों के लिए कानूनी प्रक्रिया को बोझिल बना सकते हैं।

-शिवांश धाकड़

कविता

औकात

राजेंद्र पालमपुरी
वरिष्ठ साहित्यकार, हिमाचल प्रदेश

मेरी क्या है औकात यहाँ,
फिर भी दावे करते हैं,
चेहरे पर मुस्कान सजाकर,
मन में धंधे करते हैं।
मंदिर-मस्जिद जाते हैं,
आडंबर की माला फेर,
लेकर प्रसाद खुदा का फिर,
सिफारिश चढ़ाते ढेर।
कैसे पहचानें इन चेहरों को,
भीड़ में खोए रहते हैं,
खाते हैं किसी और का,
फिर दूजे की वाह-वाह करते हैं।
आग लगाने की बात करें,
फसादों के बीज बोते हैं,
धर्म-ईमान की दुहाई देकर,
इंसानों का खून बहाते हैं।
झूठी बात को सच बनाकर,
फिर उसका शोर मचाते हैं,
सच सामने जब कोई रख दे,
तो उसको ही चुप कराते हैं।
चेहरों पर कितने चेहरे हैं,
किसको अपना मानें हम,
बातों में मिठास बहुत है,
पर मन में कितने तीर सनें।
धर्म अगर इंसान न बनाए,
फिर कैसा वह धर्म कहाए?
ईमान अगर डर जाए सच से,
फिर किस काम का ईमान रह जाए?

आधी-अधूरी जानकारी पर राय बनाना समाज में बढ़ा रहा है अविश्वास और दूरी

मैं अक्सर अपने आसपास के लोगों को देखकर कभी विचलित होती हूं, तो कभी आश्चर्यचकित। यह देखकर हैरानी होती है कि लोग कितनी शीघ्रता से दूसरों के बारे में राय बना लेते हैं- मानो वे स्वयं न्यायाधीश हों, जबकि सत्य तो यह है कि एक सिक्के के सदैव दो पहलू होते हैं। किसी एक पक्ष को देखकर निर्णय लेना दूसरे पक्ष के साथ अन्याय करने जैसा होता है। बदलते आधुनिक समम में आज समाज में पूर्वाग्रहों के आधार पर मत बनाने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है। लोग वास्तविक परिस्थिति को समझने का प्रयास कम और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास अधिक करते हैं।

बातचीत का उद्देश्य समझना नहीं, बल्कि उसे तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करना बनता जा रहा है। इस प्रक्रिया में अपनी निजी राय या अहंकार भी जोड़ दिया जाता है, जिससे किसी को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति पनपती है। यह संस्कृति हमारे समाज, संस्थानों और पारस्परिक संबंधों की जड़ों को कमजोर कर रही है।

यह आवश्यक नहीं कि हम हर व्यक्ति में अवगुण ही खोजें। क्यों न हम उसके गुणों को ग्रहण करने का प्रयास करें?

किसी के बारे में राय बनाने से पहले हमें यह अवश्य सोचना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी एक कहानी होती है- संघर्षों, परिस्थितियों और अनुभवों से भरी हुई। जब तक हम किसी के स्थान पर स्वयं को रखकर उसकी परिस्थिति को नहीं समझते, तब तक उसके निर्णयों और व्यवहार पर टिप्पणी करना अनुचित है। पीठ पीछे निंदा करना, चुगली करना और निराधार आलोचना करना समाज की नींव को हिलाने जैसा है। इनका प्रभाव सामने वाले व्यक्ति पर गहरा और नकारात्मक पड़ सकता है। सभी लोग मानसिक रूप से समान रूप से सशक्त नहीं होते। कुछ लोग अत्यंत भावनात्मक होते हैं, जिन्हें छोटी-सी बात भी भीतर तक आहत कर सकती है। इसलिए शब्दों का चयन और उनका प्रयोग अत्यंत सावधानी से करना चाहिए। दोहा-
देखे आधा रूप जो, दे दे त्वरित विचार। पूरा सच जाने बिना, करता अन्याय अपार।।

प्रत्येक मनुष्य कुछ जन्मजात गुणों के साथ जन्म लेता है। कुछ ज्ञान और अनुभव से परिपक्व होते हैं, तो कुछ परिस्थितियों के कारण आगे नहीं बढ़ पाते। अनेक लोग अपनी प्रतिष्ठा और पहचान बनाने के लिए वर्षों तक संघर्ष करते हैं। ऐसे में बिना पूरी सच्चाई जाने किसी के चरित्र या व्यक्तित्व पर टिप्पणी करना न केवल अनुचित, बल्कि अमानवीय भी है। हमारे ऋषि-मुनियों और विद्वानों ने भी जब आलोचना की, तो वह तर्क और प्रमाण के आधार पर की। शब्दों का प्रयोग उन्होंने संयम और विवेक से किया।

कनुप्रिया
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

अत: हमारा ज्ञान और हमारा व्यवहार तभी उच्च कोटि का माना जाएगा, जब हम निरर्थक चर्चाओं और आलोचनाओं से स्वयं को दूर रखेंगे तथा सहानुभूति, संवेदनशीलता और समझदारी को अपनाएंगे। अंतत:, समाज की सुदृढ़ता हमारे आचरण पर निर्भर करती है। यदि हम निर्णय करने से पहले समझने का प्रयास करें, तो न केवल दूसरों के प्रति न्यायपूर्ण होंगे, बल्कि स्वयं भी एक उच्च और परिपक्व व्यक्तित्व के रूप में विकसित होंगे।
परहित में जो मन लगे, वाणी हो संतुलित। सोच-विचार कर बोलिए, मानवता हो विकसित।।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

रिमी सेन का ग्लैमरस सफर

रिमी सेन का जन्म 21 सितंबर 1981 को पश्चिम बंगाल में सुभामित्रा सेन के रूप में हुआ था। उन्होंने हिंदी, तेलुगु और बंगाली फिल्मों में अभिनय कर अपनी अलग पहचान बनाई। रिमी सेन ने वर्ष 2002 में तेलुगु फिल्म 'नी थोडु कवाली' से बतौर मुख्य अभिनेत्री अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद वर्ष 2003 में उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा और प्रियदर्शन की कॉमेडी फिल्म 'हंगामा' में अभिनय किया। फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

रिमी सेन
जन्म : 21 सितंबर 1981

इसके बाद रिमी सेन का करियर तेजी से आगे बढ़ा और उन्होंने कई चर्चित फिल्मों में काम किया। वर्ष 2003 में वह 'बागबान' में नजर आईं, जबकि वर्ष 2004 में आई 'धूम' ने उन्हें बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया। इसके बाद 'गरम मसाला', 'क्योंकि', 'दीवाने हुए पागल' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं। वर्ष 2006 में आई 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' में भी उन्होंने अभिनय किया। कॉमेडी और मनोरंजन प्रधान फिल्मों में उनकी भूमिकाओं ने उन्हें खास पहचान दिलाई। रिमी सेन ने अपने करियर के दौरान हिंदी के साथ-साथ तेलुगु और बंगाली फिल्मों में भी काम किया, जिससे उनके अभिनय का दायरा क्षेत्रीय सिनेमा तक विस्तृत हुआ।

फिल्मों के अलावा उन्होंने छोटे पर्दे पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। वर्ष 2015 में उन्होंने लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नौवें संस्करण में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के जरिए दर्शकों को उनके व्यक्तित्व का एक अलग पक्ष देखने को मिला। अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रहने के बाद रिमी सेन ने धीरे-धीरे मनोरंजन उद्योग से दूरी बना ली। उन्होंने निर्माण के क्षेत्र में भी रुचि दिखाई और फिल्म निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में योगदान दिया। बाद में उन्होंने दुबई में रियल एस्टेट के क्षेत्र में काम शुरू किया। इस तरह रिमी सेन ने अभिनय से लेकर टेलीविजन और फिर व्यवसाय तक का सफर तय किया। फिल्मी दुनिया में उनका करियर भले ही बहुत लंबा नहीं रहा, लेकिन 'हंगामा', 'धूम', 'गरम मसाला', 'फिर हेरा फेरी' और 'गोलमाल' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में निभाई भूमिकाओं के कारण उन्हें आज भी याद किया जाता है।

फर्जी सूचनाओं के दौर में विद्यार्थियों को तथ्य और भ्रम में अंतर सिखाता, समाचार पत्र

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में व्यापक समझ, जागरूकता, तर्कशक्ति और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना भी है। इस दृष्टि से प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने की आदत विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यदि दो विद्यार्थी समान कक्षा में पढ़ते हैं, उनकी बौद्धिक क्षमता और मेहनत भी लगभग समान है, फिर भी कुछ वर्षों बाद एक विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ चर्चा में भाग लेता है, प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करता है और साक्षात्कार में प्रभावी ढंग से अपनी बात रखता है, जबकि दूसरा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रह जाता है। दोनों के बीच यह अंतर पैदा करने वाली सरल आदत समाचार पत्र पढ़ने की हो सकती है।

समाचार पत्र केवल घटनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता और विचारों का विस्तृत संसार है। इसके अलग-अलग पृष्ठ विद्यार्थियों को विज्ञान और तकनीक की नई खोजों, खेल जगत की उपलब्धियों, पर्यावरणीय चुनौतियों, शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति और देश-दुनिया की महत्वपूर्ण घटनाओं से परिचित कराते हैं। नियमित रूप से समाचार पढ़ने वाला विद्यार्थी अपने आसपास और दुनिया में हो रहे बदलावों को बेहतर ढंग से समझ पाता है। इससे उसका दृष्टिकोण व्यापक और संतुलित बनता है।

समाचार पत्र पढ़ने का सबसे बड़ा लाभ सामान्य ज्ञान में वृद्धि के रूप में सामने आता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं से जुड़े प्रश्नों का विशेष महत्व होता है। साक्षात्कार और समूह चर्चा में भी उम्मीदवार से देश-दुनिया से जुड़े विषयों पर राय पूछी जा सकती है। ऐसे में रोज समाचार पढ़ने वाला विद्यार्थी घटनाओं के पीछे के कारणों और उनके प्रभावों को समझने में अपेक्षाकृत सक्षम होता है। वह केवल किसी घटना की जानकारी नहीं रखता, बल्कि उसके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रभावों पर भी विचार कर सकता है।

भाषा कौशल विकसित करने में भी समाचार पत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाचार पढ़ते समय विद्यार्थियों को प्रतिदिन नए शब्द मिलते हैं। उनका शब्द भंडार बढ़ता है और भाषा पर पकड़ मजबूत होती है। इससे लेखन और अभिव्यक्ति की क्षमता में सुधार आता है। निबंध, भाषण, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और रचनात्मक लेखन जैसी शैक्षणिक गतिविधियों में समाचार पत्र पढ़ने वाले विद्यार्थी अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन कर सकते हैं। नियमित पठन से वाक्य विन्यास, विचारों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने और सही शब्दों के चयन की क्षमता भी विकसित होती है।

समाचार पत्र विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने का माध्यम भी बन सकता है। आज सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों के जरिए खबरें बहुत तेजी से सामने आती हैं। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध हर जानकारी सही या प्रमाणित हो, यह जरूरी नहीं है। कई बार अधूरी, भ्रामक या गलत जानकारी भी तेजी से फैल जाती है। इसके मुकाबले समाचार पत्र में संपादकीय प्रक्रिया और तथ्य जांच के बाद समाचार प्रकाशित किए जाते हैं। इसलिए समाचार पत्र विद्यार्थियों को सूचना और विश्वसनीय जानकारी के बीच अंतर समझने में मदद करता है। वे किसी खबर को तुरंत स्वीकार करने के बजाय उसके तथ्य, संदर्भ और प्रभाव पर विचार करना सीखते हैं।

समाचार पत्र पढ़ने की आदत विद्यार्थियों में धैर्य और एकाग्रता भी बढ़ाती है। सामाजिक माध्यमों पर सूचनाएं छोटे-छोटे संदेशों और त्वरित वीडियो के रूप में मिलती हैं, जिससे लंबे समय तक किसी विषय पर ध्यान केंद्रित करने की आदत कमजोर हो सकती है। इसके विपरीत समाचार पत्र पढ़ने के लिए विद्यार्थी को किसी विषय को विस्तार से समझना पड़ता है। इससे पढ़ने, समझने और मनन करने की क्षमता मजबूत होती है। धीरे-धीरे विद्यार्थी तथ्यों के आधार पर अपनी राय बनाना सीखता है।

अजय पटियाल
प्रवक्ता, रसायन विज्ञान
सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गढ़ जमूला

इस आदत को विकसित करने में विद्यालयों और परिवारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान प्रमुख समाचारों का वाचन, समाचार विश्लेषण, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, वाद-विवाद और समाचार आधारित प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियां आयोजित की जा सकती हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल खबर पढ़ने के बजाय उसके पीछे की परिस्थितियों और प्रभावों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। परिवार में भी माता-पिता यदि नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ते हैं और बच्चों के साथ महत्वपूर्ण खबरों पर बातचीत करते हैं तो उनमें स्वाभाविक रूप से पढ़ने की रुचि विकसित हो सकती है।

विद्यार्थियों को समाचार पत्र पढ़ने के लिए बहुत अधिक समय देने की आवश्यकता भी नहीं है। प्रतिदिन केवल 15 से 20 मिनट का नियमित अभ्यास पर्याप्त हो सकता है। शुरुआत में विद्यार्थी देश-दुनिया की प्रमुख खबरें, विज्ञान, खेल, शिक्षा और अपने राज्य से जुड़ी खबरें पढ़ सकते हैं। धीरे-धीरे संपादकीय और विचारपरक सामग्री पढ़ने की आदत विकसित की जा सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

बसपा में ईशान की एंट्री, आकाश-दीपिका बाहर

मायावती बोलीं- आकाश और उनकी बहन को नहीं मिलेगी पार्टी जिम्मेदारी, ईशान आनंद को करेंगी आगे

एजेंसी, लखनऊ

मायावती के ताजा बयान के अनुसार, बहुजन समाज पार्टी में उनके छोटे भाई आनंद कुमार के परिवार की राजनीतिक भूमिका को लेकर स्थिति अब काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। मायावती ने कहा है कि आकाश आनंद और उनकी बहन दीपिका आनंद को पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी, जबकि परिवार से ईशान आनंद को सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईशान को पार्टी विरोधी किसी गंभीर गतिविधि में शामिल पाया गया तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी विस्तृत बयान में अपने फैसले के पीछे पार्टी हित और अपने राजनीतिक अनुभव का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में सफल होने और समाज के लिए काम करने के लिए व्यक्ति को अपने भाई-बहनों तथा नजदीकी रिश्तेदारों के मोह से ऊपर उठकर ईमानदारी और निष्ठा के साथ संगठन के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने अपने करीबी रिश्तेदारों को राजनीतिक लाभ देने से दूरी बनाए रखी और उन्हें केवल नि:स्वार्थ भाव से संगठन के लिए काम करने की अनुमति दी। मायावती ने कहा कि कांशीराम की इसी सोच से प्रेरित होकर उन्होंने भी अपना जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित करने का फैसला किया।

मायावती ने बताया कि उनके छोटे भाई आनंद कुमार लंबे समय से उनके साथ काम करते रहे हैं और उन्हीं के आग्रह पर उनके बड़े बेटे आकाश आनंद को राजनीति में आगे बढ़ाया गया था। हालांकि, मायावती के अनुसार शादी के बाद आकाश के रवैये और गतिविधियों के कारण उन्हें हाल में फिर पार्टी से अलग करना पड़ा। उन्होंने आकाश के ससुर और बसपा के पूर्व नेता अशोक सिद्धार्थ का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि आकाश उनके प्रभाव में आ गए हैं। मायावती ने कहा कि ऐसे हालात में आकाश को पार्टी में वापस लेना संगठन के साथ विश्वासघात होगा और वह ऐसा फैसला नहीं करेंगी।

दीपिका आनंद को लेकर भी मायावती ने अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि आनंद कुमार की बेटी को पार्टी में आगे बढ़ाने का फैसला किया जाता और शादी के बाद उनका राजनीतिक रवैया भी आकाश जैसा निकलता तो यह पार्टी हित में उचित नहीं होता। इसी संभावना को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आकाश और दीपिका दोनों को पार्टी की जिम्मेदारियों से दूर रखने का फैसला किया है। इससे पहले 12 सितंबर को मायावती ने आनंद कुमार के दोनों बेटों आकाश और ईशान को पार्टी में पद देकर राजनीति करने का अवसर नहीं देने की बात कही थी, जबकि दीपिका के संबंध में भविष्य में मदद लेने की संभावना खुली रखी थी।

गंभीर गलती पर ईशान भी होंगे बाहर

ईशान आनंद को लेकर मायावती ने कहा कि अब आनंद कुमार के परिवार में से केवल उन्हें ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे किया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि ईशान के लिए भी पार्टी अनुशासन सर्वोपरि रहेगा। यदि उन्होंने पार्टी विरोधी कोई गंभीर कृत्य किया तो उन्हें भी संगठन से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में आनंद कुमार के परिवार के किसी अन्य सदस्य को जिम्मेदारी देने के बजाय पार्टी में काम कर रहे किसी समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने की बात मायावती ने कही है।

फिरोजाबाद में यूजीसी के खिलाफ सवर्ण समाज ने किया प्रदर्शन

गांधी पार्क से जिला मुख्यालय तक पदयात्रा को लेकर विवाद

एजेंसी, फिरोजाबाद

सवर्ण समाज ने यूजीसी के विरोध में सौंपा राष्ट्रपति को ज्ञापन।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के आह्वान पर रविवार को यूजीसी के विरोध में सवर्ण समाज के लोगों ने गांधी पार्क में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के फैसले को वापस लेने की मांग करते हुए धरना दिया और नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी जिला मुख्यालय की ओर पदयात्रा निकालने लगे। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की स्थिति बन गई। हालात को देखते हुए मौके पर चार थानों का पुलिस बल बुलाया गया। एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद भी पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ मौके पर मौजूद रहे और स्थिति पर नजर रखी।

पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और उन्हें शांतिपूर्वक अपनी मांग रखने के लिए कहा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी के संबंधित प्रावधानों को वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने अपनी मांगों के समर्थन में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तैयार किया और इसे एसपी सिटी को सौंपा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनकी मांगों को केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाए, ताकि इस मामले में आवश्यक कार्रवाई हो सके। वहीं पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया। एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया कि अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के नेतृत्व में यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन किया गया है।

महासभा की ओर से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन पुलिस को सौंपा गया है, जिसे संबंधित माध्यम से राष्ट्रपति तक पहुंचाया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान गांधी पार्क से जिला मुख्यालय की ओर जाने को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बनी रही।

आदिवासी जमीन के बैनामे शून्य हाई कोर्ट ने कार्रवाई सही ठहराई

एजेंसी, सोनभद्र

◆ सोनभद्र में 40 गाटों की जमीन ग्राम सभा में निहित

सोनभद्र की दुद्धी तहसील के बघाड़ू गांव में अनुसूचित जनजाति की भूमि खरीद से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जिला प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराया है। अदालत ने विवादित भूमि के बैनामे शून्य घोषित कर उसे ग्राम सभा में निहित करने के प्रशासनिक आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

जिला प्रशासन के अनुसार मामले में एक महिला के नाम पर दस्तावेजी हेरफेर कर जनजातीय समाज की 30 से अधिक जमीनों की खरीद किए जाने का आरोप था। बाद में इन जमीनों को अन्य राज्यों में रहने वाले रिश्तेदारों के नाम हस्तांतरित किए जाने की बात सामने आई थी। जांच के बाद प्रशासन ने 40 गाटों में दर्ज करीब 5.7142 हेक्टेयर भूमि को ग्राम सभा में निहित कर दिया था।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के अनुसार प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ महिला ने अप्रैल में हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार की पीठ ने सुनवाई के बाद प्रशासन के आदेश को कानून के अनुरूप मानते हुए याचिका में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

बरेका में उत्साह से मनाया आरपीएफ का 42वां स्थापना दिवस

एजेंसी, वाराणसी

◆ योग, दौड़ और पौधारोपण से मनाया आरपीएफ का स्थापना दिवस

बरेका परिसर में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का 42वां स्थापना दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आरपीएफ अधिकारियों और जवानों ने 'साहस, सेवा और संकल्प' के साथ सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के तहत 'रन फॉर यूनिटी' आयोजित की गई, जिसमें एकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया गया। योग कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली और शारीरिक-मानसिक फिटनेस के महत्व को रेखांकित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए बैरक परिसर में पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। वहीं, 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। गौरतलब है कि 20 सितंबर 1985 को रेलवे सुरक्षा बल को संघ के सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान किया गया था। आरपीएफ रेलवे संपत्ति के साथ यात्रियों और यात्री क्षेत्रों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

87 करोड़ की लागत से सुधरेंगी बरेली की 33 सडकें

एजेंसी, बरेली

बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुईं जिले की 33 सड़कों की मरम्मत और निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड ने 87 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम शुरू कर दिया है। विभाग ने ठेका आवंटन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है और टेंडर पूरा होते ही अगले महीने से निर्माण कार्य शुरू कराने का लक्ष्य रखा गया है। अलग-अलग क्षेत्रों में सड़क निर्माण, सीसी मार्ग और नाली निर्माण के लिए अलग-अलग धनराशि स्वीकृत की गई है। विभाग के अनुसार, सभी परियोजनाओं को दो से सात महीने के भीतर पूरा कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इनमें शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें भी शामिल हैं। अधिशासी अभियंता भगत सिंह ने बताया कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य गुणवत्ता के मानकों के अनुसार कराया जाएगा। इससे लंबे समय से खराब सड़कों से परेशान लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

वाराणसी मुठभेड़ में 30 लाख का इनामी नक्सली कमांडर ढेर

एजेंसी, वाराणसी

◆ दो दशक से सक्रिय नक्सली कमांडर बृजेश गंझू ढेर

उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने रविवार को रामनगर थाना क्षेत्र के टेंगरा मोड़ के पास मुठभेड़ में 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया। पुलिस के अनुसार, बृजेश प्रतिबंधित संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का सुप्रीमो था और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मोस्ट वांटेड सूची में भी शामिल रहा था।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, झारखंड के चतरा जिले के लावालौंग क्षेत्र निवासी बृजेश ने वर्ष 2004 में प्रतिबंधित भाकपा माओवादी के खिलाफ अपना अलग संगठन खड़ा किया था। बाद में टीपीसी ने झारखंड के चतरा, रांची, हजारीबाग, रामगढ़, पलामू और लातेहार सहित कई क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ाईं। बिहार के कुछ जिलों और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में भी संगठन की सक्रियता बताई गई।

अधिकारियों का आरोप है कि बृजेश गंझू झारखंड और बिहार के कारोबारियों तथा ठेकेदारों से धमकाकर वसूली करता था। सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता बढ़ने के बाद वह वाराणसी, सोनभद्र और चंदौली में ठिकाने बदलकर रह रहा था। उसका नाम वर्ष 2018 में शुरू हुए कथित टेरर फंडिंग मामले में भी सामने आया था।

एटीएस ने पूर्वांचल में नक्सली गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपना नेटवर्क सक्रिय किया था। इसी दौरान बृजेश की लोकेशन का पता चला। टेंगरा मोड़ के पास घेराबंदी के बाद हुई मुठभेड़ में वह मारा गया। उस पर झारखंड सरकार ने 25 लाख और एनआईए ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

अमेठी में जर्जर मकान गिरने से मलबे में दबा परिवार

◆ डीजे की तेज आवाज के बीच ढहा कच्चा मकान, दो को चोटें

एजेंसी, अमेठी। उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी के भादर ब्लॉक के रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत संसारीपुर गांव में शनिवार शाम गणपति विसर्जन कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में डीजे बजने के बीच एक जर्जर कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान के अंदर सो रहा परिवार मलबे में दब गया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिसमें से दो लोगों को गंभीर चोट आई हैं।

हादसे में परिवार की 60 वर्षीय हीरावती पत्नी स्व. सुरेश कुमार कोरी के पैर और कंधे में मामूली चोट आई है। वहीं करीब 20 वर्षीय ज्योति को कमर समेत शरीर के कई हिस्सों में मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां पर इलाज करने के बाद डॉक्टर ने दोनों को वापस घर भेज दिया है।

अमेठी के उप जिलाधिकारी पंकज कुमार मिश्रा ने रविवार को बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। टीम द्वारा पीड़ित परिवार के हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है, ताकि नियमानुसार उन्हें सरकारी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि भादर ब्लॉक के बीडीओ और एडीओ पंचायत को भी मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने स्तर से पीड़ित परिवार को अधिक से अधिक संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

यूपीपीएससी सफल अभ्यर्थियों के लिए 23 सितंबर से मॉक इंटरव्यू

एजेंसी, लखनऊ

◆ आईएएस-पीसीएस अधिकारी देंगे यूपीपीएससी अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के गुर

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) 2025 की मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को आगामी साक्षात्कार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग 23 सितंबर से विशेष मॉक इंटरव्यू कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। यह कार्यक्रम गोमती नगर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भागीदारी भवन में कई चरणों में आयोजित किया जाएगा। इसमें अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की प्रक्रिया, प्रश्नों के प्रभावी उत्तर, व्यक्तित्व प्रस्तुतीकरण, संचार कौशल और आत्मविश्वास से जुड़े पहलुओं का व्यावहारिक अभ्यास कराया जाएगा।

समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि विभाग के प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के साथ मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अभ्यर्थी भी इसमें शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा यूपीपीएससी-2025 की मुख्य परीक्षा में सफल किसी भी वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी भी नि:शुल्क मॉक इंटरव्यू का लाभ उठा सकेंगे।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी से जुड़े आईएएस-पीसीएस अधिकारी और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। मॉक इंटरव्यू के दौरान अभ्यर्थियों को संभावित प्रश्नों के जवाब देने का अभ्यास कराने के साथ उनकी कमियों की पहचान कर उनमें सुधार के सुझाव दिए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, इससे अभ्यर्थियों को वास्तविक साक्षात्कार के माहौल को समझने और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में आठ आवासीय कोचिंग केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों में अभ्यर्थियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण के साथ भोजनालय, पुस्तकालय, इंटरनेट, परीक्षा अभ्यास श्रृंखला, अध्ययन सामग्री, मनोरंजन, खेलकूद और व्यायामशाला जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

योगी बोले, पारदर्शी भर्ती से बदली यूपी की तस्वीर

योगी ने 912 चयनित अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

कहा- भर्ती में भाई-भतीजावाद और पेपरलीक पर लगा अंकुश।

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी अभ्यर्थी का चयन जब पूरी तरह शुचितापूर्ण और पारदर्शी तरीके से होता है तो यह केवल उसके परिवार के लिए खुशी का विषय नहीं होता, बल्कि शासन और आम नागरिक के बीच विश्वास का प्रतीक भी बनता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में निराशा और हताशा का माहौल था।

भाई-भतीजावाद और अनियमितताओं के कारण योग्य अभ्यर्थियों को भी अवसर नहीं मिल पाता था। परीक्षा की शुचिता पर सवाल उठते थे और पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में सुधार का निर्णय लिया और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी।

उन्होंने कहा कि योग्य अभ्यर्थियों का निष्पक्ष चयन व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाता है। प्रदेश में पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान हुए बदलाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मानवबल और पदों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ, बल्कि व्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण बदला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी भर्ती से युवाओं में विश्वास बढ़ा है और योग्य लोगों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

आरक्षण चार राजकीय मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण विवाद ने बढ़ाई सियासी हलचल

दलित हितों के लिए कांग्रेस लगाएगी विशेष चौपाल

एजेंसी, लखनऊ

कांग्रेस ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

उत्तर प्रदेश के चार राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस दाखिले की आरक्षण व्यवस्था को लेकर विवाद एक बार फिर गरमा गया है। अम्बेडकर नगर, कन्नौज, सहारनपुर और जालौन स्थित इन मेडिकल कॉलेजों में विशेष घटक योजना के तहत लागू आरक्षण व्यवस्था को लेकर लंबे समय से कानूनी विवाद चल रहा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने हाल ही में मौजूदा शैक्षणिक सत्र में करीब 91 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकार को सामान्य वैधानिक व्यवस्था के तहत काउंसलिंग आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। अदालत के आदेश के अनुसार अनुसूचित जाति के लिए 21 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए दो प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है।

इसी मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अनुसूचित जाति और वंचित वर्ग के छात्रों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर अदालत तक लड़ेगी। गौतम ने कहा कि इन चारों मेडिकल कॉलेजों की स्थापना विशेष घटक योजना के तहत दलित और वंचित वर्ग के कल्याण के उद्देश्य से की गई थी। उनका कहना है कि इन संस्थानों की स्थापना में विशेष योजना के धन का इस्तेमाल हुआ था और इसी आधार पर यहां अलग आरक्षण व्यवस्था का प्रावधान किया गया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट के वर्ष 2025 के फैसले में भी अदालत के सामने राज्य सरकार ने इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और आरक्षण से जुड़े पुराने शासनादेशों का विवरण रखा था।

दरअसल, इस विवाद की जड़ इन चार मेडिकल कॉलेजों में राज्य कोटे की सीटों के लिए लागू सीट मैट्रिक्स है। वर्ष 2025 में अदालत के समक्ष रखे गए रिकॉर्ड के मुताबिक प्रत्येक कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटें थीं, जिनमें 15 प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय कोटे के लिए और 85 सीटें राज्य कोटे के लिए थीं।

एससी-एसटी आरक्षण पर हाई कोर्ट सख्त

पुराने प्रावधानों के तहत राज्य कोटे की सीटों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष अनुपात रखा गया था। अदालत के रिकॉर्ड में सरकार की ओर से यह भी बताया गया था कि विशेष घटक योजना के तहत स्थापित इन संस्थानों में कुल सीटों में 70 प्रतिशत सीटें एससी-एसटी, 15 प्रतिशत ओबीसी और 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग के लिए रखने संबंधी शासनादेश जारी किए गए थे। हालांकि, हाई कोर्ट ने आरक्षण व्यवस्था को उत्तर प्रदेश के मौजूदा वैधानिक ढांचे के अनुरूप रखने पर जोर दिया है। सितंबर 2026 के ताजा आदेश में अदालत ने करीब 91 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था पर रोक लगाते हुए काउंसलिंग को अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लागू आरक्षण प्रतिशत के आधार पर जारी रखने की अनुमति दी।

नूंह में गौ तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, दो आरोपी घायल, दो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

घासेड़ा के पास पुलिस और गौ तस्करों में क्रॉस फायरिंग, दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह

नूंह जिले के सदर थाना क्षेत्र में रविवार तड़के पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। गांव घासेड़ा के पास हुई इस मुठभेड़ में क्रॉस फायरिंग के दौरान दो गौ तस्करों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को मौके पर काबू कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। घायल आरोपियों को उपचार के लिए शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, फिरोजपुर झिरका सीएस स्टाफ को सूचना मिली थी कि कुछ गौ तस्कर गुरुग्राम-सोहना-नूंह मार्ग से गोवंश को राजस्थान की ओर ले जाने वाले हैं। सूचना मिलने के बाद उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव घासेड़ा के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। पुलिस संदिग्ध वाहनों पर नजर रख रही थी।

इसी दौरान एक अर्टिगा कार पुलिस नाके से करीब 50-60 मीटर पहले रुक गई। चालक ने कार को वापस मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने सरकारी वाहन की मदद से कार को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस वाहन में टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद कार की कंडक्टर साइड बैठे व्यक्ति ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई क्रॉस फायरिंग में कार सवार दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को काबू कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने घायल आरोपियों की पहचान शमशाद उर्फ सेंदा निवासी उटावड़, जिला पलवल और रोबिन निवासी आलीमेव, जिला पलवल के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने फरार आरोपियों के नाम भी बताए हैं।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने अर्टिगा कार की तलाशी ली। कार से तीन गोवंश बरामद किए गए। इसके अलावा पुलिस ने दो देसी कट्टे, चार जिंदा कारतूस और तीन खाली खोल भी बरामद किए हैं। पुलिस ने अर्टिगा कार को अपने कब्जे में ले लिया है। बरामद गोवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी रोबिन के खिलाफ पहले से 12 मामले दर्ज हैं और वह पूर्व में इनामी बदमाश रह चुका है। वहीं शमशाद उर्फ सेंदा के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

गुरुग्राम में सड़क हादसों का कहर डिलीवरी बॉय और पेंटर ने गंवाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा खेड़की दौला थाना क्षेत्र में हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार जोमैटो डिलीवरी बॉय अमित कुमार को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अमित कुमार मूल रूप से बिहार के गोपालगंज जिले के मीरगंज का रहने वाला था और गुरुग्राम के नाहरपुर इलाके में रहता था। वह डिलीवरी का काम कर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था।

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि दुर्घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके। वहीं, गुरुग्राम में एक अन्य सड़क हादसे में पेंटर की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क पर काम के सिलसिले में मौजूद पेंटर को एक वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने संबंधित वाहन चालकों की पहचान और हादसे की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर यातायात सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस के अनुसार दोनों हादसों की जांच की जा रही है। पहले मामले में तेज रफ्तार कार चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं, दूसरे हादसे में वाहन चालक की तलाश की जा रही है। दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपे जाएंगे। पुलिस ने संबंधित मामलों में कार्रवाई शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम के पीजी में सेक्स रैकेट का खुलासा, 8 युवतियां और 13 पुरुष पकड़े

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। राज्य महिला आयोग की टीम ने गुरुग्राम के सेक्टर-38 स्थित एक पीजी में छापेमारी कर कथित सेक्स रैकेट का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान विदेशी युवतियों समेत आठ महिलाएं और 13 पुरुष मिले। कमरे से शराब की बोतलें और कंडोम से भरी पेटी बरामद हुई। कुछ युवतियों ने वॉशरूम में शराब की बोतलें छिपा रखी थीं। टीम को देखकर कुछ आरोपी हाथ जोड़कर बैठ गए, जबकि कुछ युवतियां मौके से भागने लगीं। बताया गया कि स्पा सेंटर से रेस्क्यू की गई नाबालिग युवती के बयान के बाद मामले का खुलासा हुआ। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी साहिल ने उसे झाड़सा ठिकाने पर बंधक बनाकर रखा था और उससे गलत काम करवाया जाता था। आयोग ने मामले की जांच के लिए पुलिस को सूचना दी।

हरियाणा की लेडी कोच का आरोप, पूर्व मंत्री पर धमकियां दिलवाने का दावा

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला कोच ने सोशल मीडिया लाइव के दौरान गंभीर आरोप लगाए। महिला कोच ने दावा किया कि उन्हें लगातार धमकियां दिलवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह करीब दो साल तक इस पूरे मामले को लेकर रोती रहीं, लेकिन अब चुप नहीं रहेंगी। महिला कोच ने कथित तौर पर धमकी देने वालों को चेतावनी देते हुए कहा, 'मैंने दो साल बहुत सहा और रोई हूं, अब तुझे नजारे दिखाऊंगी।' उन्होंने मामले में रेप के प्रयास की धारा जोड़ने की मांग भी की। महिला कोच का आरोप है कि उन्हें मामले से पीछे हटने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से सुरक्षा तथा निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

काला जठेड़ी का ढोल-नगाड़ों से स्वागत बेटियों के नामकरण पर मिली पैरोल

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के जठेड़ी गांव में कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी अपनी जुड़वां बेटियों के नामकरण और अन्य धार्मिक रस्मों में शामिल होने के लिए कस्टडी पैरोल पर पहुंचा। पुलिस वैन से उतरते ही उसने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान गांव में ढोल-नगाड़ों के साथ उसका स्वागत किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। बेटियों के जन्म के करीब 80 दिन बाद हवन-यज्ञ और नामकरण समारोह आयोजित किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, जठेड़ी को सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक पैरोल मिली है। उसकी पत्नी अनुराधा चौधरी ने बताया कि पहले छह घंटे की पैरोल की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन प्रशासनिक गाइडलाइन के अनुसार अवधि तय की गई। पैरोल के दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों का खर्च संबंधित पक्ष को उठाना पड़ता है।

फरीदाबाद में नशे में महिला का हंगामा चल नहीं पाई तो सड़क पर लेटी

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-8 थाना क्षेत्र में रात शराब के नशे में एक महिला करीब एक घंटे तक सड़क किनारे पड़ी रही। महिला इतनी नशे में थी कि उससे ठीक से चला नहीं जा रहा था। वह उठने की कोशिश करती, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण बार-बार सड़क पर गिर जाती। महिला को इस हालत में देखकर वहां से गुजर रहे लोग रुक गए और कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काफी देर तक महिला के साथ कोई व्यक्ति नजर नहीं आया। महिला सड़क किनारे बेसुध हालत में पड़ी रही और लोगों की निगाहें उसी पर टिकी रहीं। बाद में उसका एक साथी मौके पर पहुंचा और महिला को उठाकर गाड़ी में डालकर वहां से ले गया। घटना के दौरान सड़क पर काफी देर तक लोगों की भीड़ लगी रही।

रेवाड़ी में आरती राव के लगे 'भावी सीएम के नारे, बोलीं- लंबी पारी खेलने आई

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के लिए 'भावी मुख्यमंत्री' के नारे लगाए जाने से हरियाणा की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। मामला उस समय सामने आया, जब आरती राव मंत्री राव नरबीर सिंह के पैतृक गांव बूढ़पुर पहुंचीं। यहां समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया और उनके समर्थन में 'भावी मुख्यमंत्री आरती राव' के नारे लगाए।

नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरती राव ने कहा कि वह राजनीति में लंबी पारी खेलने आई हैं। भविष्य में यदि उन्हें कोई मौका मिलता है तो वह उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी दावे के बजाय इसे किस्मत से जुड़ा विषय बताया। आरती राव के सीएम पद को लेकर लगे नारों को रेवाड़ी में भाजपा की अंदरूनी राजनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

मंत्री नरबीर सिंह के गांव बूढ़पुर में आरती राव के समर्थन में नारेबाजी

इससे पहले रेवाड़ी एम्स के श्रेय को लेकर भाजपा नेताओं के बीच बयानबाजी चर्चा में रही है। इसी राजनीतिक माहौल के बीच आरती राव के समर्थन में लगे नारों ने नया विषय खड़ा कर दिया है। आरती राव केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी हैं और वर्तमान में हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री हैं।

वॉशरूम में परेशान करने वाले लड़के का बच्ची ने किया जिक्र, जांच जारी

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। रोहतक के एक निजी स्कूल में नर्सरी की बच्ची से कथित दुष्कर्म के मामले में जांच के दौरान बच्ची ने काउंसलर के सामने कुछ अहम जानकारी दी है। शनिवार को बच्ची की तीसरी बार काउंसलिंग की गई। विशेषज्ञ बच्ची के घर पहुंचे और पुलिस की मौजूदगी में उससे घटना के बारे में जानकारी ली। काउंसलिंग के दौरान बच्ची ने एक लड़के का जिक्र किया। बच्ची के अनुसार, लड़के ने उसे बिस्किट दिया था और वह रोज वॉशरूम की तरफ जाता था। बच्ची ने उसे परेशान करने की बात भी बताई। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह लड़का किस कक्षा में पढ़ता है। मामले में सामने आए सीसीटीवी फुटेज भी जांच का हिस्सा हैं। एक फुटेज में बच्ची के साथ करीब आधे घंटे तक पांचवीं कक्षा का एक लड़का बैठा दिखाई दिया।

कोकीन तस्करी मामले में फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक और आरोपी नरेंद्र गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने 114.19 ग्राम कोकीन बरामदगी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना की टीम ने मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए अग्रोहा क्षेत्र के गांव मीरपुर निवासी नरेन्द्र उर्फ सुखा को काबू किया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेज दिया गया। इस मामले में अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सीआईए टोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक अजय ने रविवार को बताया कि 11 सितंबर को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग फतेहाबाद क्षेत्र में कोकीन की सप्लाई करने की तैयारी में हैं। सूचना के आधार पर टीम ने भूना-फतेहाबाद रोड फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड पर दबिश दी।

वहां एक सफेद रंग की हुंडई ऑरा कार खड़ी मिली, जिसमें सोनू कुमार, रविन्द्र शर्मा और महिला आरोपी निशा सवार थे। पुलिस ने तीनों को मौके पर ही काबू कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी कार में कोकीन लेकर ग्राहकों को सप्लाई करने का इंतजार कर रहे थे। नियमानुसार तलाशी लेने पर महिला आरोपी निशा की जींस की जेब से पारदर्शी पॉलीथिन बरामद हुई। इसमें 114.19 ग्राम कोकीन रखी हुई थी।

पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ को व्यावसायिक मात्रा बताया है। इसके बाद थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सीआईए टीम ने आरोपियों से पूछताछ और उपलब्ध सुरागों के आधार पर मामले से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई। इसी क्रम में पुलिस ने नरेन्द्र उर्फ सुखा को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मुताबिक आरोपी से पूछताछ के साथ मामले में नशीले पदार्थ की सप्लाई से जुड़े संपर्कों की भी जांच की जा रही है।

भिवानी के बहल में केमिकल टैंकर पलटा, 30 दुकान-रेहड़ियां जलकर राख

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

राजगढ़ मार्ग पर पलटे टैंकर से निकले केमिकल ने दो किलोमीटर तक मचाई तबाही।

बहल के राजगढ़ मार्ग पर शनिवार देर रात हुए केमिकल टैंकर हादसे के बाद रविवार सुबह अचानक आग भड़कने से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। ज्वलनशील केमिकल से भरा टैंकर पलटने के बाद उसमें से निकला केमिकल नाले में बह गया था। सुबह टैंकर को उठाने की कोशिश के दौरान आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास मौजूद रेहड़ियों व खोखों को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे गुजरात के कांडला से सोनीपत जा रहा केमिकल टैंकर बहल के राजगढ़ मार्ग पर पहुंचा था। इसी दौरान अचानक चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया और टैंकर सड़क किनारे पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें भरा ज्वलनशील केमिकल बाहर निकलकर आसपास फैलने लगा। टैंकर नाले के पास पलटने के कारण काफी मात्रा में केमिकल नाले में भी बह गया। रविवार सुबह करीब आठ बजे टैंकर को मौके से हटाने के लिए उठाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी दौरान अचानक आग भड़क उठी।

टैंकर से निकले केमिकल के कारण आग तेजी से फैलने लगी। कुछ ही देर में आसपास की करीब 30 दुकानें, रेहड़ियां और खोखे आग की चपेट में आ गए। आग इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। केमिकल नाले में बहने के कारण आग सिर्फ टैंकर और दुकानों तक सीमित नहीं रही। नाले में करीब दो किलोमीटर तक केमिकल पहुंच चुका था। जहां-जहां केमिकल फैला, वहां आग की लपटें दिखाई देने लगीं। इससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग के कारण नाले के आसपास का क्षेत्र भी प्रभावित हुआ।

हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं। टैंकर में किस प्रकार का केमिकल भरा था और आग लगने के बाद कितना नुकसान हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। घटना में करीब 30 दुकान-रेहड़ियां और खोखे जलने से स्थानीय दुकानदारों को नुकसान हुआ है। हादसे के कारण राजगढ़ मार्ग के आसपास भी कुछ समय के लिए स्थिति प्रभावित रही।

अमेरिका में फंसे पति की मदद का भरोसा देकर महिला से दुष्कर्म

भारतेन्दु संवाददाता, जिंद

हरियाणा के जींद जिले के सफीदों में महिला को उसके अमेरिका में फंसे पति को सुरक्षित वापस लाने का भरोसा देकर दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने पानीपत जिले के जोशी गांव निवासी अनुज के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति वर्ष 2023 में अमेरिका गया था।

वहां किसी परेशानी में फंसने के बाद परिवार के लोग उसे सुरक्षित वापस लाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उसके देवर ने उसकी मुलाकात अनुज से करवाई। आरोपित ने महिला को भरोसा दिलाया कि वह उसके पति को अमेरिका से सुरक्षित निकालने में मदद कर सकता है। शिकायत के अनुसार, छह अगस्त 2025 की रात करीब आठ बजे आरोपित महिला के घर आया। महिला का आरोप है कि उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इस दौरान आरोपित ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। घटना के बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे डराया गया।

महिला ने आरोप लगाया कि आरोपित उसके पति को अमेरिका में नुकसान पहुंचाने की धमकी भी देता रहा। इसके चलते वह काफी समय तक भय और दबाव में रही। आरोप है कि वीडियो के जरिए उसे लगातार ब्लैकमेल किया गया और बार-बार दुष्कर्म किया गया। काफी समय तक परेशान रहने के बाद महिला ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। शिकायत मिलने के बाद सदर थाना सफीदों पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी चंद्रपाल ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अंगदान का संकल्प बन सकता है किसी जरूरतमंद के जीवन की आस

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

सेवा संकल्प अभियान के तहत लोगों को अंगदान के लिए किया जागरूक।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को अंगदान और नेत्रदान के महत्व के बारे में जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में बताया गया कि अंगदान का निर्णय किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवन की नई उम्मीद बन सकता है। मृत्यु के बाद दान किए गए अंगों का निर्धारित चिकित्सकीय प्रक्रिया और नियमों के अनुसार जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किया जा सकता है।

सेमिनार में स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों ने लोगों को अंगदान से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज में अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक लोग इस मानवीय पहल से जुड़ सकें। कई बार जानकारी के अभाव में लोग अंगदान की प्रक्रिया और उससे जुड़े नियमों को लेकर असमंजस में रहते हैं। ऐसे में जागरूकता कार्यक्रम लोगों की शंकाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूर्व नेत्र अधिकारी डा. दिनेश शर्मा ने नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नेत्रदान से दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में बदलाव लाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने लोगों से नेत्रदान को लेकर समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का आह्वान किया। वहीं, सिविल सर्जन डा. कमला वर्मा ने कहा कि अंगदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए जरूरतमंद मरीजों को उपचार के लिए आवश्यक अंग उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में बताया गया कि चिकित्सकीय परिस्थितियों और निर्धारित नियमों के अनुसार हृदय, लीवर, किडनी, अग्न्याशय और त्वचा जैसे अंग जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। हालांकि, अंगदान की पूरी प्रक्रिया विशेषज्ञ चिकित्सकों और संबंधित नियमों के तहत ही पूरी की जाती है।

इसलिए लोगों को किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अधिकृत स्वास्थ्य संस्थानों और विशेषज्ञों से संपर्क करना चाहिए। सेमिनार में मौजूद लोगों को अंगदान और नेत्रदान के प्रति अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

सोलर सिस्टम से घटा बिजली खर्च, कैथल में 8,896 परिवार लाभान्वित

8,896 उपभोक्ताओं ने घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगवाकर योजना का लाभ उठाया

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जिले के लोगों के लिए बिजली खर्च कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने का माध्यम बन रही है। योजना के प्रति लोगों में लगातार रुचि बढ़ रही है। अब तक जिले में 8 हजार 896 उपभोक्ताओं ने अपने घरों की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित कर योजना का लाभ उठाया है। इनमें 1,765 अंत्योदय परिवार भी शामिल हैं। सोलर सिस्टम लगने के बाद इन परिवारों को बिजली खर्च में राहत मिलने लगी है। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ना है। इसके तहत पात्र परिवार अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कर बिजली का उत्पादन कर सकते हैं।

योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सोलर सिस्टम की क्षमता के अनुसार सब्सिडी का लाभ दिया जाता है। केंद्र के साथ हरियाणा सरकार भी योजना को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही है। इससे लोगों पर सोलर सिस्टम लगाने का आर्थिक बोझ कम होता है और वे आसानी से सौर ऊर्जा की ओर बढ़ सकते हैं। सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद घरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली का एक हिस्सा सौर ऊर्जा से पूरा हो जाता है। इससे उपभोक्ताओं की पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होती है और मासिक बिजली खर्च में भी कमी आती है।

जिन परिवारों की बिजली खपत सोलर सिस्टम से काफी हद तक पूरी हो जाती है, उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय अंतर देखने को मिल सकता है। योजना का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए यह लंबे समय में बिजली खर्च को नियंत्रित करने का विकल्प बन रहा है। कैथल में योजना का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं में 1,765 अंत्योदय परिवार भी शामिल हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बिजली खर्च में कमी घरेलू बजट को राहत दे सकती है। सोलर सिस्टम के माध्यम से ये परिवार बिजली की जरूरत का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे नियमित बिजली खर्च को कम करने में मदद मिलती है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलती है।

घरों की छतों पर सोलर पैनल लगने से बिजली उत्पादन के लिए स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ता है। इससे पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को भी गति मिलती है। कैथल में हजारों परिवारों के योजना से जुड़ने से जिले में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल का दायरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक उपभोक्ता योजना के आधिकारिक पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान उपभोक्ता को अपनी बिजली कनेक्शन संबंधी जानकारी और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत सोलर सिस्टम स्थापित कराया जाता है। सिस्टम लगने के बाद संबंधित प्रक्रिया पूरी होने पर पात्र लाभार्थी को निर्धारित सब्सिडी का लाभ मिलता है।

जिले में योजना के तहत अब तक 8,896 उपभोक्ताओं का लाभान्वित होना इस बात का संकेत है कि लोग सौर ऊर्जा को घरेलू बिजली जरूरतों के विकल्प के रूप में अपना रहे हैं। योजना के विस्तार से आने वाले समय में और अधिक परिवारों के सौर ऊर्जा से जुड़ने की संभावना है।

आने वाले समय में योजना के विस्तार के साथ जिले के अधिक परिवारों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। सौर ऊर्जा के बढ़ते इस्तेमाल से घरेलू बिजली जरूरतों को पूरा करने में उपभोक्ताओं को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। वहीं, सोलर सिस्टम स्थापित होने से बिजली की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। विभाग की ओर से लोगों को योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और सब्सिडी से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे इच्छुक उपभोक्ताओं को योजना से जुड़ने में सुविधा होगी और जिले में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को और प्रोत्साहन मिलेगा।

हरियाणा एसीबी ने 5 लाख रिश्वत लेते सीएम फ्लाइंग इंस्पेक्टर को रंगे हाथ किया गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला

हरियाणा स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) कुरुक्षेत्र की टीम ने रविवार को कार्रवाई करते हुए सीएम फ्लाइंग में तैनात इंस्पेक्टर राजेश कुमार को गिरफ्तार किया। आरोप है कि वह पांच लाख रुपये की रिश्वत ले रहा था। राजेश कुमार की तैनाती अंबाला में थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंस्पेक्टर पर माइनिंग से जुड़े वाहनों को बिना रोक-टोक निकालने के बदले रिश्वत लेने का आरोप है। बताया जा रहा है कि वाहनों से नियमित तौर पर एंट्री फीस के नाम पर रकम वसूली जाती थी। इसी सिलसिले में पांच लाख रुपये की रकम लिए जाने की सूचना एसीबी को मिली थी। शिकायत के आधार पर टीम ने कार्रवाई की और इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी की कार्रवाई के बाद विभाग में भी हड़कंप मच गया। टीम अब रिश्वत के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि माइनिंग वाहनों से कथित तौर पर कितने समय से रकम वसूली जा रही थी और इसमें किन-किन लोगों की संलिप्तता थी। जांच एजेंसी द्वारा गिरफ्तार इंस्पेक्टर से पूछताछ की जा रही है। उसके मोबाइल फोन, संपर्कों और अन्य संबंधित रिकॉर्ड की भी जांच किए जाने की संभावना है। एसीबी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रिश्वत की रकम किसके कहने पर ली जा रही थी और इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था। अधिकारियों के अनुसार, मामले में आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी। भ्रष्टाचार से जुड़े इस मामले में एसीबी की कार्रवाई के बाद अब माइनिंग वाहनों से संबंधित कथित वसूली की पूरी व्यवस्था की जांच पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

एसीबी की पूछताछ में अब रिश्वत के कथित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। टीम इंस्पेक्टर के मोबाइल फोन, कॉल रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों को खंगाल सकती है। अधिकारियों का प्रयास है कि माइनिंग वाहनों से एंट्री फीस के नाम पर कथित वसूली कब से चल रही थी और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे, इसका पता लगाया जा सके। साथ ही पांच लाख रुपये की रकम किसके निर्देश पर ली जा रही थी और इसका इस्तेमाल कहां किया जाना था, इसकी भी जांच होगी। एसीबी ने मामले में आगे की कार्रवाई के लिए जरूरी साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में सूर्यकिरण का शानदार प्रदर्शन, रक्षा राज्य मंत्री बोले- भारत अब शिव तांडव भी जानता है

एजेंसी ,नई दिल्ली मेरठ में भारतीय वायुसेना के सूर्यकिरण विमानों ने दूसरे दिन भी आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों को रोमांचित कर दिया। विमानों की तेज गर्जना और शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को लंबे समय तक याद रहने वाला अनुभव दिया। इस दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। एयर शो के बीच उन्होंने देश की बदलती तस्वीर और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती क्षमता पर बात की। उन्होंने कहा कि बुद्ध का देश भारत अब शिव तांडव भी जानता है। उनके इस बयान के जरिए उन्होंने भारत की सैन्य शक्ति और बदलते रक्षा सामर्थ्य का उल्लेख किया। रक्षा राज्य मंत्री ने नए भारत की बढ़ती सैन्य क्षमता, आत्मनिर्भरता और रक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। सूर्यकिरण विमानों के प्रदर्शन ने मेरठ में लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आसमान में विमानों की सटीक उड़ान और सामूहिक करतब देखकर दर्शकों ने उत्साह जताया।

2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई भुगतान पर विरोध, प्रयागराज में व्यापारियों ने हटाए क्यूआर स्कैनर

एजेंसी, नई दिल्ली प्रयागराज में 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने की चर्चा को लेकर व्यापारियों में नाराजगी बढ़ रही है। विरोध में शनिवार को सराफा मंडी समेत कई बाजारों में कारोबारियों ने क्यूआर स्कैनर हटाने शुरू कर दिए। कई दुकानदारों ने ग्राहकों से डिजिटल भुगतान के बजाय नकद लेन-देन करने की बात कही। व्यापारियों का कहना है कि अतिरिक्त शुल्क लगने से बड़े मूल्य के डिजिटल लेन-देन पर कारोबारियों का खर्च बढ़ेगा। उनका तर्क है कि यूपीआई भुगतान को बढ़ावा देने के बाद अब इस तरह का शुल्क व्यापारियों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन सकता है। सराफा बाजार में कई कारोबारियों द्वारा क्यूआर कोड हटाए जाने के बाद ग्राहकों को भुगतान के लिए नकद विकल्प अपनाने को कहा गया। इससे बाजार में डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है। व्यापारी संगठनों ने इस व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्ति जताई है और संबंधित स्तर पर समाधान की मांग की है।

रेवाड़ी के हाईवे पर मौत का सफर, 263 दिनों में 96 लोगों ने गंवाई जान

एजेंसी, नई दिल्ली रेवाड़ी जिले में इस वर्ष अब तक 263 दिनों में अलग-अलग सड़क हादसों में 96 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें करीब 90 प्रतिशत मौतें जिले की सीमा से गुजरने वाले तीन राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुए हादसों में हुई हैं। आंकड़ों ने हाईवे पर बढ़ते सड़क हादसों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, हाईवे पर सफर सुविधाजनक होने के साथ-साथ थोड़ी सी लापरवाही में जानलेवा भी साबित हो रहा है। हादसों के पीछे कई कारण सामने आए हैं, लेकिन तेज रफ्तार और चिन्हित ब्लैक स्पॉट प्रमुख वजहों में शामिल हैं। कई स्थानों पर वाहन चालकों द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, ब्लैक स्पॉट पर सड़क की स्थिति, मोड़, यातायात दबाव और अन्य कारण भी हादसों की संभावना बढ़ाते हैं। लगातार हो रही मौतों के बाद हाईवे पर यातायात नियमों के पालन, गति नियंत्रण और ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की जरूरत महसूस की जा रही है। स्थानीय स्तर पर सड़क सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम उठाना जरूरी है।

गाजियाबाद में जाम से मिलेगी राहत, 9.78 करोड़ से सेठ मुकुंदलाल-एमएमजी मार्ग होगा सिग्नल-फ्री

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद शहर के प्रमुख व्यस्त मार्गों में शामिल सेठ मुकुंदलाल चौराहे से ठाकुरद्वारा तिराहे होते हुए एमएमजी अस्पताल तक सड़क की सूरत जल्द बदलने वाली है। करीब 1.50 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण पर 9.78 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। योजना के तहत मार्ग को सिग्नल-फ्री बनाने के साथ यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे। इस मार्ग पर रोजाना बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। व्यस्त समय में यातायात का दबाव बढ़ने के कारण यहां जाम की स्थिति बनती रहती है।

ऐसे में सड़क के पुनर्विकास का उद्देश्य वाहनों की आवाजाही को सुचारु करना और लोगों को जाम से राहत दिलाना है। प्रस्तावित योजना के तहत सड़क को बेहतर तरीके से विकसित करने के साथ

यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मार्ग पर जरूरत के अनुसार यू-टर्न बनाए जाएंगे, जिससे वाहनों को निर्धारित स्थानों से सुरक्षित तरीके से दिशा बदलने की सुविधा मिल सके।

सिग्नल की संख्या कम होने से वाहनों के अनावश्यक रुकने का समय भी घटाने का प्रयास किया जाएगा। सेठ मुकुंदलाल चौराहे से एमएमजी अस्पताल तक का यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ता है। इस रास्ते पर अस्पताल समेत कई प्रमुख स्थान होने के कारण दिनभर यातायात का दबाव बना रहता है।

दिल्ली की सभी जिला अदालतों में आज वकीलों की हड़ताल, अदालती कामकाज रहेगा प्रभावित

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की सभी जिला अदालतों में सोमवार, 21 सितंबर को वकील एक दिन की हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान अधिवक्ता अदालती कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे और किसी भी जिला अदालत में न तो व्यक्तिगत रूप से पेश होंगे और न ही वर्चुअल माध्यम से सुनवाई में शामिल होंगे। हड़ताल के चलते जिला अदालतों में सामान्य कामकाज प्रभावित रहने की संभावना है। दिल्ली की सभी जिला अदालत बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति ने एक दिन की हड़ताल का फैसला लिया है।

समिति के निर्णय के अनुसार, 21 सितंबर को वकील अपनी विभिन्न मांगों और मुद्दों को लेकर न्यायालय परिसरों में प्रदर्शन करेंगे। हड़ताल के दौरान अधिवक्ताओं से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने की अपील की गई है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह 11:30 बजे सभी जिला अदालत परिसरों के बाहर वकीलों की ओर से शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। अधिवक्ता इस प्रदर्शन के जरिए अपनी मांगों को संबंधित अधिकारियों और प्रशासन तक पहुंचाएंगे। प्रदर्शन के दौरान वकील एकजुट होकर अपनी समस्याओं और मांगों को सामने रखेंगे। हड़ताल का सीधा असर अदालतों में होने वाली सुनवाई और अन्य न्यायिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। जिन मामलों में अधिवक्ताओं की मौजूदगी जरूरी होती है, उनमें कार्यवाही प्रभावित होने की संभावना है।

इसके अलावा वर्चुअल सुनवाई में भी वकीलों के शामिल नहीं होने से कई मामलों की सुनवाई आगे की तारीख पर जा सकती है। जिला अदालतों में रोजाना बड़ी संख्या में आपराधिक, दीवानी, पारिवारिक और अन्य मामलों की

सुनवाई होती है। ऐसे में एक दिन की हड़ताल के कारण अदालत परिसर में सामान्य दिनों की तुलना में गतिविधियां कम रहने की संभावना है। हालांकि, न्यायालय प्रशासन की ओर से मामलों की सुनवाई और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को लेकर अलग-अलग निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति ने अधिवक्ताओं से हड़ताल के दौरान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। अधिवक्ताओं का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर सामूहिक रूप से आवाज उठाना चाहते हैं और इसी उद्देश्य से एक दिन के कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया गया है। हड़ताल के कारण सोमवार को दिल्ली की जिला अदालतों में आने वाले वादकारियों और अन्य लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बर्लिन में बजेगा दिल्ली मेट्रो का डंका, इनोट्रांस 2026 में डीएमआईएल की पहली दस्तक

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेषज्ञता और तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने जा रही है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में आयोजित होने वाले इनोट्रांस 2026 के वैश्विक मंच पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की सहायक कंपनी दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड पहली बार अपनी मौजूदगी दर्ज कराएगी। इस आयोजन में दुनिया के विभिन्न देशों की रेलवे और शहरी परिवहन क्षेत्र से जुड़ी कंपनियां, विशेषज्ञ और प्रतिनिधि हिस्सा लेते हैं।

दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड की इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भागीदारी को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कंपनी का उद्देश्य दिल्ली मेट्रो के लंबे अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए अवसर तलाशना है। दिल्ली मेट्रो ने बड़े नेटवर्क के संचालन, रखरखाव,

परियोजना प्रबंधन और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के क्षेत्र में वर्षों का अनुभव हासिल किया है।

इनोट्रांस 2026 में दिल्ली मेट्रो इंटरनेशनल लिमिटेड अपनी सेवाओं, तकनीकी क्षमता और परियोजना प्रबंधन से जुड़े अनुभव को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने रखेगी। इस आयोजन में विभिन्न देशों के परिवहन विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। ऐसे में कंपनी को संभावित साझेदारों के साथ बातचीत और नए कारोबारी अवसर तलाशने का मौका मिलेगा।

फरीदाबाद में पिटबुल का आतंक, साइकिल सवार 12 वर्षीय बच्चे को बनाया शिकार

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के एनआईटी-3 इलाके में साइकिल चला रहे 12 साल के बच्चे पर पड़ोसी के पिटबुल कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया। हमले में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर पर कई जगह काटने के निशान आए हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार के अनुसार, बच्चा घर के पास साइकिल चला रहा था। इसी दौरान पड़ोसी का पिटबुल उस पर झपट पड़ा और उसे काटकर घायल कर दिया। परिवार का आरोप है कि कुत्ते के मालिक ने बच्चे को बचाने के लिए समय रहते कोई प्रभावी कोशिश नहीं की। परिजन घायल बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज कराया गया। घटना के बाद परिवार ने प्रशासन से मामले की जांच और कुत्ते के मालिक के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों में भी घटना को लेकर चिंता है और उन्होंने आवारा तथा पालतू कुत्तों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले नोएडा पुलिस में बड़ा फेरबदल, दो डीसीपी समेत कई अधिकारियों के तबादले

एजेंसी, नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले शासन ने पुलिस विभाग में तबादलों का सिलसिला शुरू कर दिया है। इसी क्रम में नोएडा पुलिस महकमे में शनिवार को बड़ा फेरबदल किया गया। नोएडा जोन के डीसीपी साद मियां खान और ग्रेटर नोएडा के डीसीपी रविशंकर निम समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। इनके स्थान पर नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। शासन की ओर से जारी तबादला आदेश के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा पुलिस की कमान में बदलाव हुआ है।

साद मियां खान नोएडा जोन में डीसीपी के पद पर तैनात थे, जबकि रविशंकर निम ग्रेटर नोएडा में डीसीपी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। दोनों अधिकारियों के तबादले के साथ ही कई अपर पुलिस उपायुक्त यानी एडीसीपी स्तर के अधिकारियों को भी इधर

चुनाव से पहले नोएडा पुलिस में बड़ा फेरबदल

से उधर किया गया है। तबादलों को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक व्यवस्था को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

हालांकि, शासन की ओर से प्रत्येक अधिकारी के तबादले के पीछे अलग-अलग कारणों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। नए अधिकारियों की तैनाती के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली में बदलाव देखने को मिल सकता है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहती है। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर हुए बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए अधिकारियों के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आगामी चुनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने की चुनौती होगी।

नोएडा से एक्सपो मार्ट तक कनेक्टिविटी होगी आसान, ट्रेड शो में 12 ई-सिटी बसें दौड़ेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में आने-जाने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने विशेष तैयारी की है। ट्रेड शो के दौरान यात्रियों को बेहतर और आसान सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए 25 ई-सिटी बसों का संचालन किया जाएगा। ये बसें 25 सितंबर से 29 सितंबर तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेंगी। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन को जोड़ने वाले तीन प्रमुख रूटों पर इन बसों का संचालन किया जाएगा।

सभी बसों की सेवा बोटेनिकल गार्डन से शुरू होगी और यात्रियों को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया इंटरनेशनल एक्सपो मार्ट तक पहुंचाया जाएगा। ट्रेड शो में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्राधिकरण ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को

सुचारु रखने के लिए यह फैसला लिया है। यात्रियों को बस के लिए अधिक समय तक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए ई-सिटी बसों का संचालन 20-20 मिनट के अंतराल पर किया जाएगा। यानी निर्धारित रूट पर यात्रियों को हर 20 मिनट में बस सेवा उपलब्ध होगी।

इससे ट्रेड शो में आने वाले लोगों को निजी वाहनों पर निर्भर रहने की जरूरत कम होगी और उन्हें एक्सपो मार्ट तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। ट्रेड शो का आयोजन 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया इंटरनेशनल एक्सपो मार्ट में किया जाएगा। आयोजन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में कारोबारी, प्रदर्शक, खरीदार और आम लोग पहुंचते हैं। ऐसे में कार्यक्रम के दौरान यातायात और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव रहने की संभावना है। नोएडा प्राधिकरण की ओर से तीन रूटों पर कुल 25 ई-सिटी बसें चलाने का निर्णय इसी व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

प्रयागराज में अधिवक्ता और चौकी प्रभारी में विवाद, हाईवे पर उतरे वकील

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज के गंगापार इलाके में शनिवार शाम अधिवक्ता और हनुमानगंज चौकी प्रभारी के बीच विवाद के बाद जमकर हंगामा हुआ। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में अधिवक्ता सड़क पर उतर आए और प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर जाम लगाकर धरना शुरू कर दिया। इससे हाईवे पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, एक अधिवक्ता सरायइनायत थाने में किसी मामले की पैरवी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी हनुमानगंज चौकी प्रभारी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। अधिवक्ता की ओर से आरोप लगाया गया कि चौकी प्रभारी ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इसके अलावा उन पर जातिसूचक टिप्पणी करने और देख लेने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। विवाद की जानकारी जैसे ही अन्य अधिवक्ताओं को मिली, बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर जाम लगा दिया और धरने पर बैठ गए। अचानक हुए प्रदर्शन से हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

मौके पर अफरातफरी की स्थिति बनी रही और यातायात को सुचारु कराने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया। डीसीपी ने हनुमानगंज चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर करने का आदेश दिया। पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई के बाद अधिवक्ताओं ने अपना धरना समाप्त कर दिया और हाईवे से जाम हटाया गया।

मेरठ-पौड़ी हाईवे पर कूड़ा-गोबर का अंबार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने चिन्हित किए 13 स्थान

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग (119, नया -34) के निर्माण पर 2135 करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन तैयार होने के बाद इसका करीब 35 किलोमीटर का पहला हिस्सा अब अव्यवस्था की चपेट में है। मेरठ और बहसूमा के बीच हाईवे के किनारे रहने वाले ग्रामीणों द्वारा सड़क पर या उसके आसपास कूड़ा, गोबर और गंदा पानी बहाए जाने से कई स्थानों पर हालात खराब हो गए हैं। जलभराव के कारण सड़क की सतह और संरचना को नुकसान पहुंचने का खतरा भी बढ़ गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए 13 ऐसे स्थानों को चिन्हित किया है, जहां कूड़ा डालने, गोबर जमा करने और गंदे पानी की निकासी की वजह से हाईवे प्रभावित हो रहा है।

कूड़ा-गोबर से 2135 करोड़ का हाईवे बदहाल

प्राधिकरण की ओर से संबंधित अधिकारियों से इन स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है, ताकि सड़क को और नुकसान से बचाया जा सके।

बताया जा रहा है कि हाईवे के आसपास कई जगहों पर घरों और अन्य स्थानों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क की ओर बह रहा है। पानी की उचित निकासी नहीं होने के कारण सड़क किनारे जलभराव की स्थिति बन जाती है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर कूड़ा और गोबर भी जमा किया जा रहा है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से सड़क की मजबूती प्रभावित हो सकती है और भविष्य में इसके रखरखाव पर अतिरिक्त खर्च बढ़ने की आशंका रहती है। मेरठ-बहसूमा के बीच बने इस राष्ट्रीय राजमार्ग का उद्देश्य क्षेत्र में यातायात को बेहतर बनाना और मेरठ से पौड़ी की ओर आवागमन को आसान करना है।

चुनाव से पहले भाजपा ने कसी संगठन की कमान, आगरा में बदले जिला प्रभारी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए जिला प्रभारियों में बड़ा बदलाव किया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी नई सूची में आगरा महानगर की जिम्मेदारी बृज बहादुर लोधी और आगरा जिले का प्रभार घनश्याम को सौंपा गया है। बृज क्षेत्र के अंतर्गत आगरा में की गई इन नियुक्तियों को संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। बृज बहादुर पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। वह वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष हैं और इससे पहले संगठन में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। इसके अलावा वह नमामि गंगे और किसान मोर्चा जैसे संगठनात्मक कार्यों से भी जुड़े रहे हैं। वहीं आगरा जिले के नए प्रभारी घनश्याम लोधी को भी संगठन का अनुभव है। वह

मथुरा महानगर भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं और ओबीसी आयोग के सदस्य के रूप में भी काम कर चुके हैं। पार्टी की नई व्यवस्था में उन्हें आगरा जिले की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने आगरा के अलावा बृज क्षेत्र के अन्य जिलों और महानगरों में भी प्रभारियों का बदलाव किया है। मथुरा महानगर में पवन शर्मा, मथुरा जिले में प्रमोद गुप्ता, फिरोजाबाद महानगर में विवेक सारस्वत और फिरोजाबाद जिले में गिरिराज कुशवाहा को जिम्मेदारी मिली है।

अलीगढ़ जिले में गौरव आर्य और अलीगढ़ महानगर में राकेश शंखवार को प्रभारी बनाया गया है। पार्टी ने हाथरस, मैनपुरी, कासगंज, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं और एटा समेत कई जिलों में भी नए प्रभारी नियुक्त किए हैं।

प्रदेश स्तर पर कुल 98 सांगठनिक जिलों और महानगरों के लिए नए प्रभारियों की घोषणा की गई है। आगरा में जिला और महानगर की नई जिम्मेदारियों के साथ पार्टी संगठन के स्थानीय स्तर पर समन्वय और गतिविधियों को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। चुनाव से पहले हुए इस संगठनात्मक फेरबदल के तहत नेताओं को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी देकर जिला स्तर पर पार्टी के कामकाज को व्यवस्थित करने की कोशिश की गई है।

बाहरी दिल्ली के अलीपुर में बड़ा हादसा टला, निर्माणाधीन इमारत का लिंटर गिरा

अलीपुर में भरभराकर गिरा निर्माणाधीन इमारत का लिंटर, बाल-बाल बचे मजदूर

एजेंसी, नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में रविवार सुबह एक निर्माणाधीन इमारत का लिंटर अचानक गिरने से इलाके में अफरातफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। शुरुआती जानकारी में मलबे के नीचे पांच से छह लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई थी, जिससे राहत एवं बचाव टीमों में तत्काल सक्रियता बढ़ गई। हालांकि, मौके पर जांच और बचाव अभियान के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि मलबे में कोई व्यक्ति नहीं फंसा है और हादसे में किसी की मौत भी नहीं हुई है। निर्माण कार्य में लगे सभी मजदूर सुरक्षित बताए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह करीब 11:03 बजे अलीपुर थाना पुलिस को निर्माणाधीन इमारत का एक हिस्सा गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही अलीपुर थाने का पुलिस स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। किसी के मलबे में दबे होने की आशंका को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मौके पर चार एंबुलेंस, एक दमकल वाहन और डिजास्टर मैनेजमेंट की एक गाड़ी भेजी गई। बचाव टीमों ने घटनास्थल पर मलबे की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि उसके नीचे कोई मजदूर या अन्य व्यक्ति मौजूद न हो। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने पुष्टि की कि सभी मजदूर सुरक्षित हैं। प्रत्यक्ष तौर पर निर्माणाधीन इमारत के लिंटर का हिस्सा गिरने से मलबा जमा हो गया था। अचानक हुए इस हादसे के कारण आसपास मौजूद लोगों में भी कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया।

सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल के आसपास जुट गए, जबकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए राहत कार्य में जुटी टीमों को आवश्यक सहयोग दिया। शुरुआती सूचना में पांच से छह लोगों के मलबे में दबे होने की बात सामने आने के कारण बचाव दल ने पूरी सावधानी के साथ अभियान चलाया। हालांकि, मौके पर पहुंचकर की गई जांच में ऐसी कोई स्थिति नहीं मिली। पुलिस ने साफ

अलीपुर में हादसा, बाल-बाल बचे मजदूर

किया कि हादसे में कोई व्यक्ति मलबे के नीचे फंसा नहीं था और किसी के घायल या मृत होने की सूचना भी नहीं है। फिलहाल, हादसे के बाद घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। निर्माणाधीन इमारत के जिस हिस्से का लिंटर गिरा, वहां मलबे को हटाने और स्थिति को सुरक्षित बनाने के लिए संबंधित टीमें काम करती रहीं। प्रशासन और बचाव दल की तत्परता के चलते संभावित बड़े हादसे की आशंका को समय रहते जांच लिया गया।

अलीपुर में हुए इस हादसे ने निर्माणाधीन इमारतों में सुरक्षा मानकों और सावधानी की आवश्यकता को एक बार फिर सामने ला दिया है।

हालांकि इस घटना में किसी मजदूर की जान नहीं गई और सभी मजदूर सुरक्षित रहे, लेकिन शुरुआती सूचना के बाद मलबे में लोगों के दबे होने की आशंका ने मौके पर मौजूद लोगों और अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी थी। राहत एवं बचाव टीमों की जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हुई और किसी जनहानि की पुष्टि नहीं हुई। अलीपुर हादसे में राहत की बात यह रही कि सभी मजदूर सुरक्षित मिले। पुलिस और बचाव टीमों की तत्परता से स्थिति जल्द नियंत्रण में आ गई। घटना के बाद पुलिस ने पूरे इलाके का निरीक्षण किया और मलबे की जांच कराई। राहत टीमों ने पुष्टि की कि कोई मजदूर अंदर नहीं फंसा था। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

न्यूज ब्रीफ

सीटू की बैठक में श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सीटू जिला कमेटी की बैठक उपाध्यक्ष गुरदास वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला सचिव राजेश शर्मा ने श्रमिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए। उन्होंने चारों लेबर कोड वापस लेने और सभी श्रमिकों के लिए 42 हजार रुपए प्रतिमाह वैधानिक न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने मनरेगा को बहाल और मजबूत करने के साथ प्रतिवर्ष 200 दिन के रोजगार की गारंटी तथा 700 रुपए प्रतिदिन न्यूनतम मजदूरी देने की मांग की। राजेश शर्मा ने बिजली निजीकरण विधायक-2025 और स्मार्ट मीटर योजना वापस लेने तथा जबरन मीटर लगाने पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने सभी योजना कर्मियों को ग्रेच्युटी और पेंशन सुविधा देने की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि सीटू से जुड़ी यूनियनें एक और दो दिसंबर को प्रस्तावित 'दिल्ली चलो' अभियान में मंडी जिला से 500 मजदूरों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगी। बैठक में सुरेश सरवाल, गोपेंद्र, सुरेंद्र, प्रवीण, विमला, अंजुला, गोदावरी, संतोष, अहिल्या, ललिता, शकुंतला, तिलक राज, व्यास और पवना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

घर के अंदर घुसा तेंदुआ, बाहर अटकी रहीं परिवार की सांसें, 36 घंटे बाद वन विभाग ने किया रेस्क्यू

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। संगड़ाह क्षेत्र में एक मामला सामने आया है, जहां एक घर के कमरे में तेंदुआ बंद हो गया और बाहर पूरा परिवार उसकी हर आहट से सहमा हुआ रहा । सिरमौर के संगड़ाह क्षेत्र के चूईनाधार गांव में करीब 36 घंटे कुछ ऐसा ही माहौल रहा। दरअसल, कुत्ते का शिकार करने घर में घुसा तेंदुआ खुद ही कमरे में फंस गया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम उसे सुरक्षित रेस्क्यू कर सकी। जानकारी के अनुसार भलाड़-भलौना पंचायत के चूईनाधार गांव में सेवानिवृत्त शिक्षक मीना राम के घर में तेंदुआ घुस गया। बताया जा रहा है कि वह घर की पहली मंजिल पर बने कमरे में कुत्ते का शिकार करने पहुंचा था। इसी दौरान तेंदुए और कुत्ते के बीच झड़प हुई और कमरे का दरवाजा बंद हो गया। इस बीच तेंदुआ अंदर फंस गया। जब परिवार को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने दरवाजा अच्छी तरह बंद कर दिया। इसके बाद परिवार के सामने घर में घुसे तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकालने की चुनौती थी। किसी अनहोनी की आशंका के चलते परिवार के लोग कमरे के आसपास जाने से बचते रहे। लिहाजा, घटना की सूचना वन विभाग को सूचना दी गई। घर में तेंदुआ होने की खबर फैलते ही गांव में भी लोगों की आवाजाही और उत्सुकता बढ़ गई। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी संगड़ाह सत्य प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम शुक्रवार सुबह मौके पर पहुंची। तेंदुए को सुरक्षित काबू में लेने के लिए ट्रेंकुलाइजर और शार्प शूटर की व्यवस्था की गई। इन्हें बाहर से बुलाए जाने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन को पूरा करने में करीब 36 घंटे का समय लग गया। शनिवार देर शाम आखिरकार वन विभाग की टीम तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू करने में सफल रही। इसके बाद उसे साथ लगते जंगल में उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। तेंदुए के घर से बाहर निकलने और जंगल में पहुंचने के बाद परिवार ने राहत की सांस ली।

माजरा में 2 किलो 350 ग्राम भुक्की बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। पुलिस थाना माजरा के अंतर्गत नाहन की एसआईयू टीम ने नशा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से 2 किलो 350 ग्राम भुक्की/पॉपी हस्क बरामद कर गिरफ्तार किया है। नाहन पुलिस जब शनिवार को बेहडेवाला नजदीक चौधरी ढाबा पर गश्त के दौरान मौजूद थी तो गुप्त सूचना मिली कि सुखवीर पुत्र बलजीत सिंह निवासी तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर जो ट्रक चलाने का काम करता है और अपना ट्रक नंबर ॥क्र17त्र-7255 चलाता है। वह बाहरी राज्यों से भुक्की लाकर पांवटा व आसपास के इलाके में बेचने का काम करता है। आज भी वह अपने ट्रक में हरियाणा की तरफ से भुक्की की भारी खेप लेकर पांवटा साहिब की तरफ आ रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रक को रोककर पूछताछ व तलाशी ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सुखवीर पुत्र बलजीत सिंह बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 2 किलो 350 ग्राम भुक्की/पॉपी हस्क बरामद हुई।आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध पुलिस थाना माजरा में एन डी पी एस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत कर आगामी अन्वेषण जारी है।

साइकिल चलाकर दिया फिट इंडिया का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। फिट इंडिया अभियान के तहत रविवार को धर्मशाला में 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साई हॉस्टल से सुबह करीब साढ़े सात बजे शुरू हुए कार्यक्रम में विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों और साई हॉस्टल के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साइकिल चलाकर प्रतिभागियों ने लोगों को फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। धर्मशाला एनसीओई के सहायक निदेशक जेपी साहनी ने बताया कि फिट इंडिया अभियान वर्ष 2019 से संचालित किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक रविवार को अलग-अलग विषयों पर 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस बार पत्रकारों और मीडिया कर्मियों को अभियान से जोड़ते हुए साइकिल रैली का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में पत्रकारों को फिट इंडिया अभियान से जोड़ने का उद्देश्य फिटनेस, स्वास्थ्य और सक्रिय जीवनशैली के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारों की भागीदारी उत्साहजनक रही।

सिम बंद होने के बाद बैंक खाते से निकले 11 लाख, 33 यूपीआई लेनदेन से रकम हुई ट्रांसफर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिला के चिड़गांव थाना क्षेत्र में मोबाइल सिम अचानक बंद होने के बाद बैंक खाते से 11 लाख रुपये से अधिक की रकम कथित तौर पर अनधिकृत रूप से ट्रांसफर होने का मामला सामने आया है। चिचवाड़ी गांव निवासी 65 वर्षीय दारा सिंह बांशा ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के अनुसार, पांच सितंबर को उनका मोबाइल सिम अचानक काम करना बंद हो गया। इसके बाद मोबाइल पर न तो कॉल आ रही थी और न ही संदेश प्राप्त हो रहे थे। इसी दौरान पांच से 18 सितंबर के बीच उनके यूको बैंक खाते से 33 अनधिकृत यूपीआई लेनदेन के माध्यम से कुल 11,04,799.61 रुपये ट्रांसफर किए गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने इनमें से कोई लेनदेन नहीं किया और न ही किसी अन्य व्यक्ति को इसकी अनुमति दी थी। दारा सिंह ने पुलिस को सभी 33 लेनदेन का विवरण उपलब्ध करवाया है। इसमें तारीख, ट्रांजेक्शन आईडी, यूटीआर नंबर और रकम की जानकारी शामिल है। उन्होंने सिम स्वैप या सिम क्लोनिंग की आशंका जताई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस रकम किन खातों में ट्रांसफर हुई, इसकी भी पड़ताल कर रही है।

घुमारवीं में शिक्षा, खेल व आधारभूत ढांचे का हो रहा विस्तार : राजेश धर्माणी

घुमारवीं में 35 करोड़ से बनेगा स्विमिंग पूल सहित इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। नगर व ग्राम नियोजन, आवास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, खेल और आधारभूत ढांचे के विस्तार को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

विद्यार्थियों और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ आधुनिक खेल सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। वह पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घुमारवीं में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रतियोगिता में जिले के 47 विद्यालयों के करीब 521 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। धर्माणी ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों को सीबीएसई से जोड़ने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। जनवरी 2026 में 30 अतिरिक्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को सीबीएसई से संबद्ध करने की स्वीकृति दी गई। धर्माणी ने बताया कि पीएम श्री विद्यालय घुमारवीं के भवन निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के माध्यम से करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए उपलब्ध करवाए गए हैं। इससे रुका निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। उन्होंने बताया कि मोर सिंघी में बालिकाओं के लिए हैंडबॉल छात्रावास अधिसूचित किया गया है और आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति भी की जा चुकी है। घुमारवीं में 100 सीट क्षमता वाले खेल छात्रावास की अधिसूचना भी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि घुमारवीं में न्यायालय के समीप करीब 35 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल सहित इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए करीब 15 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है।

खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लें विद्यार्थी

मंत्री ने शिक्षकों और खेल प्रशिक्षकों से विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानकर उसे निखारने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भाग लेकर विद्यालय, जिला और प्रदेश का नाम रोशन करने की अपील की। समारोह में प्रधानाचार्य दिनेश डोगरा, एपीएमसी अध्यक्ष सतपाल, उपनिदेशक उच्च शिक्षा नरेश चंदेल, उपनिदेशक गुणवत्ता शिक्षा निशा गुप्ता सहित अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विकास योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें अधिकारी : मलेंद्र

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। उपमंडल स्तरीय योजना, विकास व 20-सूत्रीय कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक 21 सितंबर को प्रात: 11 बजे राजकीय डिग्री कॉलेज इंदौरा के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन करेंगे। बैठक में उपमंडल स्तर पर विभिन्न विकासात्मक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ 20-सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। विभागवार योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों तथा उनके क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की भी समीक्षा की जाएगी। विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि विकास कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा का उद्देश्य केवल आंकड़ों की समीक्षा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की योजनाओं और विकास परियोजनाओं का वास्तविक लाभ आम जनता तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को पूरा करने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ऐसे में प्रत्येक विभाग की जिम्मेदारी है कि वह अपने विभाग से संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करे तथा जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करे। मलेंद्र राजन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बैठक में अपने-अपने विभागों से संबंधित विकास कार्यों की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट, कार्यसूची के बिंदुओं तथा की गई कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) के साथ उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि किसी स्तर पर कोई समस्या या अड़चन सामने आ रही है तो उसे बैठक में रखा जाए, ताकि संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर उसका समाधान किया जा सके।

शिलाई में 19 करोड़ रुपए से बन रहा 100 बिस्तरों वाला नागरिक अस्पताल

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उद्योग, संसदीय मामले एवं श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने रविवार को शिलाई विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान उत्तरी गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

उद्योग मंत्री ने क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य उपकेंद्र की बधाई देते हुए कहा कि इसके शुरू होने से आसपास की पंचायतों के लोगों को घर-द्वार के समीप स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर ढांचागत सुविधाओं और आवश्यक स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने बताया कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र में 1.25 करोड़ रुपए की लागत से पीएचसी कमरऊ, 1.37 करोड़ रुपए की लागत से पीएचसी सतौन, 55 लाख रुपए की लागत से पीएचसी चांदनी और 56 लाख रुपए की लागत से पीएचसी कोटा पाब के भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन भवनों में चिकित्सकों के रहने की व्यवस्था भी की जा रही है। हाल ही में 1.27 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कांटी मशवा का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया गया है। चौहान ने कहा कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे का व्यापक विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जिससे ग्रामीण लोगों को अपने आसपास ही उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि शिलाई में 19 करोड़ रुपए की लागत से 100 बिस्तरों वाले आधुनिक नागरिक अस्पताल भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

छेरना में ग्रामीणों को दिए बैंकिंग और बीमा योजनाओं के टिप्स

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक शाखा बरोट की ओर से छोटाभंगाल घाटी के छेरना गांव में नाबार्ड के सहयोग से वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता शाखा प्रबंधक अमन शर्मा ने की। शिविर में करीब 50 महिला और पुरुषों ने भाग लिया। शाखा प्रबंधक अमन शर्मा ने उपस्थित लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा बैंक की 'सपनों का संचय योजना' सहित विभिन्न बैंकिंग और बचत योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीमा और बचत योजनाओं का लाभ उठाकर लोग अपने परिवार के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं। इस दौरान ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करने के साथ उनकी बैंकिंग संबंधी आशंकाओं और सवालों का भी समाधान किया गया।

वैदी में 15 लाख से बने बास्केटबॉल कोर्ट का विधायक पवन काजल ने किया उद्घाटन

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक पवन काजल ने रविवार को वैदी गांव में करीब 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खेल सुविधाओं के विस्तार से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने में भी मदद मिलेगी।

विधायक ने अपनी निधि से वैदी गांव में करीब तीन लाख रुपये की लागत से निर्मित पंचायत घर, दो लाख रुपये से शिव मंदिर परिसर में करवाए गए टाइल कार्य और 70 हजार रुपये की लागत से तैयार बैडमिंटन कोर्ट का भी उद्घाटन किया। उन्होंने युवाओं से नशे और मोबाइल फोन से दूरी बनाकर पढ़ाई और खेल गतिविधियों में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव में उपयुक्त स्थान उपलब्ध होने पर विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय भी बनवाया जाएगा।

काजल ने बताया कि वैदी गांव में करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से नई पेयजल योजना के तहत जल भंडारण टैंक तैयार हो चुका है। इससे वैदी सहित आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध होगा। ग्रामीणों की सुविधा के लिए 15 बिजली चालित हैंडपंप भी लगाए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने प्रदेश सरकार की गारंटियों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण कांग्रेस नेताओं से बेरोजगारों को सरकारी नौकरी, महिलाओं को 1500 रुपये मासिक और 300 यूनिट मुफ्त बिजली की गारंटियों को लेकर सवाल करें। इस अवसर पर काजल ने युवाओं को बास्केटबॉल, बैडमिंटन और कबड्डी की खेल किट भी वितरित की। पंचायत प्रधान अभय सिंह और उपप्रधान रचन सिंह ने पंचायत घर तथा खेल मैदानों की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए विधायक का आभार जताया।

प्रदेश में 26 परीक्षा केंद्रों पर होगी डीएलएड परीक्षा, नकल हुई तो रद्द होगा परीक्षा केंद्र

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने अक्तूबर-नवंबर 2026 में होने वाली डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) परीक्षाओं की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

प्रदेशभर के 26 सरकारी और निजी संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। बोर्ड ने परीक्षाओं को लेकर अपना सख्त रुख साफ कर दिया है। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि किसी भी परीक्षा केंद्र पर सामूहिक नकल या नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया, तो उस केंद्र की मान्यता बिना किसी पूर्व सूचना के तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी जाएगी। परीक्षाओं को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सीसीटीवी को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों को कैमरों की रिकॉर्डिंग कम से कम छह महीने तक सुरक्षित रखनी होगी। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत या अनियमितता की भनक लगने पर बोर्ड तुरंत संबंधित केंद्र से सीसीटीवी फुटेज तलब कर सकता है। यदि कोई केंद्र रिकॉर्डिंग उपलब्ध करवाने में विफल रहता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा का पारदर्शी संचालन बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि निरीक्षण के दौरान अनुचित साधनों (यूएमसी) के प्रयोग, सामूहिक नकल या परीक्षा स्टाफ द्वारा परीक्षार्थियों की मदद करने का कोई भी मामला सामने आता है, तो केवल छात्रों पर ही नहीं, बल्कि संबंधित केंद्र और वहां तैनात स्टाफ पर भी गाज गिरेगी।

अगली परीक्षाओं के लिए 'परफॉर्मेंस' ही होगा पैमाना

अधिसूचना में एक अहम नियम यह भी जोड़ा गया है कि किसी संस्थान का इस बार परीक्षा केंद्र बनना आगामी परीक्षाओं के लिए गारंटी नहीं होगा। अगली बार केंद्र बनाया जाएगा या नहीं, यह पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करेगा कि मौजूदा परीक्षा कितनी गुणवत्ता और अनुशासन के साथ संपन्न कराई गई। बोर्ड की औपचारिकताओं और नियमों पर खरा उतरने वाले केंद्रों को ही भविष्य में यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

शौर्य चक्र विजेता शहीद बलदेव चंद का स्मारक लोकार्पित, शेड के लिए तीन लाख देने की घोषणा

भारतेन्दु संवाददाता, झंडूता। ग्राम पंचायत गंगलोह में रविवार को जम्मू-कश्मीर में देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले लांस दफादार शहीद बलदेव चंद (मरणोपरांत शौर्य चक्र) की प्रथम पुण्यतिथि पर शहीद स्मारक का लोकार्पण किया गया।

राजकीय प्राथमिक पाठशाला गंगलोह में स्थापित स्मारक का अनावरण झंडूता विधायक जीतराम कटवाल ने बतौर मुख्य अतिथि किया। कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता कैप्टन संजय कुमार और कर्नल जसवंत सिंह चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। विधायक ने स्मारक स्थल पर शेड निर्माण के लिए विधायक निधि से तीन लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि लांस दफादार बलदेव चंद ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की। उनके शौर्य के लिए केंद्र सरकार ने उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शहीद की प्रथम पुण्यतिथि स्मारक लोकार्पण के साथ उनके सर्वोच्च बलिदान और परिवार के त्याग को नमन करने का अवसर है। एक सैनिक की शहादत के पीछे परिवार के प्रत्येक सदस्य का त्याग जुड़ा होता है। विधायक ने कहा कि हिमाचल की वीरभूमि की परंपरा को आगे बढ़ाने में शहीद बलदेव चंद जैसे वीरों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। परमवीर चक्र विजेता कैप्टन संजय कुमार की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

नाबालिग की मौत पर 20.85 लाख मुआवजा देने के आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल, सुंदरनगर ने सड़क हादसे में नाबालिग बच्ची की मौत के मामले में उसके माता-पिता को 20,84,888 रुपए मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। ट्रिब्यूनल ने मुआवजा राशि पर 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के भी निर्देश दिए हैं। मामला 11 मई 2023 को तारोट स्थित पेट्रोल पंप के पास हुए सड़क हादसे से जुड़ा है। मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर ट्रिब्यूनल ने वाहन चालक की लापरवाही को हादसे का कारण माना। मुआवजा राशि निर्धारित करते समय 13,062 रुपये मासिक न्यूनतम मजदूरी, भविष्य की संभावनाओं के लिए 40 प्रतिशत वृद्धि और 18 के गुणक को आधार बनाया गया। वाहन का बीमा हादसे के समय वैध पाए जाने के बाद ट्रिब्यूनल ने जूनो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को निर्धारित मुआवजा राशि जमा करने के निर्देश दिए। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता ललित ठाकुर ने पैरवी की।

संभावना प्रदेश में 55 सड़कें अब भी बंद, मानसून सीजन में 329 लोगों की मौत

हिमाचल में 25-26 सितंबर को बारिश के आसार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून विदाई की ओर बढ़ रहा है। राज्य में अगले चार दिन मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 21 से 24 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी बारिश की संभावना नहीं है। इसके बाद 25 और 26 सितंबर को मौसम में बदलाव आएगा और मैदानी तथा मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। इन दो दिनों के दौरान भारी बारिश को लेकर कोई चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

रविवार को भी प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में धूप खिली रही। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में कहीं से भी बारिश की रिपोर्ट नहीं है। इस बीच, पिछले दिनों हुई बारिश के कारण प्रदेश में 55 सड़कें अभी भी बंद हैं। इनमें मंडी जिले में सबसे ज्यादा 28, कांगड़ा में 10 और कुल्लू में नौ सड़कें शामिल हैं। कुल्लू जिले के आनी उपमंडल में एक बिजली ट्रांसफार्मर भी बंद है। प्रदेश में इस समय कोई भी पेयजल परियोजना बंद नहीं है।

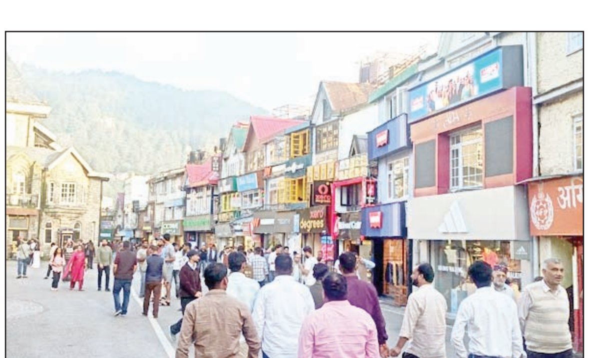

बारिश कम, फिर भी नुकसान का आंकड़ा बड़ा

प्रदेश में इस बार मानसून के दौरान बारिश सामान्य से कम रही है, लेकिन बारिश से जुड़ी घटनाओं में जान-माल का नुकसान बड़ा रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक जून से अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 329 लोगों की मौत हुई है और 567 लोग घायल हुए हैं। चार लोग अभी भी लापता हैं। मृतकों में 196 की जान सड़क हादसों में गई है, जबकि 133 लोगों की मौत भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, डूबने, बहने, फिसलने और अन्य बारिश से जुड़ी घटनाओं में हुई है। मानसून के दौरान प्रदेश में 139 घर, 17 दुकानें और 492 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हुई हैं। 521 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। सड़कों और पुलों को हुए नुकसान से लोक निर्माण विभाग को अकेले 2744 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

◆ सितंबर के आखिरी सप्ताह में विदा हो सकता है मानसून

इस मानसून सीजन में हिमाचल प्रदेश में अब तक सामान्य से 10 फीसदी कम बारिश हुई है।

इसके विपरीत पिछले वर्ष मानसून के दौरान सामान्य से 42 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई थी। इस वर्ष कम बारिश का असर भूमिगत जल के पुनर्भरण, खेती और आने वाले सर्दियों के मौसम में पेयजल उपलब्धता पर पड़ सकता है। प्रदेश में मानसून आमतौर पर सितंबर के आखिरी सप्ताह में विदा होता है। राज्य में मानसून के दौरान कुल नुकसान का आंकड़ा 3217 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिन राहत के रहने के बाद 25 और 26 सितंबर को मैदानी और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश का दौर फिर शुरू हो सकता है, हालांकि इस दौरान भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं है।

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत भाजपा ने लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा की जिला इकाई की ओर से आयोजित शिविर का शुभारंभ नयनादेवी विधायक रणधीर शर्मा और सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान युवाओं के साथ पार्टी पदाधिकारियों ने भी रक्तदान किया। शिविर में भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णलाल चंदेल, सदर मंडल अध्यक्ष हंसराज ठाकुर, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी स्वदेश ठाकुर, जिला कार्यालय सचिव देवेश चंदेल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी और महासचिव विनोद ठाकुर सहित 50 से अधिक कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। विधायकों ने कहा कि रक्तदान महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा है और जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवनरक्षक साबित हो सकता है।

उन्होंने स्वस्थ नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। भाजयुमो जिला इकाई की ओर से आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों को शीघ्र रक्त उपलब्ध करवाने के लिए रक्तदाताओं की विशेष डायरेक्टरी तैयार की जा रही है। पार्टी के अनुसार इसमें इच्छुक रक्तदाताओं की जानकारी दर्ज की जाएगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनसे संपर्क किया जा सके। देशभर में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर सेवा गतिविधियों के तहत रक्तदान शिविर आयोजित किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

गंगाराम राजी के उपन्यास 'जीवट' का विमोचन

भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। हिमाचल के प्रमुख उपन्यासकार गंगाराम राजी के नवीनतम उपन्यास 'जीवट' का विमोचन शिक्षा, भाषा एवं संस्कृति सचिव राकेश कंवर ने महाराजा लक्ष्मण सेन मेमोरियल कॉलेज सभागार में किया। इस अवसर पर 'नशे को ना, किताबों को हां' अभियान का भी शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रेखा वशिष्ठ ने की, जबकि तकनीकी शिक्षा निदेशक रोहित राठौर विशिष्ट अतिथि रहे। राकेश कंवर ने कहा कि किताबों की दुनिया धर्म, जाति और देश की सीमाओं से परे है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर साहित्य पढ़ने और जीवन की चुनौतियों का हिम्मत से सामना करने का आह्वान किया। कवि-कथाकार मुरारी शर्मा ने 'जीवट' को मानवीय आत्मबल की कथा बताया। डा. विजय विशाल ने कहा कि यह कृति जीवन जीने की प्रेरणा देती है। गंगाराम राजी ने कहा कि उपन्यास युवाओं को कठिन परिस्थितियों में साहस के साथ आगे बढ़ने का संदेश देता है।

एचआरटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने लंबित वित्तीय देयों के भुगतान की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल पथ परिवहन निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से लंबे समय से लंबित वित्तीय देयों, एरियर और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों का जल्द भुगतान करने की मांग की है। इस संबंध में कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि सेवाकाल में पूरी निष्ठा से सेवाएं देने के बावजूद सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले कई वित्तीय लाभ लंबित हैं, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने पेंशन, अवकाश नकदीकरण, कम्यूटेशन राशि और वर्ष 2016 के एरियर सहित अन्य लंबित देयों का जल्द भुगतान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को 50 हजार रुपए की एरियर राशि जारी की जा चुकी है, जबकि एचआरटीसी कर्मचारी इससे वंचित हैं। उन्होंने निगम कर्मचारियों को भी यह राशि देने का आग्रह किया। कर्मचारियों ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए 220 करोड़ रुपए उपलब्ध करवाने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने मासिक पेंशन समय पर जारी करने की मांग भी की।

60 ग्राम चिट्टे के साथ कांगड़ा का युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, स्वारघाट। बिलासपुर पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कैंचीमोड़ में एक युवक को करीब 60 ग्राम चिट्टे (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान ओम प्रकाश पुत्र पुरुषोतम लाल, निवासी वार्ड नंबर दो अंद्रार, डाकघर टंगखाना, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार टीम 18 सितंबर को कैंचीमोड़ में गश्त और नाकाबंदी पर तैनात थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर युवक की तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से करीब 60 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी मादक पदार्थ की खेप बिलासपुर क्षेत्र में बेचने के लिए लाया था। पुलिस थाना स्वारघाट में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। पुलिस सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है।

चंबा में जुटेंगे इलैक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक, 22 सितंबर से होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। विश्व प्रसिद्ध हर्बल आधारित चिकित्सा पद्धति - इलैक्ट्रोहोम्योपैथी पर चंबा में 22-27 सितंबर तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। जिसमें देशभर से करीब 150 से अधिक चिकित्सक शामिल होंगे जो इस चिकित्सा पद्धति की बारीकियों और विशेषताओं से रूबरू होंगे। हिमाचल प्रदेश इलैक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक एसोसिएशन (हेडा) के राज्य संयोजक सुरेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में पिछले तीन दशकों से लगातार चिकित्सा पद्धति में विकास एवं शोध कार्य चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि रबिसन इंडिया इलैक्ट्रोहोम्यो फार्मा के माध्यम से भारत में लोगों को गुणवत्तापूर्ण औषधि उपलब्ध कराई जा रही है जिससे देश के विभिन्न राज्यों में कार्यरत स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीज़ों को लाभ मिल रहा है। इस चिकित्सा पद्धति में हर प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है जिससे देश में दिनोंदिन ख्याति बढ़ती जा रही है। राज्य संयोजक ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति इन दिनों देशभर में भ्रमण करके गहन जांच कर रही है ताकि जल्द ही केंद्र सरकार की मंजूरी प्राप्त की जाए। बहरहाल एसोसिएशन और रबिसन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

खैर के पांच पेड़ों पर चली आरी, 37 मोच्छे बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। वन परिक्षेत्र भद्रोया के अंतर्गत खैर के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से खैर की लकड़ी के 37 मोच्छे बरामद कर कब्जे में लिए हैं। वन परिक्षेत्र अधिकारी भद्रोया अब्दुल हमीद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने भद्रोया क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान खैर के पेड़ों के कटे हुए अवशेष मिले और लकड़ी बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में खैर के पांच पेड़ काटे जाने की पुष्टि हुई है। इनमें चार पेड़ रामगोपाल मंदिर की भूमि तथा एक पेड़ वन विभाग की भूमि से काटे जाने की बात सामने आई है। विभाग के अनुसार तस्कर लकड़ी को जंगल में छोड़कर गए थे और उसे बाद में निकालने की तैयारी में थे। वन विभाग ने लकड़ी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि मामले में शामिल लोगों की पहचान के प्रयास जारी हैं और जल्द कार्रवाई की जाएगी।

उत्कृष्ट शिक्षा व बेहतर प्रबंधन का सम्मान, एनएससीबीएम कॉलेज हमीरपुर ने हासिल की दो बड़ी उपलब्धियां

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर ने उच्च शिक्षा विभाग की टियर वाइज इंटरनल रैंकिंग में प्रदेशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अकादमिक सत्र 2025-26 की रैंकिंग में महाविद्यालय ने टियर-1 श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रदेश के 142 राजकीय महाविद्यालयों ने इसमें भाग लिया था। हमीरपुर कॉलेज ने 1100 में से 1034.5 अंक प्राप्त किए। महाविद्यालय के पुस्तकालय ने भी सरकारी डिग्री एवं संस्कृत कॉलेजों की लाइब्रेरी ग्रेडिंग में लेवल-4 में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। पुस्तकालय को संसाधनों, डिजिटल सुविधाओं, संचालन दक्षता, उपयोगकर्ता संतुष्टि और आधारभूत ढांचे के लिए सराहा गया। पूर्व प्राचार्य डा. सतीश सोनी के कार्यकाल में किए गए अकादमिक एवं प्रशासनिक सुधारों को इन उपलब्धियों की आधारशिला बताया गया। वर्तमान प्राचार्य डा. संगीता सिंह ने इसे प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और नवाचार के लिए प्रयास जारी रखने की बात कही।

पंजाब विश्वविद्यालय सीनेट चुनावः हमीरपुर में 350 में से 100 मतदाताओं ने किया मतदान

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पंजाब विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव-2026 के लिए शनिवार को हमीरपुर में भी मतदान हुआ। करीब चार साल बाद हो रहे चुनाव के लिए हमीरपुर को भी मतदान केंद्र बनाया गया था। यहां स्नातक और संबद्ध कला महाविद्यालय कोटे के मतदाताओं ने मतदान किया। हमीरपुर केंद्र पर करीब 350 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से लगभग 100 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पंजाब विश्वविद्यालय की 91 सदस्यीय सीनेट की 49 सीटों के लिए चुनाव हो रहा है। पिछली सीनेट का कार्यकाल अक्टूबर 2024 में समाप्त हुआ था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संबद्ध कला महाविद्यालयों के प्रमुखों, संकाय सदस्यों और पंजीकृत स्नातकों के लिए 20 सितंबर को मतदान हुआ। इस चरण के मतों की गिनती 23 सितंबर से शुरू होगी। अंतिम चरण का मतदान चंडीगढ़ परिसर में होगा और परिणाम उसी दिन घोषित किया जाएगा। नई सीनेट का गठन सितंबर के अंत तक होने की संभावना है।

प्रदेश को कैबिनेट नहीं, मित्रमंडल चला रहा : जयराम

कहा- 'सुक्खू' भाजपा के गुट गिनते रहे, कांग्रेस के गुट उनकी ही कुर्सी खिसकाते रहे

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुजानपुर में पंचायतीराज संस्थाओं के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनभावना के अनुरूप नहीं, बल्कि मनमर्जी से सरकार चला रहे हैं। वे कैबिनेट सहयोगियों के बजाय केवल अपने मित्रों से चर्चा कर फैसले लेते हैं, प्रदेश को मंत्रिमंडल नहीं मित्रमंडल चला रहा है। जयराम ने कहा कि सुक्खू पूरा दिन भाजपा के गुट गिनते रहे और कांग्रेस के गुट दिल्ली में जुटकर उनकी कुर्सी खिसकाने में लगे रहे। भाजपा ने 11 में से 10 जिला परिषदों और तीनों नगर निगमों में जीत दर्ज की है, करीब 80 प्रतिशत जनप्रतिनिधि भाजपा विचारधारा के चुनकर आए हैं। जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई पंचायतीराज संस्थाएं हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने न केवल इन चुनावों को टालने की कोशिश की बल्कि जीतकर आए प्रतिनिधियों का अपमान भी किया। हमने चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार मंत्री और मुख्यमंत्री एक-दूसरे की शिकायत लेकर दिल्ली के चक्कर काट रहे हैं। मंत्री दिल्ली की दौड़ लगाते हैं और भनक लगते ही मुख्यमंत्री भी रात-बिरात कुर्सी बचाने भाग जाते हैं। विकास के लिए तो समझ आता, यहां तो सरकार बचाने का खेल चल रहा है। कांग्रेस हाईकमान ने हार का कारण पूछा तो सीएम ने मंत्रियों पर दोष मढ़ दिया, जबकि मंत्रियों ने फीडबैक में सीएम की कार्यशैली को जिम्मेदार बताया।

जयराम ने कहा कि सरकार भले कांग्रेस की है, जनता आज भी भाजपा की योजनाओं को याद करती है क्योंकि इस सरकार ने कोई नई योजना बनाई ही नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकाल के ढाई हजार से अधिक संस्थान बंद कर दिए। भाजपा ने पांच हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया और पहली कैबिनेट में पेंशन आयु 80 से घटाकर 60 साल की। पारदर्शी शासन दिया, जबकि सुक्खू सरकार भ्रष्ट अधिकारियों को सेवा विस्तार दे रही है।

मुख्यमंत्री की कोई उपलब्धि नहीं, केवल अटैची वाले बनकर रह गए : आशीष

हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा का कहना था कि मौजूदा मुख्यमंत्री की कोई उपलब्धि नहीं है। नए-नए बने थे, तो हम सभी ने भी उनका साथ दिया था, लेकिन उसके बाद जो हुआ वह सबके सामने है। अब केवल अटैची वाले मुख्यमंत्री बन कर रह गए हैं। लोकतंत्र का गला घुटने का काम इसी हमीरपुर जिला के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद शुरू हो गया था। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र राणा, विधायक आशीष शर्मा, पूर्व विधायक कमलेश धीमान, विजय अग्निहोत्री, डॉ. अनिल धीमान, विनोद कुमार और अभिषेक राणा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुकदमों से नहीं टूटेगा भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल : जयराम

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। घुमारवीं में एफआईआर को लेकर उपजा विवाद अब और गहराता जा रहा है। मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चल रहे क्रमिक धरने और अनशन के बीच पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर सीधा और तीखा हमला बोला है।

उन्होंने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर दोहरे मापदंड अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है। जयराम ने कहा कि राजनीतिक विरोधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं से जुड़े मामलों में पुलिस का रवैया पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। सत्ता पक्ष के दबाव में पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय केवल विपक्ष को निशाना बना रही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि झूठे मुकदमे दर्ज करने या सरकारी तंत्र के दबाव से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल कभी नहीं टूटेगा। भाजपा जनहित और कार्यकर्ताओं के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी। घुमारवीं में प्राथमिकी विवाद को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं का क्रमिक धरना और अनशन पिछले कई दिनों से लगातार जारी है। कार्यकर्ता पुलिस कार्रवाई में कथित भेदभाव और एकतरफा कार्रवाई का विरोध करते हुए न्याय की मांग कर रहे हैं। धरना स्थल पर जुटे पार्टी नेताओं का कहना है कि जब तक प्रशासन अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित नहीं करता, तब तक यह आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। जयराम ठाकुर के इस बयान के बाद प्रदेश का राजनीतिक पारा और चढ़ गया है तथा विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को पूरी तरह घेरने की तैयारी में है।

प्रताप स्कूल में इंडोर ऑल-वेदर स्विमिंग पूल का निर्माण शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रताप वर्ल्ड स्कूल, इंदौरा चनौर में विद्यार्थियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है।

विद्यालय परिसर में इंडोर ऑल-वेदर स्विमिंग पूल के निर्माण कार्य का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन भारत भूषण ने किया। इस सुविधा के तैयार होने के बाद विद्यार्थियों को मौसम की परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना वर्षभर तैराकी प्रशिक्षण और अभ्यास का अवसर मिलेगा। इंडोर स्विमिंग पूल के निर्माण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित और आधुनिक वातावरण में तैराकी का प्रशिक्षण उपलब्ध करवाना है। इसके चलते गर्मी, बारिश और सर्दी सहित विभिन्न मौसमों में भी विद्यार्थी नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार स्विमिंग पूल को विद्यार्थियों की सुरक्षा, सुविधा और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन भारत भूषण ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेल एवं शारीरिक गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंडोर ऑल-वेदर स्विमिंग पूल विद्यार्थियों को तैराकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करेगा। इससे विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को निखारने में भी मदद मिलेगी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि स्विमिंग पूल के माध्यम से विद्यार्थियों में शारीरिक फिटनेस के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और खेल भावना विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। तैराकी में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को खेलों में बेहतर मंच उपलब्ध करवाना संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस अवसर पर प्रधानाचार्या रेनू परमार, एमडी डा. रिचा महाजन, निदेशक डा. विशाल महाजन सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। विद्यालय में नई खेल सुविधा के निर्माण की शुरुआत से विद्यार्थियों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल है। प्रबंधन ने कहा कि विद्यालय में आधुनिक शैक्षणिक और खेल सुविधाओं का विस्तार आगे भी जारी रहेगा।

विरासत संस्था ने सीएम सुक्खू को भेंट किए अर्की के हस्तनिर्मित उत्पाद

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राज्य स्तरीय सायर उत्सव के दौरान विरासत संस्था की अध्यक्ष मयूराक्षी सिंह के नेतृत्व में संस्था के सदस्यों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात की।

इस दौरान संस्था की ओर से अर्की क्षेत्र में तैयार किए गए विभिन्न हस्तनिर्मित उत्पाद मुख्यमंत्री को भेंट किए गए। साथ ही संस्था द्वारा स्थानीय कला, हस्तशिल्प और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मांगल के भलग गांव निवासी युवा कलाकार शुभम चौहान द्वारा तैयार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का पोर्ट्रेट भी उन्हें भेंट किया गया। शुभम चौहान कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के माध्यम से पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री को पोर्ट्रेट भेंट करने के दौरान संस्था के सदस्यों ने अर्की की पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत करवाया। विरासत संस्था का उद्देश्य क्षेत्र की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प का संरक्षण करने के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। संस्था की अध्यक्ष मयूराक्षी सिंह ने कहा कि स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को प्रोत्साहित करना संस्था की प्राथमिकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रंजना कालिया, भारती राणा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। संस्था पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात को सम्मान का अवसर बताते हुए कहा कि अर्की की कला, हस्तशिल्प और प्रतिभाओं को पहचान दिलाने के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

जल स्रोतों को कचरा मुक्त रखने को जागरूकता अभियान शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल के जल स्रोतों को स्वच्छ व सुरक्षित रखने तथा जलीय जीवन के संरक्षण के लिए मत्स्य विभाग बिलासपुर और रेनबो स्टार क्लब ने संयुक्त अभियान शुरू किया। विश्व स्वच्छता दिवस के अवसर पर 'स्वच्छ जल स्रोत-सुरक्षित जलीय जीवन' अभियान के तहत गोविंद सागर झील लुहणु के समीप 'मेरा जलस्रोत-मेरी जिम्मेदारी' कार्यक्रम आयोजित कर सफाई की गई। एडीएफ पंकज ठाकुर और रेनबो स्टार क्लब के संस्थापक अध्यक्ष इशान अख्तर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों के आसपास कचरा फेंकने की प्रवृत्ति रोकना और स्थानीय लोगों को संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। अभियान के तहत तालाबों, झीलों, नदियों, नालों, जलाशयों और मत्स्य क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर मत्स्य अधिकारी अजय ठाकुर सहित क्लब पदाधिकारी मौजूद रहे।

डुमैहर स्कूल बास्केटबाल में जिला उपविजेता पांच खिलाड़ियों का राज्य स्तर के लिए चयन

भारतेन्दु संवाददाता, डुमैहर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुमैहर के विद्यार्थियों ने 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की जिला स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में बास्केटबाल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (छात्र) कुनिहार में 17 से 19 सितंबर तक आयोजित प्रतियोगिता में डुमैहर की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में टीम ने सेंट मैरी स्कूल कसौली को कड़ी टक्कर दी और उपविजेता रही। प्रतियोगिता के समापन समारोह में संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा हिमाचल प्रदेश डा. जगदीश चंद नेगी मुख्यातिथि रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय के डीपीई राज कुमार पाल ने बताया कि डुमैहर विद्यालय के चार खिलाड़ियों का बास्केटबाल और एक खिलाड़ी का हैंडबाल में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। चयनित पांचों खिलाड़ी 16 से 19 अक्टूबर तक चंबा में आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जिला सोलन का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार, समस्त स्टाफ, विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रधान हेमराज एवं सदस्यों तथा ग्रामवासियों ने टीम के डीपीई राज कुमार पाल, पीईटी नागेश शर्मा और सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

घुमारवीं में 48 वर्षीय व्यक्ति ने फंदा लगाकर दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। उपमंडल घुमारवीं के गुग्गा मोहड़ा गांव में 48 वर्षीय व्यक्ति ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान प्रीतम सिंह पुत्र स्वर्गीय गंगा राम, निवासी गुग्गा मोहड़ा, डाकघर कपाहड़ा के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी तृप्ता देवी ने पुलिस थाना घुमारवीं में घटना की सूचना दी। सूचना के अनुसार प्रीतम सिंह ने घर के एक कमरे में खुद को बंद कर फंदा लगा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक विशेषज्ञों को भी बुलाया गया, जिन्होंने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों की जांच जारी है।

गुरु आज्ञा से जीवन को मिलती है सही दिशा : स्वामी

◆ मटौर में सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं ने किया ध्यान साधना

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से मटौर में श्री बीपी शर्मा के निवास स्थान पर साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया।

इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक ज्ञान, भजन-कीर्तन और ध्यान साधना का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा अश्विनी ने प्रभु महिमा के भावपूर्ण भजनों से किया। इसके बाद दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी मनप्रीत ने सत्संग प्रवचन में गुरु भक्ति और गुरु आज्ञा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु मनुष्य को जीवन के वास्तविक उद्देश्य से परिचित करवाकर सही दिशा प्रदान करते हैं। आध्यात्मिक मार्ग पर चलने वाले साधक के लिए गुरु की आज्ञा का पालन अत्यंत आवश्यक है।

गुरु आज्ञा केवल शब्दों का पालन नहीं, बल्कि अहंकार और व्यक्तिगत इच्छाओं को गुरु चरणों में समर्पित करने की साधना है। स्वामी मनप्रीत ने चंद्रगुप्त और आचार्य चाणक्य का उदाहरण देते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज भौतिक उपलब्धियों के बावजूद मनुष्य मानसिक तनाव, अशांति और असंतोष से जूझ रहा है। ऐसे में अध्यात्म भीतर की स्थिरता और शांति प्रदान कर सकता है। गुरु द्वारा प्रदान किया गया ब्रह्मज्ञान साधक को उसके वास्तविक स्वरूप का बोध करवाकर जीवन को सार्थक बनाने की दिशा देता है। सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं ने ध्यान साधना की तथा विश्व शांति, मानव कल्याण और समस्त समाज के मंगल के लिए सामूहिक प्रार्थना की। कार्यक्रम के समापन पर श्री बीपी शर्मा की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

विस्तार ई-बसों से 24 दिन में एचआरटीसी को 19.32 लाख की हुई बचत

मंडी में 25 इलेक्ट्रिक बसों से बदली परिवहन की तस्वीर

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार की पहल के परिणाम अब नजर आने लगे हैं। मंडी जिले में 25 नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को आधुनिक, शांत और आरामदायक सफर की सुविधा मिल रही है। वहीं, इन बसों के संचालन से पर्यावरण संरक्षण के साथ हिमाचल पथ परिवहन निगम की परिचालन लागत में भी कमी आई है। निगम ने अगले पांच वर्षों में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने वर्चुअल माध्यम से मंडी जिले को 25 ई-बसों की सौगात दी थी। इनमें मंडी-शिमला, मंडी-पालमपुर, मंडी-शिमला-तुलाह और मंडी-चंडीगढ़ जैसे लंबी दूरी के रूट शामिल हैं। इसके अलावा मंडी-सुंदरनगर, मंडी-बटाहर, मंडी-तांदी, मंडी-पाली, मंडी-रोपा, मंडी-रिवालसर-नैनादेवी, मंडी-कोट, मंडी-कोटली, मंडी-माहन और मंडी-दुर्गापुर सहित कई स्थानीय रूटों पर भी ई-बसें चल रही हैं। यात्रियों ने इलेक्ट्रिक बसों के सफर को आरामदायक व सुविधाजनक बताया है।

मंडी से शिमला की यात्रा करने वाले इंद्र ठाकुर ने कहा कि बस में सफर शांत और आरामदायक रहा। वंशिका जंवाल ने मंडी-दुर्गापुर रूट पर सफर को सुखद बताया। जसवंत कुमार ने मंडी से तुलाह तक यात्रा के दौरान बस में शोर नहीं होने को खासियत बताया। कोटली निवासी किरण राणा ने भी सरकार की इस सुविधा की सराहना की।

निगम के मंडलीय प्रबंधक उत्तम सिंह के अनुसार 17 अगस्त से 10 सितंबर तक मंडी डिपो की 15 इलेक्ट्रिक बसों ने 60,060 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान चार्जिंग पर 7,95,795 रुपये खर्च हुए। इतनी ही दूरी डीजल बसों से तय करने पर 19,30,055 रुपये का ईंधन खर्च आता। इस तरह मंडी इकाई को 11,34,260 रुपए की बचत हुई।

सुंदरनगर डिपो में भी 7.98 लाख की बचत

सुंदरनगर डिपो की 10 इलेक्ट्रिक बसों ने इस अवधि में 35,044 किलोमीटर की दूरी तय की। चार्जिंग पर 2,10,037 रुपए खर्च हुए, जबकि इतनी दूरी के लिए डीजल बसों पर 10,07,732 रुपए खर्च होते। इससे सुंदरनगर इकाई को 7,97,695 रुपए की बचत हुई। दोनों इकाइयों को मिलाकर कुल बचत 19,31,955 रुपए रही। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए मंडी बस स्टैंड, मंडी कार्यशाला और सुंदरनगर बस स्टैंड में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। जंजैहली में भी चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावित है। निगम प्रबंधन के अनुसार इलेक्ट्रिक बसों का विस्तार पर्यावरण संरक्षण के साथ जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और सार्वजनिक परिवहन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अर्की का तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सायर मेला संपन्न, सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने बांधा समां

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की का तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सायर मेला शनिवार को अंतिम सांस्कृतिक संध्या के साथ विधिवत सम्पन्न हो गया। मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकार केके भारद्वाज, अर्जुन गोपाल व रंजना रघुवंशी की जोड़ी, हिमाचली लोकगायक कपिल शर्मा और पंजाबी गायक रियाज खान ने प्रस्तुतियों से चौगान मैदान में खूब रंग जमाया।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक संजय अवस्थी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सांस्कृतिक संध्या का आगाज केके भारद्वाज की प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने लोकप्रिय गीत 'दगाबाज रे' प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके बाद अर्जुन गोपाल और रंजना रघुवंशी की जोड़ी ने 'नाटी का चश्का बुरा', 'ओ बांठुड़ी बेलुए', 'के बाटा जांदे सीटी मारदे', 'रेलमा रंग बरसे', 'मेरे रश्के कंवर तेरी पहली नजर' और 'चमके गुलाबी शरारा' सहित कई गीत प्रस्तुत किए। हिमाचली लोकगायक कपिल शर्मा ने 'चुड़ी देवा शिरगुला', 'डंडी रामा मनमोड़ा', 'हीरा लाड़िए', 'तुनकी की नाटी' और 'जवाना सिंगिया' जैसे पहाड़ी गीतों से हिमाचली लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। उनकी 'महफिल नाटी' और 'मुंजरा नाटी' पर दर्शक जमकर झूमे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पंजाबी गायक रियाज खान ने मंच संभाला। उन्होंने 'टप्पे', 'दबदा नी', 'अल्लाह-अल्लाह बोल', 'मां दी दुआ', 'मसला रोटी दा' और 'छल्ला' सहित कई पंजाबी गीत प्रस्तुत कर माहौल को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा शर्मा, उपाध्यक्ष वीना ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष अनुज गुप्ता, पार्षद रंजना कालिया व देवेंद्र कुमार, एसडीएम निशांत तोमर, डीएसपी दाड़लाघाट नवीन झालटा और तहसीलदार विपिन वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। तीन दिवसीय मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ खेल प्रतियोगिताएं और अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गईं। अंतिम सांस्कृतिक संध्या के साथ मेले का समापन हुआ।

खूबसूरत टेबल टेनिस खिलाड़ी

स्लोवाकिया। अन्ना करोलिना श्मीडलोवा स्लोवाकिया की प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 13 सितंबर 1994 को कोसिसे में हुआ। उन्होंने सात वर्ष की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया। 2015 में उन्होंने दो डब्ल्यूटीए खिताब जीते।

एशियन गेम्स : भारतीय महिला क्रिकेट टीम फाइनल में पहुंची

बांग्लादेश को 114 रन से हराया; शेफाली का शतक, श्रीलंका से होगा फाइनल

एजेंसी, निंगबो

भारत ने एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई। 22 सितंबर को फाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के लगाए।

शेफाली ने हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी की। भारत 200 से अधिक रन बनाने की स्थिति में दिख रहा था, लेकिन पारी के अंतिम चरण में विकेट गिरने से उसकी रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई। 18वें ओवर में हरमनप्रीत को बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने राबिया खान की गेंद पर स्टंप किया जिसके बाद ऋचा घोष भी दो रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गईं। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा और नंदनी शर्मा ने 3-3 विकेट लिए, जबकि श्री चरणी ने 2 विकेट झटके।

भारत ने बांग्लादेश को शुरुआत से ही दबाव में रखा और 81 रन पर पारी समेट दी।

स्मृति मंधाना बनीं विमेंस टी20 की टॉप स्कोरर

दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों शेफाली और स्मृति ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए पहले विकेट के लिए 72 रन जोड़े। शेफाली और स्मृति ने बांग्लादेशी गेंदबाजों पर लगातार प्रहार किए, और रन गति बनाए रखी। बांग्लादेशी गेंदबाजों के पास उनके आक्रामक तेवर का कोई जवाब नहीं था। हालांकि पावरप्ले की अंतिम गेंद पर यह साझेदारी टूट गई। नाहिदा अख्तर की गेंद पर स्मृति ने स्लॉग स्वीप खेलने की कोशिश में शोभना मोस्तरी को कैच थमा दिया। मंधाना 19 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुईं। इस पारी के दौरान मंधाना विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज भी बन गईं। उनके नाम अब 4,788 रन हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,758 रन) को पीछे छोड़ा।

हॉकी में भारत ने इंडोनेशिया को 13-1 से दी करारी मात

एजेंसी, काकामिगाहारा

स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह ने चार गोल करके अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई, जिससे मौजूदा चैंपियन भारत ने रविवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के पूल ए के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया को 13-1 से हरा दिया। दिलप्रीत (18वें, 19वें, 37वें और 49वें मिनट) ने चार फील्ड गोल किए, जबकि शिलानंद लाकड़ा (6वें और 35वें मिनट) और सुखजीत सिंह (38वें और 48वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे। गोल करने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अभिषेक (12वें मिनट), राजिंदर सिंह (19वें मिनट), मनदीप सिंह (21वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (28वें मिनट) और गुजरास सिंह (47वें मिनट) शामिल थे। इंडोनेशिया की तरफ से एकमात्र गोल औलिया अल अर्दृथ ने 33वें मिनट में किया। भारत मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ अपना अगला मैच खेलेगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा था कि भारतीय टीमें एशियाई खेलों में अपनी पारंपरिक नीली पोशाक पहनेंगी, लेकिन पुरुष और महिला दोनों टीमों ने केसरिया रंग की पोशाक ही पहनी, जिसे उन्होंने हाल ही में नीदरलैंड और बेल्जियम में हुए विश्व कप के दौरान पहली बार पहना था।

स्पोर्ट्स विंडो

भारत दौरे के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, हेटमायर की वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने भारत दौरे के लिए वनडे और 20टी टीम घोषित कर दी है। युवा ओपनर कामिल पूरन को पहली बार ज्ज20टी टीम में जगह मिली है। उन्होंने सीपीएल 2026 में 8 पारियों में 273 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 159.64 रहा। शिमरोन हेटमायर की भी ज्ज20टी टीम में वापसी हुई है। वे सीपीएल 2026 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें 3 मैचों की वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से 18 अक्टूबर तक 3 वनडे और 5 ज्ज20टी खेले जाएंगे। मुकाबले 8 शहरों में होंगे। कामिल पूरन सीपीएल 2026 में सेंट लूसिया किंग्स के लिए खेले। उन्होंने 8 पारियों में 273 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 159.64 रहा। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने उनके चयन को युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की योजना का हिस्सा बताया है। टीम 2028 ज्ज20 वर्ल्ड कप के लिए अभी से नए खिलाड़ियों को तैयार करना चाहती है

एशियाई गेम्स: टेबल टेनिस में भारत ने जीत से की अभियान की शुरुआत

एजेंसी, टोयोटा। भारत की पुरुष और महिला टीम ने रविवार को यहां आइची-नागोया एशियाई खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत अपने-अपने ग्रुप एफ मुकाबले में इंडोनेशिया पर 3-0 की समान जीत के साथ की। महिला टीम के लिए श्रीजा अकुला, दीया चितले और यशस्विनी घोरपड़े ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। श्रीजा ने पहले मैच में नी महारानी को 3-1 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। श्रीजा ने पहला गेम जीतने के बाद दूसरा गेम 8-11 से गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए अगले दोनों गेम 11-4, 11-4 से जीत लिए। दीया चितले ने इसके बाद अल्माइरा नेबुचदनेज्जर को 3-0 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। दीया ने 11-9, 11-8, 11-5 से जीत दर्ज की और भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। यशस्विनी घोरपड़े ने तीसरे मैच में चित्रा रस्मी को 3-0 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यशस्विनी ने 12-10, 11-4, 11-4 से जीत दर्ज की। पुरुष टीम ने भी 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। हालांकि दूसरे मुकाबले में उसे कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। जी साथियान ने मुहम्मद नेगारा को 11-8, 11-7, 11-9 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई।

भारत के एमएमए खिलाड़ी वरुण सान्याल एशियन गेम्स से डिसक्वालिफाई

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत के एमएमए खिलाड़ी वरुण सान्याल का अभियान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से खत्म हो गया। पुरुषों की पारंपरिक 77 किग्रा श्रेणी के क्वार्टर फाइनल से पहले वजन कम करने की कोशिश के दौरान सान्याल सॉना में बेहोश हो गए। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें प्रतियोगिता के लिए मेडिकल तौर पर अनफिट घोषित कर दिया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, वजन कम करने के दौरान सान्याल ने खाने और पानी का सेवन काफी कम किया था। इसके बाद सॉना में उन्हें चक्कर आया और वह बेहोश हो गए। मेडिकल जांच में डिहाइड्रेशन और मांसपेशियों में ऐंठन की बात सामने आई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मुकाबले के लिए फिट नहीं माना। क अधिकारी के अनुसार, वरुण अब खतरे से बाहर हैं और उनकी स्थिति में सुधार है।

आईसीसी : भारत को पछाड़कर टी 20 रैंकिंग में नंबर-1 बना इंग्लैंड

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड ने 55 दिन बाद भारत से 20टी की नंबर-1 रैंकिंग फिर छीन ली। इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में श्रीलंका को तीसरे 20टी में 8 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की। श्रीलंका के 124 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 9.4 ओवर में 2 विकेट पर 126 रन बनाकर जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने 62 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल किया। यह 120+ रन के लक्ष्य का सबसे तेज 20टी चेज है। इंग्लैंड ने 11 जुलाई को भारत को 4-0 से हराकर 20टी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। भारत ने 26 जुलाई को जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाकर यह स्थान वापस ले लिया था। अब 19 सितंबर को इंग्लैंड ने श्रीलंका को 3-0 से हराकर 55 दिन बाद नंबर-1 स्थान फिर हासिल कर लिया।

बटलर ने तोड़ा रिजवान का रिकॉर्ड

इसके बाद बटलर और हैरी ब्रुक ने दूसरे विकेट के लिए 38 गेंदों पर 85 रन की साझेदारी की। दोनों ने पावरप्ले में ही इंग्लैंड का स्कोर 82 रन तक पहुंचा दिया। ब्रुक 33 रन बनाकर रन आउट हुए। बटलर ने 32 गेंदों पर नाबाद 62 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 193.75 रहा। बटलर ने छक्का लगाकर इंग्लैंड को जीत दिलाई। यह 20टी में बटलर की 32वीं 50+ रन की पारी थी। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने ज्ज20टी में 31 बार 50+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में बाबर आजम 42 बार के साथ पहले, विराट कोहली 39 बार के साथ दूसरे और रोहित शर्मा 37 बार के साथ तीसरे नंबर पर हैं। बटलर अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं।

काकामिगाहारा में खेले गए पहले मुकाबले में भारत की धमाकेदार जीत

एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

एजेंसी, काकामिगाहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स-2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। काकामिगाहारा में खेले गए पूल बी के अपने पहले मुकाबले में भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त दी।

भारत की इस बड़ी जीत की सबसे बड़ी स्टार दीपिका रहीं, जिन्होंने अकेले आठ गोल दागकर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इशिका ने हैट्रिक पूरी की। भारत की ओर से कुल आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। इस मुकाबले के दौरान अनुभवी गोलकीपर सविता ने भी एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की और भारत की ओर से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ियों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मुकाबले में भारतीय महिला टीम को शुरुआती बढ़त के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। सातवें मिनट में लालरेमसियामी ने फील्ड गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तुरंत बाद आठवें मिनट में दीपिका ने गोल करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 11वें मिनट में इशिका ने भारत के लिए तीसरा गोल दागा। 12वें मिनट में बलजीत कौर ने गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। यह बलजीत कौर का भारत के लिए 50वां सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति जारी रखी। 18वें मिनट में नेहा ने गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। इसके बाद भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने इस मौके को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

23वें मिनट में नवनीत कौर ने भी गोल दाग दिया। इसके दो मिनट बाद यानी 25वें मिनट में दीपिका ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। हाफ टाइम तक भारत ने 8-0 की विशाल बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत का स्कोर 16-0 हो चुका था। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में भी आक्रामक रवैया बनाए रखा और उज्बेकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त दी। भारतीय महिला हॉकी टीम अब अपने अगले पूल बी मुकाबले में इंडोनेशिया का सामना करेगी।

एशियन गेम्स के पहले दिन भारत को दो सिल्वर मेडल

एजेंसी, काकामिगाहारा

भारत ने 20वें एशियन गेम्स के पहले दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए हैं। दोनों मेडल 10 मीटर राइफल शूटिंग में आए। रविवार को एलावेनिल वलारिवन ने इंडिविजुअल्स इवेंट में 252.4 अंक के साथ रजत जीता। वे 0.6 अंक से गोल्ड मेडल चूक गईं। जापान की हिनाता ताइची ने 253.0 अंक लेकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस टीम इवेंट में भारत 1898.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इस टीम में एलावेनिल, सोनम मस्कर और विदारसा विनोद शामिल रहीं। वहीं, सुचिका तरियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की ट्रेडिशनल कैटेगरी (-60 केजी) के सेमीफाइनल में पहुंचकर मेडल पक्का किया। उन्होंने मंगोलिया की अल्तनचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया।

चीन 11 गोल्ड के साथ नंबर-1, भारत 10वें स्थान पर

भारत दो रजत पदकों के साथ मेडल टैली में नौवें स्थान पर है। चीन 11 गोल्ड सहित कुल 20 मेडल के साथ नंबर-1 पर है और मेजबान जापान 6 गोल्ड समेत कुल 19 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। तीन गोल्ड सहित 13 मेडल के साथ दक्षिण कोरिया तीसरे स्थान पर है।

इस हफ्ते 150 से ज्यादा कंपनियां होंगी एक्स-डिविडेंड

एजेंसी, नई दिल्ली। 21 से 25 सितंबर के बीच शेयर बाजार में 150 से अधिक कंपनियां डिविडेंड भुगतान और स्टॉक स्प्लिट जैसे बड़े कॉरपोरेट एक्शन के लिए एक्स-डेट पर कारोबार करेंगी। महाराष्ट्र स्कूटर्स, बजाज होल्डिंग्स, बीईएमएल, गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जीएमडीसी) और इंजीनियर्स इंडिया समेत कई प्रमुख कंपनियां शेयरधारकों को लाभ देने वाली कंपनियों में शामिल हैं। इन कॉरपोरेट लाभों का फायदा उठाने के लिए निवेशकों को संबंधित रिकॉर्ड डेट तक अपने डीमैट खाते में शेयर रखना जरूरी होगा। सोमवार, 21 सितंबर को करीब 55 कंपनियां एक्स-डिविडेंड होंगी। इनमें महाराष्ट्र स्कूटर्स प्रति शेयर 160 रुपये का डिविडेंड देगी। बजाज होल्डिंग्स 65 रुपये, सदर्न गैस 60 रुपये, मोंटे कार्लो फैशन्स 20 रुपये और डिक्सन टेक्नोलॉजीज 10 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देंगी। डिफेंस क्षेत्र की सार्वजनिक कंपनी भारत डायनामिक्स 0.40 रुपये और कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) एक रुपये प्रति शेयर डिविडेंड के साथ एक्स-डिविडेंड होगी। निवेशकों के लिए संबंधित कंपनियों की रिकॉर्ड डेट और एक्स-डेट पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इन्हीं तारीखों के आधार पर डिविडेंड और अन्य कॉरपोरेट लाभों की पात्रता तय होती है।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर बवाल

मिमिक्री विवाद के बाद राहुल के बचाव में उतरी कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखा सियासी संग्राम छिड़ गया है। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री और टिप्पणियों को लेकर भाजपा के हमलों के बाद अब पूरी कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के बचाव में उतर आई है। कांग्रेस ने न सिर्फ मिमिक्री विवाद पर भाजपा के रवैये को अलोकतांत्रिक बताया, बल्कि यह भी आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने मिलकर देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था को खोखला कर दिया है।

हरीश रावत ने बताया राजनीति का सहज हिस्सा

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए भाजपा की असहिष्णुता पर सवाल उठाए। रावत ने कहा- राजनीति में जब आप किसी पद पर होते हैं, तो ऐसी चीजों को स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार करना पड़ता है। भाजपा का यह रवैया- जहां वे ऐसा बर्ताव करते हैं कि मानो उन पर एक मक्खी भी नहीं बैठनी चाहिए बिल्कुल लोकतांत्रिक नहीं है। लोकतंत्र में यह समझना बेहद जरूरी है कि ऐसी बातें इस खेल का एक सहज हिस्सा हैं।

जयराम रमेश ने भाजपा-आरएसएस पर किया तीखा हमला

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा- राहुल गांधी ने उस 'सिस्टम' का पर्दाफाश कर दिया है जो छात्रों की आवाज दबा रहा है। रमेश ने कहा, 'यह सिस्टम कौन है? यह भाजपा-आरएसएस के लोग हैं, जिन्होंने देश की शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजनीति और हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। इन्होंने शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट बना दिया है, क्योंकि यह सिस्टम छात्रों से डरता है। छात्र सवाल पूछते हैं और जवाबदेही मांगते हैं। अब राहुल गांधी उनके साथ खड़े हैं, इसलिए छात्रों का डर खत्म हो चुका है और उनकी आवाज पूरे देश में गूंज रही है।'

सीए के लिए एआई सहायक विकल्प नहीं : प्रसन्ना कुमार

आईसीएआई अध्यक्ष ने कहा- एआई सिर्फ आंकड़े देगा, राय सीए ही देगा

एजेंसी, कोच्चि

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के अध्यक्ष प्रसन्ना कुमार डी. ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चार्टर्ड अकाउंटेंट के काम को आसान और तेज बनाने में महत्वपूर्ण मदद कर सकती है, लेकिन यह पेशेवर सीए की भूमिका को समाप्त नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि एआई आंकड़े और डाटा तैयार करने के साथ ऑडिटिंग में लगने वाले समय को कम कर रहा है, लेकिन आंकड़ों का आकलन करने, परिस्थितियों को समझने और अंतिम राय देने के लिए पेशेवर सीए की आवश्यकता बनी रहेगी। उन्होंने एआई के इस्तेमाल में सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि इसके परिणामों पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जा सकता।

नैतिकता और पेशेवर विवेक के आधार पर अंतिम निर्णय लेना जरूरी है। आईसीएआई अध्यक्ष ने बताया कि संस्थान सीए को एआई अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है और इसके लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से सीए को एआई के उपयोग तथा अपने कार्यालयों के लिए एआई उपकरण विकसित करने की जानकारी दी जा रही है।

55 हजार सीए को एआई प्रशिक्षण

अब तक करीब 55 हजार सीए को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आईसीएआई ने सीए जीपीटी भी विकसित किया है, जिसमें आयकर, निगम कर और पेशे से जुड़े मानकों की जानकारी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि एआई के कारण ऑडिटिंग में समय की बचत हो रही है और एक ही डाटा की कई प्रविष्टियों वाले कार्यों में यह विशेष रूप से उपयोगी है। हालांकि, विश्लेषण और पेशेवर राय के लिए मानव विशेषज्ञता जरूरी है। आईसीएआई के उपाध्यक्ष मंगेश किनरे ने कहा कि एआई के आने के बाद सीए की मांग बढ़ी है।

बिकवाली 2026 में भारतीय बाजार से अब तक 2.45 लाख करोड़ की बिकवाली

इस महीने विदेशी निवेशकों ने निकाले 20,974 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला फिर लौट आया है। सितंबर महीने में 18 तारीख तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 20,974 करोड़ रुपए की भारी निकासी की है। वैश्विक अनिश्चितताओं, अमेरिका में बढ़ती ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए ने विदेशी निवेशकों को सतर्क कर दिया है।

जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,630 करोड़ रुपए की मजबूत खरीदारी के बाद सितंबर में फिर से बिकवाली देखने को मिल रही है। सीडीएसएल के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 2026 में एफपीआई अब तक भारतीय शेयरों से कुल 2.45 ट्रिलियन यानी 2.45 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह आंकड़ा पूरे 2025 में हुई 1.66 ट्रिलियन की कुल बिकवाली से भी काफी ज्यादा है। हालांकि, इस बिकवाली के बीच एक सकारात्मक पहलू यह है कि प्राइमरी मार्केट यानी आईपीओज के जरिए विदेशी निवेश का ट्रेंड सितंबर में भी जारी रहा है।

एफपीआई बिकवाली की तीन मुख्य वजह

अमेरिका में ऊंची ब्याज दरें और बॉन्ड यील्ड: अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को बढ़ाकर 3.75-4.00% कर दिया है। इसके चलते भारत और अमेरिका के बीच यील्ड का अंतर कम हो गया है, जिससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय एसेट्स की और आकर्षण घट गया है।

कच्चे तेल के दामों में उछाल: पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड लगातार 100 डॉलरप्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है। इससे भारत में महंगाई बढ़ने और आयात बिल में इजाफे की चिंताएं बढ़ी हैं।

कमजोर होता रुपया: अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में तेज गिरावट आई है। हाल ही में रुपया चार महीनों की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट (1.1%) के साथ 95.92-95.96 के निचले स्तर पर आ गया और इंट्राडे में 96 के स्तर को भी पार कर गया। इससे विदेशी निवेशकों के रिटर्न पर बुरा असर पड़ रहा है।

विदेशी निवेशकों की डेट मार्केट में भी बिकवाली

इक्विटी के अलावा विदेशी निवेशकों ने डेट यानी लोन मार्केट से भी अपने हाथ खींचे हैं। सितंबर में अब तक विदेशी निवेशकों ने फुल्ली एक्सेसिबल रूट से 10,296 करोड़ निकाले। वहीं वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 1,817 करोड़ की बिकवाली की। इसके अलावा जनरल रूट से 1,068 करोड़ रुपए निकाले हैं।